{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 06 दिसम्बर 2025
पौस कृष्ण 02 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 74
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स – 85,265.32
निफ्टी – 26,033.75
सोना – 1,29,660
चांदी – 1,91,000
डॉलर – 89.93

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

गूगल पर 2025 में सबसे ज्यादा कुंभमेले के बाद धर्मेंद्र को किया गया सर्च

नई दिल्ली। गूगल ने 2025 के सबसे ज्यादा सर्च किए गए न्यूज इवेंट की सूची जारी की है। इस लिस्ट में कुंभ मेले के बाद धर्मेंद्र सबसे ज्यादा सर्च किए गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पहले नंबर पर सबसे ज्यादा महाकुंभ मेला सर्च किया गया। इसके बाद दूसरे नबंर पर धर्मेंद्र, तीसरे नंबर पर बिहार इलेक्शन, चौथे पर भारत-पाकिस्तान न्यूज और पांचवें नंबर पर दिल्ली इलेक्शन रिजल्ट सर्च किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक धर्मेंद्र को लेकर पांच चीजें सबसे ज्यादा सर्च गईं। सबसे पहले तो लोग ये जानना चाहते थे कि धर्मेंद्र जिंदा हैं या नहीं। दरअसल, धर्मेंद्र के निधन से 10-15 दिन पहले ही उनकी मौत की खबरें आई थी, जिसे हेमा मालिनी और ईशा देओल ने खारिज कर दिया था। दूसरे नंबर पर धर्मेंद्र की हेल्थ अपडेट सर्च की गई। तीसरे नंबर पर धर्मेंद्र की न्यूज अपडेट सर्च किया गया।

पंजाब पुलिस में रीलबाजी नहीं चलेगी

मोहाली। पुलिस कर्मचारियों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अनुचित वीडियो और रीलें पोस्ट किए जाने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पंजाब पुलिस ने सख्त दिशा-निर्देश लागू कर दिए हैं। हाल में कुछ पुलिसकर्मी वर्दी में डांस, भंगड़ा और मनोरंजक वीडियो बनाते दिखाई दिए थे, जिससे विभाग की छवि प्रभावित हुई। इस पर डीजीपी ऑफिस ने सभी रेंज के आईजी, डीआईजी, पुलिस कमिश्नरों और जिलों के एसएसपी को निगरानी बढ़ाने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। स्टेट साइबर क्राइम विंग को इस संबंध में नोडल एजेंसी बनाया गया है, जो संदिग्ध सोशल मीडिया गतिविधियों की समय-समय पर रिपोर्ट तैयार कर डीजीपी की अध्यक्षता वाली बैठक में पेश करेगा।

एजुकेशनल ट्रस्ट का पूर्व प्रेसीडेंट गिरफ्तार

बीकानेर। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में बीकानेर में बड़ी कार्रवाई की है। अलफुरकान एजुकेशनल ट्रस्ट की बीकानेर इकाई के पूर्व प्रेसिडेंट मोहम्मद सादिक उर्फ सादिक खान को गिरफ्तार किया है, उस पर प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, 2002 के नियमों के तहत कार्रवाई की गई है। सादिक पर पब्लिक डोनेशन को सिस्टमेटिक तरीके से दूसरी जगह भेजने, बड़े पैमाने पर कैश-बेस्ड क्रिमिनल एक्टिविटी, संदिग्ध विदेशी कनेक्शन और रेडिकलाइजेशन और गैर-कानूनी नेटवर्क में शामिल होने वाले मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में शामिल होने का आरोप है। गिरफ्तारी के बाद स्पेशल कोर्ट, जयपुर के सामने पेश किया गया, जहां से स्पेशल कोर्ट

कुछ ना कहना

रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर पुतिन से बोले पीएम मोदी

भारत निष्पक्ष नहीं है, हम शांति की तरफ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हैदराबाद हाउस में बैठक की। इस दौरान पीएम मोदी ने रूस-यूक्रेन संघर्ष पर भी अहम संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत निष्पक्ष नहीं है। भारत शांति की तरफ है।

मोदी ने पुतिन से कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष अब खत्म होना चाहिए। वह भी बातचीत और कूटनीतिक कोशिशों से। हम शांतिपूर्ण हल का समर्थन करते हैं। पीएम मोदी के इस बयान पर पुतिन ने कहा कि रूस भी संघर्ष के शांतिपूर्ण अंत के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व का कल्याण शांति मार्ग पर ही है हम सबको मिलकर शांति के राह तलाशने चाहिए और पिछले दिनों जो प्रयास चल रहे हैं मुझे पूरा विश्वास है कि विश्व फिर से एक बार शांति की दिशा में लौटेगा।

अपने आपसी रिश्तों पर

पीएम मोदी ने कहा कि हमारी समिट कई नतीजों के साथ चल रही है। आपकी यात्रा बहुत ऐतिहासिक है। 2001 में जब आपने कार्यभार संभाला और पहली बार भारत की यात्रा हुई आज उसे 25 साल हो गए हैं। उस पहली यात्रा में ही स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप की मजबूत नींव रखी गई थी। मैं निजी तौर पर भी बहुत खुश हूं कि आपके साथ मेरे रिश्तों ने भी 25 साल पूरे कर लिए हैं। मेरा मानना है कि 2001 में आपने जो रोल निभाया, वह इस बात का शानदार उदाहरण है कि एक विजनरी लीडर कैसे होता है, वह कहां से शुरू करता है और रिश्तों को कहां तक ले जा सकता है इसका एक उत्तम उदाहरण भारत और रूस के संबंध हैं।

आर्थिक संबंधों पर

पीएम मोदी ने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है हम आज कई विषयों पर चर्चा करने वाले हैं। भारत और रूस का आर्थिक संबंधों का अधिक विस्तार हो। हम नई-नई ऊंचाईयों को प्राप्त करें।

इंडिगो संकट : मप्र के हवाई अड्डों पर 85 उड़ानें रद्द, हजारों यात्री परेशान

भोपाल/इंदौर। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो द्वारा पायलटों के उड़ान-समय नियमों के प्रबंधन में विफलता के कारण उपजे देशव्यापी संकट का असर आज मध्य प्रदेश के हवाई अड्डों पर भी व्यापक रूप से देखा गया। शुक्रवार को राज्य के विभिन्न हवाई अड्डों पर इंडिगो की कुल 85 उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिससे हजारों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

मध्य प्रदेश के हवाई अड्डों पर स्थिति

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, राज्य के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे इंदौर (देवी अहिल्या बाई होल्कर) पर इंडिगो की कुल 49 उड़ानें (25 आगमन और 24 प्रस्थान) रद्द हुईं, जिसकी पुष्टि निदेशक सुनील मग्गिरवार ने की। इसी तरह, भोपाल (राजा भोज) हवाई अड्डे पर इंडिगो की 28 निर्धारित उड़ानों में से 18 उड़ानें (9 आगमन और 9 प्रस्थान) रद्द की गईं, जैसा कि निदेशक रामजी अवस्थी ने बताया। इसके अतिरिक्त, जबलपुर (डुमना) हवाई पट्टी से 10 उड़ानें, खजुराहो से 4 उड़ानें (जो विदेशी पर्यटकों को प्रभावित करती हैं), और ग्वालियर (राजमाता विजयाराजे सिंधिया) हवाई अड्डे से भी 4 उड़ानें रद्द रहीं, जिसकी जानकारी संबंधित हवाई अड्डा निदेशकों ने दी।

दिल्ली में विश्वविद्यालय की बैठक के लिए जा रहीं यात्री कनक आहूजा ने इंदौर हवाई अड्डे पर अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि, हर कोई यहाँ परेशान है। रिफंड की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन आगे की यात्रा के लिए कोई विकल्प नहीं है। वहीं, कोयंबटूर जाने वाले जस्टिन नामक एक अन्य यात्री ने शिकायत की कि उन्हें पहले उड़ान पुनर्निर्धारित होने की सूचना मिली थी, लेकिन हवाई अड्डे पर आने पर पता चला कि वह रद्द हो चुकी है।

यह संकट इंडिगो द्वारा नए पायलट फ्लाइंग-टाइम विनियमों के लिए योजना बनाने में विफल रहने के कारण शुरू हुआ।

लोकसभा में नेशनल सिक्योरिटी सेस बिल पास, वित्त मंत्री बोली

पान मसाला-सिगरेट पर लगेगा नया टैक्स

- इसका इस्तेमाल नेशनल सिक्योरिटी में होगा, जिससे कारगिल जैसे हालात में बजट कम ना हो

नई दिल्ली। सिगरेट-पान मसाला जैसे प्रोडक्ट पर सरकार अब एक्स्ट्रा टैक्स लगाएगी। एक्स्ट्रा टैक्स से आने वाले पैसे को नेशनल सिक्योरिटी के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। यह जानकारी शुक्रवार को लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दी। लोकसभा में शुक्रवार को हेल्थ सिक्योरिटी से नेशनल सिक्योरिटी सेस बिल पास हो गया। इस बिल के पास होने के बाद पान मसाला जैसी चीजें महंगी हो जाएंगी। बिल पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कारगिल लड़ाई तैयारी की कमी की वजह से हुई। आर्मी जनरलों ने बताया था कि 1990 के दशक की शुरुआत से बजट की कमी की वजह से आर्मी के पास सिर्फ 70-80 प्रतिशत ऑथराइज़्ड हथियार, गोला-बारूद और इक्विपमेंट थे। हम नहीं चाहते कि भारत में वह स्टेज फिर कभी वापस आए।

वित्त मंत्री ने बिल पेश करते हुए कहा कि सेस किसी भी आवश्यक वस्तु पर नहीं, बल्कि स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाली हानिकारक वस्तुओं पर लगाया जाएगा। उन्होंने कहा विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आम नागरिकों पर बोझ डाले बिना राष्ट्र की सुरक्षा के लिए जरूरी चीजों के लिए फंड मिले। वित्त मंत्री ने कहा कि इस बिल से प्राप्त राजस्व को विशिष्ट स्वास्थ्य योजनाओं के लिए राज्यों के साथ साझा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 40 प्रतिशत जीएसटी के अलावा पान मसाला इकाइयों पर स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर भी लगाया जाएगा।

मॉडर्न वॉरफेयर के लिए रिसोर्सेस की जरूरत

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसपर कहा कि मैं इसकी इम्पॉर्टेंस पर नहीं जाउंगी लेकिन देश की सुरक्षा की जरूरतों को पूरा करने के लिए हमें रिसोर्सेस की जरूरत है। लाल किले से पीएम ने मिशन सुदर्शन चक्र की जानकारी दी थी। ऑपरेशन सिंदूर के समय तीनों सेनाओं ने शानदार काम किया जिसमें टेक्निकल इंस्ट्रूमेंट्स की जरूरत पड़ी। यही मॉडर्न वॉरफेयर है और इसी के लिए हमें सेस लगाने की जरूरत है। ये पूरा फंड देश के लोगों की सुरक्षा में ही खर्च होगा। हम ये सेस केवल डीमेरिट गुड्स पर ही लगा रहे हैं।

इनकम टैक्स और जीएसटी में छूट को बढ़ाया

वित्त मंत्री ने प्रोडक्ट महंगे करने को लेकर कहा कि हमारी सरकार ने इनकम टैक्स में छूट दी। जीएसटी काउंसिल का भी धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने हमारी सिफारिशों का माना। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि ऐसे प्रोडक्ट्स सस्ते न हों। उन्होंने कहा कि एक वित्त मंत्री के रूप में उनका दायित्व धन जुटाना है, यह बात उन्होंने कुछ सदस्यों द्वारा यह पूछे जाने पर कही कि रक्षा बजट के लिए पान मसाले पर कर क्यों लगाया जाए।

भारत में सिगरेट से हर साल 10 लाख लोगों की मौत

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, पूरी दुनिया में हर साल सिगरेट पीने की वजह से 80 लाख से ज्यादा लोगों की प्रीमेच्योर डेथ होती है। वहीं भारत में हर साल स्मोकिंग के कारण 10 लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इसमें अगर अन्य तंबाकू उत्पादों के सेवन के कारण हुई मौतों के आंकड़े भी जोड़ दिए जाएं तो भारत में हर साल लगभग 13.5 लाख लोगों की मौत तंबाकू के सेवन के कारण होती है। यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन के मुताबिक, सिगरेट पीने से लोगों की लाइफ एक्सपेक्टेंसी तेजी से घट रही है। एक सिगरेट पीने से जिंदगी के 20 मिनट कम हो रहे हैं। वहीं अगर कोई 10 साल तक रोज 10 सिगरेट पी रहा है तो इसका मतलब है कि उसकी जिंदगी के 500 दिन कम हो गए हैं।

केरल की कई को-ऑपरेटिव बैंकों की याचिकाएं खारिज कर सुप्रीम कोर्ट बोला

मंदिर का चढ़ावा भगवान की संपत्ति, बैंकों को बचाने के लिए नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि मंदिर में चढ़ा हर एक रुपया भगवान की संपत्ति है और इसे किसी भी को-ऑपरेटिव बैंक की आर्थिक हालत सुधारने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने केरल की कई को-ऑपरेटिव बैंकों की याचिकाएं खारिज कर दीं और हाईकोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें तिरुनेल्ली मंदिर देवस्वम् को जमा राशि दो महीने के भीतर लौटाने को कहा गया था।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने मामले की सुनवाई की। इस दौरान सीजेआई ने बैंकों की तरफ से पेश वकीलों से पूछा- क्या आप मंदिर का पैसा बैंक बचाने के लिए इस्तेमाल करना चाहते हैं? कोर्ट ने कहा कि यह धन सुरक्षित और भरोसेमंद राष्ट्रीयकृत बैंक में रखा जाना चाहिए, जहां मंदिर को ज्यादा ब्याज भी मिले। हालांकि, कोर्ट ने बैंकों को यह छूट दी कि वे समय बढ़ाने के लिए हाईकोर्ट से अनुरोध कर सकते हैं।

केरल के तिरुनेल्ली मंदिर देवस्वम ने 2025 की शुरुआत से अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट की रकम

वापस मांगते हुए कई बार स्थानीय कोऑपरेटिव बैंकों से गुहार लगाई, लेकिन बैंकों ने पैसे लौटाने से लगातार इनकार कर दिया। मंदिर ट्रस्ट का कहना था कि यह राशि मंदिर के कामकाज और रखरखाव के लिए जरूरी है, इसलिए एफडी तोडक़र तुरंत पैसा चाहिए। बैंक न तो एफडी बंद कर रहे थे और न ही रकम वापस कर रहे थे। आखिरकार देवस्वम ने मामला केरल हाईकोर्ट में लगाया। हाईकोर्ट ने रिकॉर्ड देखने के बाद माना कि बैंक बिना किसी वैध कारण के मंदिर ट्रस्ट की जमा राशि रोक रहे हैं। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए आदेश दिया कि सभी कोऑपरेटिव बैंक दो महीने के भीतर तिरुनेल्ली देवस्वम का पूरा पैसा वापस लौटाएं।

इंडिगो एयरलाइन संकट पर राहुल गांधी ने केंद्र को घेरा, मोनोपॉली मॉडल वाली आर्थिक नीतियों का नतीजा

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइन में लगातार तीसरे दिन उड़ानें रद्द होने और देरी की स्थिति के बीच राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हुई हैं। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र पर हमला करते हुए सरकार की मोनोपॉली मॉडल वाली गलत आर्थिक नीतियों का नतीजा बताया। राहुल गांधी ने लिखा, इंडिगो फियास्को इस सरकार के मोनोपॉली मॉडल की कीमत है। फिर से लोगों को देरी, कैंसिलेशन और बेबसी का सामना करना पड़ रहा है। राहुल गांधी ने छपे अपने आर्टिकल के जरिए कहा कि आज देश एक इसतरह के मोड़ पर खड़ा है जहां भय और मुक्त कारोबारी माहौल में से किसी एक को चुनना होगा। ईस्ट इंडिया कंपनी ने आवाज छीनी थी और आज नई मोनोपॉली वही डर वापस आ रहा है। ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत को ताकत से नहीं, बल्कि मोनोपॉली और दबाव की नीति से चुप कराया था। आज वैसा ही माहौल कुछ उद्योगपतियों ने पैदा कर दिया है, जिन्होंने विशाल संपत्ति बनाई, लेकिन देश में आर्थिक असमानता बढ़ा दी।

राहुल गांधी का आरोप है कि देश की संस्थाएं अब लोगों की नहीं रहीं, बल्कि इन मोनोपॉली समूहों

की सेवा करती दिखती हैं। लाखों छोटे कारोबार चौपट हो रहे हैं और देश नौकरियों का निर्माण नहीं कर रहा है। राहुल गांधी ने भारतीय कारोबारी समुदाय को लेकर कहा कि वे फोन पर बात करने से भी डरते हैं। डरते हैं कि कोई मोनोपॉली समूह और सरकार मिलकर उनके सेक्टर में घुस न जाए? हालांकि उन्होंने कुछ उद्योगपतियों और कंपनियों का जिक्र कर कहा कि वे ईमानदारी से काम करते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि ये कंपनियां बताती हैं कि भारत में बिना मोनोपॉली के भी शानदार सफलता संभव है।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि उनकी राजनीति हमेशा कमजोर और आवाजहीन लोगों की सुरक्षा के लिए खड़ी होती है, लेकिन अब उन्होंने समझा है कि कारोबारी समुदाय भी एक लाइन में खड़ा है और उस लाइन में उन्हीं के साथ अन्याय हो रहा है। सरकारी एजेंसियों का प्रयोग डराने या दबाव डालने के लिए नहीं होना चाहिए। बैंकों को केवल 100 बड़े उधारकर्ताओं पर निर्भर रहने के बजाय प्ले फेयर बिजनेस को भी समर्थन देना चाहिए।

यूपी-बिहार समेत तीन राज्यों में छापेमारी कर एनआईए ने चार लोगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने गुरुवार को हथियार एवं गोला-बारूद तस्करी मामले में यूपी-बिहार समेत तीन राज्यों में कई स्थानों पर छापेमारी के बाद चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि एनआईए की 22 टीमों ने बिहार के नालंदा, शेखपुरा और पटना जिलों में सात स्थानों, यूपी के औरैया जिले में 13 स्थानों और हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में दो स्थानों पर एक साथ छापे मारे।

बयान में कहा गया है कि छापेमारी में टीम ने बड़ी मात्रा में कई बोर के हथियार और गोला-बारूद, एक करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी, आपत्तिजनक डेटा वाले कई डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, फर्जी और संदिग्ध पहचान दस्तावेज जब्त किए हैं। तलाशी के बाद एनआईए ने पटना से शशि प्रकाश, शेखपुरा से रवि रंजन सिंह और कुरुक्षेत्र से विजय कालरा और कुश कालरा को अवैध गोला-बारूद की तस्करी, बिक्री और खरीद में शामिल बड़े गिरोह में उनकी सक्रिय भागीदारी के चलते गिरफ्तार किया है। एनआईए जांच के मुताबिक साजिश के तहत गोला-बारूद की तस्करी हरियाणा से यूपी में की जा रही थी और फिर उसे बिहार और देश के अन्य हिस्सों में पहुंचाया जा रहा था। यह मामला इस साल जुलाई में बिहार में शुरू हुआ था, जहां स्थानीय पुलिस ने कई हथियार और गोला-बारूद जब्त करने और बरामदगी के बाद चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनकी पहचान राजेंद्र प्रसाद, कुमार अभिजीत, शत्रुधन शर्मा और विशाल कुमार के रूप में हुई थी। बयान में कहा गया है कि गृह मंत्रालय के निर्देश पर अगस्त में मामले को अपने हाथ में लेने वाली एनआईए अपनी जांच जारी रखे हुए है।

डीएमके सांसद ने हाईकोर्ट जज को आरएसएस जज कहा

संसद में हंगामा, किरेन रिजिजू बोले- न्यायपालिका को बदनाम करने की आपकी हिम्मत कैसे हुई

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में शुक्रवार को तमिलनाडु से डीएमके सांसद टीआर बालू और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के बीच तीखी बहस हुई। डीएमके सांसद ने एक मुद्दे पर बोलते हुए एक हाईकोर्ट के जज को आरएसएस जज कह दिया। किरेन रिजिजू ने इस पर तुरंत आपत्ति जताई।

रिजिजू ने कहा- आप एक जज को आरएसएस का जज कैसे कह सकते हैं। यह संसद की मर्यादा का उल्लंघन है। आप एक जज के लिए असंसदीय भाषा का इस्तेमाल नहीं कर सकते। आप माफी मांगिए। न्यायपालिका पर कलंक लगाने की आपकी हिम्मत कैसे हुई।

इधर, राज्यसभा में विपक्ष ने इंडिगो में स्टाफ की कमी के चलते देश भर में फ्लाइट ऑपरेशन ठप होने के मुद्दे पर केंद्र से जवाब मांगा। रिजिजू ने कहा कि नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू हालात की समीक्षा कर रहे हैं। केंद्र इंडिगो की क्या मदद कर सकता है, इसका आकलन किया जा रहा है। प्रियंका गांधी ने सदन के बाहर कहा कि इंडिगो की समस्या सरकार के मोनोपोली मॉडल के कारण हुई है।

लोन सस्ते होंगे, आरबीआई ने ब्याज दर 0.25 प्रतिशत घटाई

20 साल में 20 लाख के लोन पर करीब 74 हजार का फायदा

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में लोन सस्ते हो जाएंगे। मौजूदा ईएमआई भी घट जाएगी। आरबीआई ने रेपो रेट को 0.2 प्रतिशत घटाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया है। इस कटौती का फैसला मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की 3 से 5 दिसंबर तक चली मीटिंग में लिया गया। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 5 दिसंबर को इसकी जानकारी दी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी आरबीआई जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। जब आरबीआई रेपो रेट घटाता है, तो बैंकों को सस्ता कर्ज मिलता है और वो इस फायदे को ग्राहकों तक पहुंचाते हैं। यानी, आने वाले दिनों में होम और ऑटो जैसे लोन 0.25 प्रतिशत तक सस्ते हो जाएंगे।

ताजा कटौती के बाद 20 साल के 20 लाख के लोन पर ईएमआई 310 रुपए तक घट जाएगी। इसी तरह 30 लाख के लोन पर ईएमआई 465 रुपए तक घट जाएगी। नए और मौजूदा ग्राहकों दोनों को इसका फायदा मिलेगा। आरबीआई जिस ब्याज दर पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। रेपो रेट कम होने से बैंक को कम ब्याज पर लोन मिलेगा। बैंकों को लोन सस्ता मिलता है, तो वो अकसर इसका फायदा ग्राहकों को पास कर देते हैं। यानी, बैंक भी अपनी ब्याज दरें घटा देते हैं।

रेपो रेट के घटने से हाउसिंग डिमांड बढ़ेगी

रेपो रेट घटने के बाद बैंक भी हाउसिंग और ऑटो जैसे लोन्स पर ब्याज दरें कम करते हैं। ब्याज दरें कम होने पर हाउसिंग डिमांड बढ़ेगी। ज्यादा लोग रियल एस्टेट में निवेश कर सकेंगे। इससे रियल एस्टेट सेक्टर को बूस्ट मिलेगा। आरबीआई ने फरवरी में हुई मीटिंग में ब्याज दरों को 6.5 प्रतिशत से घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दिया था। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की ओर से ये कटौती करीब 5 साल बाद की गई थी। दूसरी बार अप्रैल में हुई मीटिंग में भी ब्याज दर 0.25 प्रतिशत घटाई गई। जून में तीसरी बार दरों में 0.50 प्रतिशत कटौती हुई। अब एक बार फिर इसमें 0.25 प्रतिशत की कटौती की गई है। यानी, मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी ने तीन बार में ब्याज दरें 1.25 प्रतिशत घटाई।

रिजर्व बैंक रेपो रेट बढ़ाता और घटाता क्यों है?

किसी भी सेंट्रल बैंक के पास पॉलिसी रेट के रूप में महंगाई से लडने् का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है, तो सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है।

स्कूलों में शिविर लगाकर आधार अपडेशन करायें-कलेक्टर

कलेक्टर ने की शिक्षा संबंधी योजनाओ की प्रगति की समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कलेक्टर मृणाल मीना ने 05 दिसम्बर को जिले के सभी विकासखंड के बीआरसी, बीईओ, महाविद्यालयो के प्राचार्यो की बैठक लेकर शिक्षा संबंधी योजनाओं एवं छात्रवृत्ति योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय, सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक श्री जीपी बर्मन, जनजातीय कार्य विभाग के प्रशांत कावड़े उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम शिक्षकों की ई-अटेंडेंस की समीक्षा की गई। इस दौरान निर्देशित किया गया कि हमारे शिक्षक एप्प पर शत प्रतिशत शिक्षकों की ई-अटेंडेंस लगाना सुनिश्चित करें। जिन शिक्षकों द्वारा ई-अटेंडेंस नही लगायी जा रही है उनका वेतन काटने के निर्देश दिये गए। इस दौरान बताया गया कि जिले में 91 प्रतिशत शिक्षकों द्वारा ई-अटेंडेंस लगायी जा रही है। कक्षा 1 से 12 की समेकित छात्रवृत्ति स्वीकृति एवं वितरण की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि सभी छात्र छात्राओं के बैंक खाते अपडेट करें और जिनमें भुगतान असफल हो गया है उन खातों को भी अपडेट किया जाए। अगले 03 दिनों में समेकित छात्रवृत्ति के खाते अपडेट कराने के साथ ही छात्रवृत्ति स्वीकृत कर वितरण करने के निर्देश दिये गए। सभी बीईओ एवं बीआरसी को निर्देशित किया गया कि हर 15 दिन में संकुल प्राचार्यों की बैठक लेकर छात्रवृत्ति वितरण एवं अन्य योजनाओं की समीक्षा करें।

छात्र छात्राओं के बायोमेट्रिक अपडेशन की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि सभी बीईओ एवं बीआरसी आधार सेंटर से समन्वय कर स्कूलों में शिविर लगाए और बच्चों का आधार अपडेशन कराए।

कलेक्टर श्री मीना ने डीपीसी को सख्त निर्देश दिये कि आधार अपडेशन के लिए कोई भी बच्चा पोस्ट ऑफिस या अन्य स्थानों पर लाईन में नही लगना चाहिए। बच्चों के आधार अपडेशन की सुविधा उनके करीबी स्कूल में ही उपलब्ध करायी जाए और आधार अपडेशन का कार्य समय सीमा में पूर्ण कराया जाए। लैपटॉप वितरण एवं स्कूटी वितरण योजनाओं की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 2587 छात्र छात्राओं को लैपटॉप का वितरण कर दिया गया है और 253 छात्र छात्राओं को स्कूटी का वितरण किया जा चुका है। कक्षा 09 से 12 तक के छात्र छात्राओ को प्रथम चरण में 7914 एवं द्वितीय चरण में 5796 साईकिल का वितरण किया जा चुका है।

सर्व शिक्षा अभियान की योजनाओ की समीक्षा के दौरान जिन शालाओं में गणवेश की राशि का वितरण अब तक नही हुआ है, उन शालाओं में शीघ्रता से गणवेश की राशि का वितरण करने के निर्देश दिये गए। इसी प्रकार कक्षा 06वीं में प्रवेश लेने वाले पात्र बच्चों को शीघ्रता से साईकिल वितरण करने के निर्देश दिये गए। चाईल्ड ट्रेकिंग एप्प के माध्यम से शाला से बाहर के बच्चों को शाला में प्रवेश दिलाने एवं यूडाईस पोर्टल पर शाला त्यागी बच्चों के मैपिंग का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। कक्षा 02 एवं 03 की दक्षता उन्नयन समीक्षा के दौरान संतोषजनक प्रगति नही पाए जाने पर कलेक्टर द्वारा नाराजगी जाहिर की गई और सभी बीआरसी को सख्त निर्देश दिये गए कि वे अपने क्षेत्र की शालाओं का नियमित रूप से भ्रमण कर शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे अन्यथा उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा परियोजना के स्टॉफ का वेतन जिला पंचायत सीईओ की अनुमति से ही निकाले जाने के निर्देश दिये गए। बैठक में महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के ओटीआर का शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। इसके साथ ही सर्व शिक्षा अभियान के 05 अकादमिक समन्वयकों को 2-2 विकासखंड आवंटित कर उनकी शालाओं का निरीक्षण कर उनमें शिक्षा विभाग की सभी योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी करने के निर्देश दिये गए।

पति और ननंद ने लोहे की छड़ से की मारपीट

महिला को बहन के घर सगाई में जाना पड़ा महंगा
खैरलांजी थाने के ग्राम पिंडकेपार की घटना

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। एक महिला को अपने बहन के घर सगाई में जाना उस समय महंगा पड़ गया। जब इस महिला को उसके पति ने अपनी बहन के साथ लोहे की छड़ और हाथ मुक्के से मारपीट कर घायल कर दिए। यह घटना खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पिंडकेपार में इस महिला को दी जा रही शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना के चलते हुई। मारपीट में घायल महिला गायत्री पति हेमंत लिल्हारे 25 वर्ष का इलाज खैरलांजी के अस्पताल में किया गया ।वहीं इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर खैरलांजी पुलिस ने इस महिला के पति हेमंत पिता ओंकार लिल्हारे और नंनद सुनीता पति अशोक कुतराहे ग्राम देवटोला बालाघाट निवासी के विरुद्ध शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ति कर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पिंडकेपार निवासी गायत्री लिल्हारे अपने परिवार के साथ खेती किसानी का काम करती है। जिसे उसका पति हेमंत लिल्हारे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर विवाद करते रहता है। यह महिला अपनी बहन के गांव बम्हनी सगाई में गई थी। 4 दिसंबर को दोपहर 2ः00 बजे की गायत्री लिल्हारे अपने घर के बर्तन साफ कर आंगन में आई थी। तभी उसका पति हेमंत लिल्हारे आया और उसने अपनी पत्नी गायत्री लिल्हारे को बोला कि मेरे बिना पूछे अपनी बहन के घर गांव बम्हनी सगाई में क्यों गई थी। यह कहने के साथ ही हेमंत लिल्हारे ने अपनी पत्नी गायत्री लिल्हारे को गंदी-गंदी गालियां देने लगा। गायत्री लिल्हारे ने उसे गालियां देने माना कि तभी हेमंत लिल्हारे ने अपने पास में रखी लोहे की छड़ से अपनी पत्नी गायत्री लिल्हारे को क्रुरता पूर्वक मारपीट करने लगा। लोहे की छड़ से मारपीट करने से गायत्री को हाथ कलाई कोहनी में चोटे आई ।इसके बाद गायत्री लिल्हारे को उसकी बड़ी नंनद सुनीता कुतराहे भी हाथ मुक्के से मारपीट करने लगी हल्ला सुनकर सगाई में आए गायत्री लिल्हारे की हरकन्ता बाई और भाई प्रफुल्ल उपवंशी ने आकर बीच बचाव किये जिसके बाद हेमंत लिल्हारे ने अपनी पत्नी गायत्री लिल्हारे को अगली बार बिना बताए कही जाने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। और वहां से चला गया। इसके बाद मारपीट में घायल गायत्री अपनी मां और भाई के साथ रिपोर्ट करने के लिए खैरलांजी थाना पहुंची। खैरलांजी पुलिस ने मारपीट में घायल गायत्री लिल्हारे का इलाज खैरलांजी के ही अस्पताल में करवाए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति हेमंत पिता ओमकार लिल्हारे और नंद सुनीता पति अशोक कुतराहे ग्राम देवटोला थाना बालाघाट निवासी के विरुद्ध गायत्री लिल्हारे को शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित कर उसे मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

मोटरसाइकिल सहित गिरने से एक व्यक्ति की मौत

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मोटरसाइकिल सहित गिरने से गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई मृतक ज्ञानी चंद पिता परसराम टेम्भरे 58 वर्ष ग्राम छतेरा थाना लालबर्रा निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्ञानीचन्द टेम्भरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते थे। था। बताया गया है तीन दिन पहले ज्ञानीचंद अपने भाई संतोष टेम्भरे के साथ मोटरसाइकिल में अपनी बुआ की अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए ग्राम औलियाकन्हार गए थे और अंत्येष्टि में शामिल होने के बाद ज्ञानीचंद अपने रिश्तेदार मोहनलाल के साथ मोटरसाइकिल में अपने गांव छतेरा पहुंचे थे। ग्राम छतेरा के मंदिर के पास ज्ञानीचंद ने मोटरसाइकिल खड़ी कर रहे थे। तभी अचानक मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ने से ज्ञानीचंद्र मोटरसाइकिल सहित गिर गये। जो सिर में चोट लगने से घायल हो गये थे। बताया गया कि ज्ञानीचंद का बेटा गजेश टेम्भरेजो हाकफोर्स मुख्यालय कनकी में पदस्थ है। खबर मिलते ही वह अपने घर छतेरा पहुंचा और गंभीर रूप से घायल अपने पिता ज्ञानीचन्द को बालाघाट लाकर यहां के निजी अस्पताल में भर्ती किए थे। इस निजी अस्पताल से ज्ञानीचंद को जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई। ज्ञानीचन्द को जिला अस्पताल लाने पर चिकित्सक ने उन्हें को मृत घोषित कर दिए। जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक ज्ञानीचंद की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना लालबर्रा भिजवा दी है।

जिला स्तरीय बैंकर्स एवं परामर्शदात्री समिति की बैठक में शासकीय योजनाओं में ऋण वितरण की हुई समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 05 दिसम्बर को जिला स्तरीय बैंकर्स समिति एवं परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत बैंको को प्रेषित ऋण प्रकरण एवं उनमें ऋण वितरण की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारी श्री सौम्यदीप चटर्जी, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, अग्रणी बैंक प्रबंधक संजीव कुमार, सभी बैंको के जिला समन्वय अधिकारी एवं शासकीय विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर मीना ने बैंक एवं शासकीय अधिकारियों से कहा कि वे आपस में समन्वय बनाकर शासकीय योजनाओं के प्रकरणों में ऋण वितरण कराए। विभागीय अधिकारियों द्वारा शासन की योजनाओं के अंतर्गत तैयार प्रकरण ऋण स्वीकृति एवं वितरण के लिए बैंको को दिये जा रहे है। बैंक अधिकारियों को भी तत्परता के साथ शासकीय योजनाओं के प्रकरणों में ऋण स्वीकृति एवं वितरण में मदद करना होगा। उन्होंने शासकीय विभागों के अधिकारियों से कहा कि जिन बैंको में प्रकरण लंबित है उनके समन्वय अधिकारियों से सतत सम्पर्क बनाए रखे। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि जिन बैंको द्वारा शासकीय योजनाओ के प्रकरणों में सकारात्मक रुख नही दिखाया जाएगा उन बैंको में शासकीय योजनाओं के खाते बंद कर दिये जाएंगे।

बैठक में सर्वप्रथम प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के प्रकरणों की समीक्षा की गई और निर्देशित किया गया कि 06 दिसम्बर को जनपद पंचायत बालाघाट में आयोजित शिविर में अधिक से अधिक हितग्राहियों को ऋण वितरण किया जाए। इस योजना में जिला उद्योग केंद्र के संबंधित अधिकारी एवं हाथकरघा विभाग के अधिकारी का कार्य संतोषजनक नही पाए जाने पर उनका 02 दिनों का वेतन काटने के निर्देश दिये गए। प्रधानमंत्री आवास शहरी की समीक्षा के दौरान नगरीय निकायों के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि भारतीय स्टेट बैंक को छोड़कर किसी भी बैंक द्वारा एएचपी-आईएसएस योजना में हितग्राहियों को ऋण स्वीकृत नही किया जा रहा है।

बैठक में उद्यान विभाग की योजनाओं के अंतर्गत 136 के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 70 प्रकरण स्वीकृत होना बताया गया। बैठक में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, भीमराव अम्बेडकर योजना, बिरसा मुंडा योजना, टंट्या मामा योजना एवं संत रविदास स्वरोजगार योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य एवं बैंको द्वारा स्वीकृत ऋण प्रकरणों की समीक्षा की गई। मत्स्यपालन विभाग के केसीसी प्रकरण केवल सहकारी बैंक द्वारा ही स्वीकृत किये गए है और अन्य बैंको द्वारा स्वीकृत नही किये जा रहे है। पशुपालन विभाग के आचार्य विद्यासागर योजना में 10 के लक्ष्य के विरूद्ध 04 प्रकरणों में ऋण वितरण किया जाना बताया गया। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने बैंक अधिकारियों से कहा कि बालाघाट जिला जनजातीय बाहुल्य जिला है, अतः भीमराव अम्बेडकर योजना, बिरसा मुंडा योजना, टंट्या मामा योजना एवं संत रविदास स्वरोजगार योजना के प्रकरण प्राथमिकता से स्वीकृत किये जाए। इसी प्रकार जिले में दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में बहुत अधिक संभावना है इसलिए आचार्य विद्यासागर एवं कामधेनु योजना में लक्ष्य से अधिक प्रकरण स्वीकृत किये जाए।

बैठक में अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना की भी समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि प्राईवेट सेक्टर के बैंक इन योजनाओं में अपेक्षा के अनुरूप काम नही कर रहे है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा
जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0038/ड-154/2025-26
मौजा पांढरवानी, रा.नि.मं. लालबर्रा

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक अशोक हरिन्द्रवार पिता छुट्टन हरिन्द्रवार जाति गढ़ेवाल, निवासी ग्राम पांढरवानी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा पांढरवानी, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माता रेवती पति छुट्टन का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 12.02.2002 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम पांढरवानी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 10.12.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 03.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 06.12.2025

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट म.प्र.

पेज 12 का शेष...

फाल्ट सुधारने गोंदिया से आए कर्मचारी

बताया गया कि ट्रेन में इंजन के सामने कैटल गार्ड लगाया जाता है ताकि पटरी में रखी कोई वस्तु या घूम रहे मवेशी ट्रेन की चपेट में आकर फस ना जाए।जिसकी ऊँचाई पटरी से काफी कम होती है।जानकारी मुताबिक बालाघाट इतवारी ट्रेन में यह लगा कैटल गार्ड ढीला होकर काफी झुक गया था, जो बैहर चौकी रेलवे क्रासिंग में लगे कांक्रीट से टकराकर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका था जिससे यहां समस्या भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर भी देखने को मिली।पहले तो इस फाल्ट को लोको पायलेट और ट्रेन में मौजूद स्टॉप ने सुधारने का प्रयास किया,स्थानीय लोग भी मदद के लिए सामने आए लेकिन कैटल गार्ड में आए फाल्ट को सुधारा नही जा सका।जिसके सुधार के लिए करीब 2 घण्टे बाद गोंदिया स्टेशन से मैकेनिक टीम को बुलाया गया है। जिनके द्वारा सुधार कार्य करने के बाद ही शाम करीब 7ः15 बजे यह ट्रेन, इतवारी के लिए रवाना हुई

यात्रियों ने जाहिर की नाराजगी

उधर इस ट्रेन में सवार यात्रियों ने अपनी भारी नाराजगी जाहिर की है, तो वहीं कई यात्री ट्रेन से उतरकर पैदल बस स्टैंड पहुंचे और बस से अपने गन्तव्य का सफर पूरा किया। ट्रेन में किरोड़ी जाने के लिए सवार हुए यात्री शिव शिवा कंवरिया ,छात्र मुनेश, संतोष राउत, रामकुमार और अशोक मेडावी ने बताया कि करीब 4ः30 बजे ट्रेन बालाघाट स्टेशन से निकली थी, लेकिन यहां आकर ट्रेन को रोक दिए हैं बता रहे हैं कि इंजन के पास लगे बंफर में फाल्ट आ गया है रेलवे क्रॉसिंग पर स्थित पटरी पर बने कंक्रीट पर डंफर टकरा रहा है जिससे ट्रेन आगे नहीं बढ़ पा रही है। सभी यात्री परेशान है,कुछ तो ट्रेन से उतरकर बस स्टैंड चले गए है हमारे साथ-साथ रेलवे क्रॉसिंग पर खड़े राहगीर भी करीब 2 घण्टे से परेशान है ।

बस पकड़ने बस स्टैंड जा रहे है- शेख अजीज

इस ट्रेन में सवार होकर वारासिवनी में किसी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे यात्री शेख अजीज अपने परिवार के साथ ट्रेन से उतरकर बालाघाट बस स्टेशन की तरफ आते हुए नजर आए। जिनसे पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि ट्रेन में फाल्ट आ गया है, डेढ़ 2 घंटे से गाड़ी खड़ी हुई है वारासिवनी में कार्यक्रम है जहां जाना बहुत जरूरी है, पता नहीं ट्रेन का फाल्ट कब दुरुस्त होगा और कब हम वारासिवनी पहुंचेंगे। समय काफी अधिक हो रहा है इसीलिए हम पैदल बस स्टैंड जा रहे हैं ,वहां से बस में बैठकर वारासिवनी जाएंगे।

सुधार कार्य कर ट्रेन रवाना कर दिया गया है- चौधरी

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बालाघाट रेलवे स्टेशन प्रबंधक कृष्णमोहन चौधरी ने बताया कि स्टेशन से ट्रेन समय पर रवाना हुई थी लेकिन बीच में फाल्ट आ जाने के कारण, ट्रेन को सुधार कार्य के लिए रोका गया है।कर्मचारियों ने सुधार कार्य कर 7:15 बजे इस ट्रेन को गंतव्य की ओर रवाना कर दिया है।फाल्ट आ जाने के कारण ट्रेन में सवार यात्रियों और नगर के आम रहागीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ा, जिसके लिए हमें खेद है।

6662 किसानों से 65.69 करोड़ रुपए की, 02 लाख 77 हजार 278 क्विंटल धान की हुई खरीदी

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में 185 केंद्रो पर 01 दिसम्?बर से धान की खरीदी प्रारंभ कर दी गई है। 05 दिसम्बर की शाम तक जिले के 47 हजार 674 किसानों द्वारा धान विक्रय के लिए स्लॉट बुकिंग की गई है, इनमें से 6662 किसानों से 02 लाख 77 हजार 278 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। इसके एवज में किसानों को 65 करोड़ 68 लाख 71 हजार 582 रुपए का भुगतान किया जाना है। किसानों से खरीदे गए 17040 क्विंटल धान का परिवहन कर गोदामों में पहुंचाया जा चुका है।

गोदाम स्तर पर बनाए गए केंद्रो पर धान खरीदी के दौरान किसानों का भुगतान 03 दिनों के भीतर हो जा रहा है। गोदाम स्तरीय 06 केंद्रो पर धान विक्रय करने वाले 60 किसानो को 38 लाख 65 हजार रुपए के भुगतान आदेश जेआईटी पोर्टल पर पहुंच गए है और शीघ्र ही राशि किसानों के खाते में पहुंच जाएगी। समिति स्तर पर बनाए गए केंद्र पर धान विक्रय करने वाले किसानों को भुगतान में कुछ दिनों का इंतजार करना होता है। खरीदी केंद्र से गोदाम में धान पहुंचने पर ही उसके भुगतान की प्रक्रिया प्रारंभ होती है, जबकि गोदाम स्तर के केंद्र पर धान विक्रय करने के साथ ही भुगतान की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाती है।

कलेक्टर श्री मीना के निर्देश पर जिले के जिन खरीदी केंद्रो पर अधिक मात्रा में धान की खरीदी हो रही है, उन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। ऐसे केंद्रो की प्रतिदिन कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, सहकारी बैंक के शाखा प्रबंधक एवं नागरिक आपूर्ति निगम की टीम द्वारा जांच की जा रही है। जिले के सभी खरीदी केंद्रो पर सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है। किसानों से अपील की गई है कि वे अपनी धान को अच्छी तरह से साफ कर एवं सुखाकर ही विक्रय के लिए लाए। खरीदी केंद्रो पर शासन द्वारा निर्धारित एफएक्यू गुणवत्ता की धान ही खरीदी जाएगी।

सीसीटीवी से धान खरीदी केंद्रो की निगरानी

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। कलेक्टर व बैंक प्रशासक श्री मृणाल मीना के मार्गदर्शन में जिले के धान खरीदी केंद्रों में उपार्जन कार्य किया जा रहा है। जिसके चलते 05 दिसंबर सायं तक 6508 कृषकों से 2 लाख 69 हजार 694 क्विंटल धान खरीदी की गई है। इस वर्ष सभी खरीदी केंद्रों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जा रही है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बालाघाट पी. जोशी के निर्देशन में 05 दिसंबर को धान खरीदी केंद्र कुम्हारी और समनापुर का औचक निरीक्षण एम.एल.यादव बैंक विपणन अधिकारी, राजेश नगपुरे फील्ड अधिकारी, अमरेश परिहार इन्वेंटरी मैनेजर द्वारा किया गया। इस दौरान किसानों से चर्चा की गई तथा पेयजल, बैठने की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति का जायजा लिया गया। दोनों ही केंद्रों में कैमरे चालू पाए गए साथ किसानों की बैठने की समुचित व्यवस्था पाई गई। बैंक अधिकारियों ने धान केंद्र प्रभारी और धान खरीदी में लगे अन्य कर्मचारियों को धान उपार्जन नीति अनुसार खरीदी किए जाने के निर्देश दिए गए।

PUBLIC NOTICE
(Date 05/12/2025)

This is to infrom that M/S SHIV SHAKTI AGRO INDUSTRIES, having office at, VILLAGE BASI, PH NO. 15, KHASRA NO 116/4, JHALIWADA-KATANGI ROAD, TAH-WARASEONI, DISTT- BALAGHAT (M.P.), a partnership firm incorporated on 25th April 2023, having four Partners as Shri Vinod Kumar Garg, Shri Pawan Kumar Garg, Shri Anup Kumar, Shri Tarachand Garg. On 09/05/2025, Shri Pawan Kumar Garg retired as a partner from the firm .Now the Three partners of the firm are Shri Vinod Kumar Garg , Shri Anup Kumar, Shri Tarachand Garg. This public notice is being published for the purpose of registration of change in composition of the firm with the office of Registrar of Firms and Society.

For, M/S SHIV SHAKTI AGRO INDUSTRIES
Shri Tarachand Garg
(Partner)

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
शनिवार 06 दिसंबर 2025

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज़
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

कुमादेही छात्रावास में छात्र 49 और बिस्तर मात्र 26!!

कुमादेही छात्रावास में सुविधाओं का भयंकर अभाव, 50 क्षमता वाले छात्रावास में 49 छात्र, लेकिन मात्र 26 बेड उपलब्ध, बच्चों को सोने में हो रही परेशानी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

विकासखंड परसवाड़ा के शासकीय आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास, कुमादेही की स्थिति इन दिनों चिंताजनक बनी हुई है। छात्रावास में रहने वाले छात्रों को मूलभूत सुविधाएँ पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं, जिसके कारण बच्चों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। छात्रावास 50 बिस्तरों की क्षमता का है, लेकिन वर्तमान में 49 छात्र यहाँ निवास कर रहे हैं। इसके बावजूद छात्रावास में सिर्फ 26 बेड ही उपलब्ध कराए गए हैं। बेड की कमी के चलते छात्रों को मजबूरी में एक ही बेड पर दो-दो बच्चों को सोना पड़ रहा है, जो न केवल असुविधाजनक है बल्कि उनके स्वास्थ्य और पढ़ाई पर भी असर डाल रहा है। छात्रों ने बताया कि भीड़भाड़ और समुचित व्यवस्था के अभाव में उन्हें रात में ठीक से नींद तक नहीं मिल पाती। छात्रावास में बेड, अलमारी, साफ-सफाई और अन्य मूलभूत आवश्यकताएँ बढ़ाई जाएँ, जिससे छात्र बिना परेशानी के अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

सरकार शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर नए प्रयास कर रही है। बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और उन्हें बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं, जिनके तहत न केवल स्कूलों में सुविधाएँ बढ़ाई जा रही हैं, बल्कि छात्रावास, अध्ययन-सामग्री और छात्रवृत्ति जैसी सुविधाएँ भी प्रदान की जा रही हैं ताकि बच्चों को शिक्षा अर्जित करने में किसी प्रकार की बाधा का सामना न करना पड़े। लेकिन इन प्रयासों के बावजूद कई ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं का लाभ पूर्ण रूप से नहीं पहुँच पा रहा है। शासन स्तर पर भले ही कागजों में सब कुछ व्यवस्थित दिखाया जा रहा हो, किंतु धरातल पर स्थिति पूरी तरह भिन्न दिखाई देती है। जिम्मेदारी निभाने के लिए नियुक्त कई अधिकारी व कर्मचारी अपनी ड्यूटी ठीक से नहीं निभा पा रहे हैं, जिसके चलते सरकारी योजनाएँ प्रभावहीन साबित हो रही हैं। इसी का एक ताज़ा उदाहरण जिले के विकासखंड परसवाड़ा स्थित शासकीय आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास, कुमादेही में देखने को मिल रहा है। छात्रावास को 50 बिस्तरों की क्षमता के साथ बनाया गया है, ताकि सभी छात्रों को आरामदायक सुविधा मिल सके, लेकिन यहाँ उपलब्ध सुविधा जरूरत से काफी कम है। छात्रावास में सिर्फ 26 बेड ही उपलब्ध कराए गए हैं, जबकि विद्यार्थियों की संख्या लगभग 50 के बराबर है। मजबूरी में एक ही बिस्तर पर दो-दो बच्चों को सोना पड़ रहा है, जिससे ना सिर्फ विद्यार्थियों को असुविधा होती है बल्कि उनके स्वास्थ्य और अध्ययन पर भी असर पड़ता है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि विभाग को इस स्थिति की जानकारी पहले से है। छात्रावास अधीक्षक ने स्वीकार किया कि उन्होंने बेड की कमी और अन्य समस्याओं की जानकारी विभाग को भेज दी है, इसके बावजूद अब तक कोई सुधार नहीं हो सका है।

बेड की कमी के कारण सोने में दिक्कत आती है - धनीराम

छात्र धनीराम यादव बताते हैं कि छात्रावास में मूलभूत सुविधाओं का भारी अभाव है। बेड की कमी के कारण सोने में दिक्कत आती है और वर्तमान में जैसे-तैसे गुजारा करना पड़ रहा है। छात्रों का कहना है कि भोजन भी निर्धारित मीनू के अनुसार नहीं दिया जा रहा। पिछले एक महीने से रोटियाँ तक नहीं मिल रही हैं, जिससे बच्चों को मजबूरी में परोसा जाने वाला भोजन खाना पड़ रहा है। इतना ही नहीं, छात्रावास में खेल सामग्रियों का भी अभाव है। छात्रों ने इस संबंध में कई बार संबंधित शिक्षकों और जिम्मेदारों को अवगत कराया, लेकिन उनकी समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

जल्द ही नए बेड उपलब्ध करा दिए जाएंगे - एस.के. मर्सकोले

छात्रावास के अधीक्षक एस.के. मर्सकोले ने भी स्वीकार किया कि वर्तमान में छात्रावास में बेड की कमी है। उन्होंने बताया कि छात्रावास की क्षमता 50 बिस्तरों की है, लेकिन फिलहाल केवल 26 बेड ही उपलब्ध हैं। अधीक्षक मर्सकोले ने कहा कि इस समस्या की जानकारी उन्होंने उच्च अधिकारियों को भेज दी है और विभाग की ओर से भरोसा दिलाया गया है कि जल्द ही नए फर्नीचर व बेड उपलब्ध करा दिए जाएंगे। खेल सामग्री की कमी को लेकर पूछे जाने पर अधीक्षक ने कहा कि छात्रावास को मिलने वाला बजट बहुत सीमित होता है, जिसके चलते वे सभी बच्चों को क्रिकेट किट जैसी अतिरिक्त खेल सामग्री उपलब्ध नहीं करा पाते। उन्होंने कहा कि उपलब्ध संसाधनों के आधार पर ही खेल संबंधी व्यवस्था की जा रही है। भोजन की गुणवत्ता और रोटियाँ न दिए जाने की शिकायतों पर अधीक्षक मर्सकोले ने दावा किया कि छात्रावास में भोजन नियम अनुसार ही दिया जा रहा है और किसी भी प्रकार की कमी नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि मीनू के अनुसार ही बच्चों को भोजन परोसा जा रहा है और यदि किसी दिन असुविधा हुई भी हो तो उसे तुरंत ठीक किया जायेगां ।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका एकता यूनियन ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका एकता यूनियन की कार्यकर्ता ने अपनी स्थानीय मांगों को लेकर शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय पहुँचकर ज्ञापन सौंपा। यूनियन की सदस्याओं ने बताया कि विभाग द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं से अतिरिक्त विभागीय कार्य कराए जा रहे हैं, जिससे उन्हें लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट कहा कि उनसे बी.एल.ओ. का काम करवाना उचित नहीं है, क्योंकि यह उनके मूल दायित्वों के अलावा अतिरिक्त बोझ बन गया है। उन्होंने यह भी बताया कि विभाग द्वारा हर सप्ताह फेस रीडिंग करवाने का दबाव बनाया जाता है, जिसके कारण कई बार कार्यस्थल और घर की जिम्मेदारियों को संभालना मुश्किल हो जाता है। यूनियन की महिलाओं का कहना है कि बार-बार इन समस्याओं को अवगत कराने के बावजूद उनकी मांगों पर विभाग की ओर से उचित कार्रवाई नहीं हो रही। इसी कारण उन्होंने सामूहिक रूप से कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर इन मांगों के समाधान की अपील की है। इसके साथ ही यूनियन की कार्यकर्ता ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्याओं का समय पर समाधान नहीं किया गया, तो वे आंदोलन की रणनीति अपनाने के लिए बाध्य होंगी।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका एकता यूनियन द्वारा 5 दिसंबर को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर अपनी विभिन्न स्थानीय मांगों को लेकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन दिया गया, जिसमें कार्यकर्ता बहनों ने बताया कि उनकी स्थानीय स्तर पर बहुत सी लंबित मांगे हैं, जिसके कारण उन्हें परेशान होना पड़ता है। विभाग उनसे अन्य विभागों के कार्य करवा रहा है, जिससे उन्हें अधिक परेशानी हो रही है, साथ ही विभाग के कुछ ऐसे ऑनलाइन कार्य हैं, जिन्हें करने में उन्हें काफी दिक्कतें हो रही हैं। ज्ञापन देने पहुंची यूनियन की पदाधिकारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अंजलि बिसेन और रूपेश सोनेकर ने अपने फील्ड में होने वाली परेशानियों से अवगत कराते हुए बताया कि आज बी.एल.ओ. का कार्य उन्हें इतना अधिक कठिन लग रहा है कि उनकी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बहन की मृत्यु तक हो रही है, जिसका ताजा मामला लालबर्रा क्षेत्र में सामने आया था। उन्होंने बताया कि विभाग उनसे दूसरे विभागों का कार्य करवा रहा है, जिससे उन्हें काफी दिक्कतें आ रही हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि वे आज मांग करते हैं कि आंगनवाड़ी पोषण ट्रैकर में एक ही बार हितग्राही का फेस लिया जाए। मंगल दिवस की राशि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पिछले एक साल से अप्राप्त है। पोषण ट्रैकर की राशि भी पिछले एक साल से अप्राप्त है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को टी.एच.आर. कार्यालय से ले जाने के लिए बाध्य किया जाता है, जिसकी राशि कार्यकर्ताओं को अपने पास से देनी पड़ती है, वह भी पिछले एक साल से अप्राप्त है। इसे तत्काल बंद किया जाए। एन.आर.सी. में बच्चे भर्ती कराने के लिए दबाव बनाया जाता है, यह काम आशा कार्यकर्ता को दिया जाए। ना ही एन.आर.सी. भर्ती होने वाले बच्चों के पालकों को राशि भी प्रदान की जाती है। किसी भी प्रकार की वसूली कार्यकर्ता से न की जाए। कार्यकर्ताओं पर राशि के लिए दबाव न बनाया जाए। स्कूलों के बच्चों की तरह आंगनवाड़ी के बच्चों को भी शीतकालीन अवकाश एवं ग्रीष्मकालीन अवकाश मिलना चाहिए।

होमगार्ड में फोर्स की कमी
जवानों ने पेंशन सहित नियमितीकरण पर जताई चिंता

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। स्थानीय होमगार्ड की लाइन में 6 दिसंबर को होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा का स्थापना दिवस मनाया जाएगा। इसके लिए विभाग ने सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली हैं। होमगार्ड की टीम आपदा और आपातकालीन परिस्थितियों में उल्लेखनीय कार्य करती है और समाज की सुरक्षा में अहम योगदान देती है। विभाग ने यह भी स्वीकार किया कि होमगार्ड में अभी भी कुछ विभागीय स्तर की कमियां हैं। सबसे बड़ी समस्या फोर्स की कमी है, जिससे विभिन्न आपदा प्रबंधन कार्यों में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा होमगार्ड के सैनिकों को रिटायरमेंट के बाद पेंशन और नियमितीकरण की भी बड़ी समस्या का सामना करना पड़ता है। इसके कारण सैनिकों को सेवा के दौरान और सेवा समाप्ति के बाद दोनों ही समय में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्थापना दिवस के मौके पर होमगार्ड कर्मियों का मानना हैं की न केवल होमगार्ड की उपलब्धियों को सम्मानित करना चाहिये , बल्कि इन समस्याओं पर भी ध्यान आकर्षित करना है ताकि भविष्य में बेहतर व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जा सकें।

प्रतिवर्ष 6 दिसंबर को होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा का स्थापना दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष भी यह स्थापना दिवस विभाग द्वारा पूरे धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष 79वां होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा का स्थापना दिवस मनाया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत प्रात: 10ः00 बजे होमगार्ड लाइन में परेड के साथ होगी। इस अवसर पर होमगार्ड सैनिकों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक और सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वर्ष भर उत्कृष्ट कार्य करने वाले होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा के कर्मियों को प्रशस्ति पत्र और सम्मान देकर

आज 6 दिसम्बर होमगार्ड का स्थापना दिवस

उनके योगदान की सराहना की जाएगी। विभाग द्वारा सैनिकों और अधिकारीयों को सम्मानित किया जाता है, कुछ सैनिकों का कहना है कि स्थापना दिवस के अवसर पर विभाग में अभी भी कुछ कमियों को नजरअंदाज किया जाता है। उनका कहना है कि विभाग को इन कमियों की ओर ध्यान देना चाहिए और उन्हें पूरा करना चाहिए ताकि सैनिकों का मनोबल और सेवा गुणवत्ता बढ़ सके। जिले में होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा विभाग के पास फोर्स की कमी है। जिले के लिए कुल 335 होमगार्ड सैनिकों और नागरिक सुरक्षा कर्मियों सहित अधिकारियों की आवश्यकता है, लेकिन वर्तमान में केवल 99 सैनिकों सहित अधिकारी ही पदस्थ हैं। इससे तहसील स्तर पर किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई में बाधा आती है। यदि जिला स्तर से बल भेजा जाता है, तो घटनास्थल पहुँचने में काफी समय लग जाता है। यदि तहसील स्तर पर पर्याप्त बल होता, तो विभाग तुरंत अपनी सेवाएं प्रदान कर सकता। इसी तरह की कई समस्याओं को विभाग के ध्यान में लाने की मांग होमगार्ड सैनिकों द्वारा की गई है। कुछ होमगार्ड सैनिकों ने यह भी सुझाव दिया कि स्थापना दिवस के अवसर पर न केवल सम्मान दिया जाए, बल्कि होमगार्ड सैनिकों की परिस्थितियों में सुधार और फोर्स की कमी जैसी समस्याओं पर भी गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए। इससे विभाग की कार्य क्षमता बढ़ेगी और नागरिक सुरक्षा की सेवाएं और प्रभावी रूप से जनता तक पहुंच सकेंगी।

नियमित और पेंशन योजना का लाभ नहीं हैं

कुछ होमगार्ड सैनिकों ने कैमरे के सामने तो नहीं, लेकिन अनौपचारिक चर्चा में अपनी समस्याओं और अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि आज वे अपनी जान जोखिम में डालकर बाढ़, प्राकृतिक आपदा और अन्य रेस्क्यू ऑपरेशन में भाग लेते हैं। कठिन और जोखिम भरे हालात में भी उनकी सेवाओं को पर्याप्त सम्मान और सुरक्षा नहीं मिलती। सैनिकों ने बताया कि उनका मानदेय काफी कम है और उन्हें नियमित नहीं किया गया है, जिससे उन्हें दैनिक जीवन और आर्थिक मामलों में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, उन्हें अन्य विभागों के कर्मचारियों की तरह पेंशन योजना का लाभ भी नहीं मिल रहा है। इसका प्रभाव यह होता है कि जब वे अपनी सेवाएँ पूरी कर सेवानिवृत्त होते हैं, तो उन्हें वित्तीय संकट का सामना करना पड़ता है। ऐसे समय में वे कोई अतिरिक्त कार्य नहीं कर सकते और अपने परिवार का भरण-पोषण करने में उन्हें अत्यधिक संघर्ष करना पड़ता है।

विभाग में फोर्स की कमी हैं - संयमसिंह धुर्वे

होमगार्ड विभाग के संयमसिंह धुर्वे ने दूरभाष पर बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा का स्थापना दिवस पूरे धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके विभाग की फोर्स साल भर कई ऐसे ऑपरेशन करती है, जिनमें आम जनता की जान की रक्षा की जाती है। धुर्वे ने कहा कि वे चाहते हैं कि विभाग जिले में पर्याप्त फोर्स प्रदान करे, ताकि वे और बेहतर तरीके से कार्य कर सकें। वर्तमान में अधिकांश तहसीलों में होने वाली घटनाओं के लिए मुख्यालय से बल भेजने में काफी समय लग जाता है, उन्होंने कहा कि यदि विभाग के पास पर्याप्त बल उपलब्ध होगा, तो वे और अधिक प्रभावी तरीके से आमजन को सेवाएं प्रदान कर सकते हैं और आपात परिस्थितियों में त्वरित कार्यवाही कर सकते हैं।

उपभोक्ता संरक्षण समिति बालाघाट की आम सभा बैठक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। उपभोक्ता संरक्षण समिति की आम सभा की बैठक संतोष असाटी की अध्यक्षता में समिति कार्यालय प्रेमनगर बालाघाट में आयोजित की गई। बैठक में अध्यक्ष संतोष असाटी द्वारा एक वर्ष के कार्यकाल में समिति द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की गई। इसके पश्चात समिति की सदस्यता हेतु दिलीप वडीचार द्वारा दिये गये आवेदन पर सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान करते हुये उन्हें समिति की आजीवन सदस्यता प्रदान की गई।आम सभा में कोषाध्यक्ष शिवशंकर तिवारी द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 तथा वर्ष 2025-26 के माह अक्टूबर 2025 तक लेखा जोखा तथा आय व्यय का ब्यौरा पढकर सुनाया गया।जिसमे बताया गया कि वर्तमान में समिति के पास एफडीआर के रूप में रूपये 150000, जिला सहकारी बैंक के बचत खाते में 31 अक्टूबर 2025 की स्थिति में रूपये 49106 तथा कोषाध्यक्ष के पास नगद राशि रूपये 1013 शेष है । जिसे बैठक में सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई । बैठक में समिति के विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्षों द्वारा भी अपने अपने प्रकोष्ठों की गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की गई।जिसमें रेल प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजेश गांधी द्वारा बताया गया कि विगत माह जुलाई 2025 में अध्यक्ष के नेतृत्व में समिति के एक प्रतिनिधि मंडल द्वारा रेल विभाग से संबंधित विभिन्न मांगों तथा नैनपुर से इंदौर चलाई जा रही पेंचवेली एक्सप्रेस को बालाघाट गोंदिया तक विस्तारित किये जाने के संबंध में रेल मंत्री भारत सरकार एवं महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के नाम पर मुख्य स्टेशन प्रबंधक बालाघाट के माध्यम

से ज्ञापन दिया गया था, उसके पश्चात भी उक्त ट्रेन का विस्तार गोंदिया तक किये जाने पत्राचार किया जाता रहा है। नगरपालिका प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमति मंजुला तिवारी द्वारा बताया गया कि शहर में आवारा पशुओं एवं आवारा कुत्तों के विचरण तथा मनमाने तरीके से बनाये गये स्पीड ब्रेकरों को हटाये जाकर तकनीकी मापदंडानुसार बनाये जाने के संबंध में नगरपालिका प्रशासन में कार्यवाही की गई है। स्वास्थ्य प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने स्वास्थ्य विभाग से संबंधित की गई कार्यवाही संबंधी जानकारी दी गई । इसी प्रकार बैंक एवं बीमा प्रकोष्ठ अध्यक्ष पवन चंदानी द्वारा बताया गया कि बंधन बैंक द्वारा उपभोक्ताओं के साथ लोन के मामले में की जा रही धोखाधडी संबंधी जानकारी व समिति द्वारा की गई कार्यवाही के संबंध में अवगत कराया गया।शिक्षा प्रकोष्ठ अध्यक्ष एल.डी.मेश्राम द्वारा बताया गया कि जिले के विभिन्न स्कूल एवं छात्रावासों में उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाने के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग से भेंट कर चर्चा किये जाने तथा पत्राचार किये जाने के बावजूद भी संबंधित विभागों द्वारा सहमति प्रदान नहीं किये जाने से स्कूल एवं छात्रावासों के छात्र छात्राओं के बीच उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित नहीं किये जा सके । इस संबंध में संरक्षक लोचनसिंह देशमुख द्वारा शिक्षा से संबंधित उपभोक्ताओं के अधिकारों के संबंध में विस्तृत रूप से प्रकाश डाला गया।

आगामी कार्यक्रमों की बनाई गई रूप रेखा

बैठक के दौरान आगामी 24 दिसम्बर को राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाये जाने के प्रस्ताव पर मंत्री संदीप नेमा द्वारा सुझाव दिया गया कि इसे उपभोक्ता अधिकार सप्ताह के रूप में समिति के तहसील अध्यक्षों के सहयोग से जिले की समस्त तहसील मुख्यालयों में आयोजित किया जाने की बात कही।जिस पर सभी सदस्यों द्वारा सहमति प्रदान की गई।जिसके तहत जिले की समस्त तहसील मुख्यालयों में स्कूलों एवं अन्य सुविधाजनक स्थानों पर 18 दिसम्बर से 23 दिसम्बर तक उपभोक्ता अधिकार सप्ताह का आयोजन कर उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी देने और 24 दिसम्बर को जिला मुख्यालय में राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकारी दिवस का आयोजन किए जाने की रूपरेखा बनाई गई। इस दौरान समिति के अन्य पदाधिकारी सदस्य भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

11वें इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे डॉ आगासे

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। भारत सरकार के विभिन्न प्रमुख विभागों एवं मंत्रालयों द्वारा आयोजित 11वें इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल में बालाघाट जिले के डॉ. दुर्गेश एम.आगासे जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। डॉ.आगासे नेशनल सोशल ऑर्गेनाइजेशन्स एंड इंस्टीट्यूशन्स मीट कार्यक्रम में अपने कार्यों एवं अनुभवों की प्रस्तुति देंगे।डॉ.आगासे का चयन उनके अत्यंत महत्वपूर्ण एवं अभिनव शोध श्वास में उपस्थित एसीटोन के माध्यम से मधुमेह की नॉन-इनवेसिव मॉनिटरिंग पर आधारित है। इस शोध में उन्होंने आयुर्वेद के पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक पद्धतियों से संयोजित करते हुए कम लागत वाला, आधारित उन्नत बायोसेंसर विकसित किया है, जो मधुमेह की प्रारम्भिक पहचान हेतु एक अत्यंत उपयोगी, सुलभ और समाजोपयोगी तकनीक सिद्ध हो सकती है। राष्ट्रीय चयन उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक योगदान, समाजोपयोगी विज्ञान प्रसार, तथा युवाओं में अनुसंधान के प्रति प्रेरणा जागृत करने के उनके उल्लेखनीय प्रयासों के आधार पर किया गया है।

आत्मनिर्भर भारत के लिए मिशन

बताया गया कि इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल का मुख्य लक्ष्य विज्ञान-आधारित विकास को प्रोत्साहित करना, नवाचार को आगे बढ़ाना और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में विज्ञान की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित करना है।卐नवाचार, आत्मनिर्भरता-वैश्विक भलाई के लिए भारत की भावना पर आधारित इस आयोजन में देशभर के वैज्ञानिकों, नवप्रवर्तकों, उद्योगपतियों, विज्ञान संचारकों,विद्यार्थियों और नीति-निर्माताओं को एक

ही मंच पर एकत्रित किया जाएगा।आईआईएसएफ का मानना है कि सच्ची समृद्धि वैज्ञानिक ज्ञान के प्रभावी उपयोग से ही संभव है, जो विचारों को नई दिशा देता है, शोध को विकास में परिवर्तित करता है और विज्ञान को सामाजिक कल्याण का सशक्त साधन बनाता है। बालाघाट जिले के लिए यह अत्यंत गौरव का अवसर है कि जिले के नवप्रवर्तक डॉ. दुर्गेश एम.आगासे राष्ट्रीय मंच पर विज्ञान-आधारित सामाजिक विकास हेतु अपने अभिनव कार्यों का प्रस्तुतीकरण करेंगे।

बिरसोला से बुट्टा हजारी पहुंच मार्ग बदहाल, दुर्घटनाओं का खतरा बना

ग्रामीणों ने सड़क का गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य एवं खरपतवार की सफाई करवाने की प्रशासन से की मांग

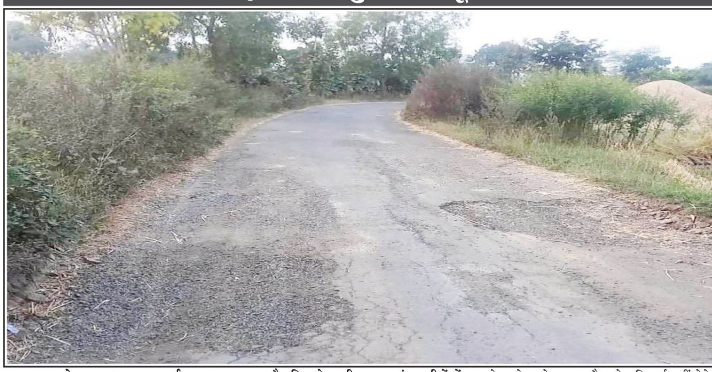

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के हाईवे मार्ग से जुडी ग्राम पंचायत बिरसोला से बुट्टा ह. पहुंच मार्ग तक पहुंचने वाली सड़क की बदहाली ग्रामीणों और राहगीरों के लिए परेशानी का सबक बन चुका है। यह मार्ग जगह-जगह गहरे गड्डों में तब्दील हो गया है, जिससे आवागमन में न सिर्फ भारी परेशानी हो रही है, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बना हुआ है। साथ ही रोड़ के दोनों ओर लंबी-लंबी झाड़िया (खरपतवार) भी उग चुकी है। जिसके कारण सड़क की मोड़ाई में दुर से आने वाले लोग दिखाई नही देते है। साथ ही सड़क का खस्ताहाल होने के कारण आने-जाने वाले ग्रामीणजन, राहगीर एवं स्कूली बच्चों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं ग्रामीण एवं राहगीरों ने सड़क का जल्द गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य एवं रोड़ किनारे उग चुकी खरपतवार (झाड़ियों) की साफ-सफाई करवाने की शासन-प्रशासन से मांग की है।

झाड़ियों ने ढका मार्ग, गड्ढे दुर्घटना को दे रहे आमंत्रण, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दे कि बिरसोला से बुट्टा हजारी पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व डामरीकरण सड़क का निर्माण किया गया था परन्तु निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण कार्य नही होने एवं समय-समय पर सड़क का मरम्मत नही होने के कारण यह मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है एवं जगह-जगह से डामर उखड़ने के साथ ही बड़े-बड़े गड्ढे भी बन चुके है। साथ ही सड़क के दोनों किनारों पर लंबी-लंबी झाड़ियां (खरपतवार) भी उग चुकी हैं। इन झाड़ियों के कारण न सिर्फ सड़क संकरी हो गई है, बल्कि मोड़ाई पर दूर से आने वाले वाहन और लोग दिखाई नहीं देते हैं। सड़क की यह दयनीय स्थिति स्कूली बच्चों, ग्रामीणजनों और राहगीरों के लिए बेहद जोखिम भरी साबित हो रही है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि यह मार्ग बुट्टा हजारी से सीधे बिरसोला होते हुए बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग में मिलती है और इस मार्ग से राहगीर, ग्रामीण एवं स्कूल के छात्र-छात्राएं आवागमन करते है। साथ ही सड़क खराब होने से सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को हो रही है। वहीं मार्ग में बने गड्डों एवं झाड़ियों के कारण हर समय दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है और पूर्व में हादसे भी घटित हो चुके है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क खराब होने से आने-जाने में परेशानी होने के साथ ही आये दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं भी घटित हो रही हैं परंतु जिम्मेदार विभाग इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। शासन-प्रशासन की इस उदासीनता से लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

मार्ग गड्डों में तब्दील हो चुका है - बाबूलाल

बाबूलाल टेम्भरे ने बताया कि बिरसोला से बुट्टा ह. पहुंच मार्ग गड्डों में तब्दील हो चुका है एवं सड़क के दोनों साईड में घनी झाड़ियां उग चुकी है जिसके कारण मोड़ाई में दुर से आने वाले लोग दिखाई नही देते है। ऐसी स्थिति में बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है एवं पुर्व में हादसे भी घटित हो चुके है। श्री टेंभरे ने बताया कि लवादा के टोल टैक्स से बचने के लिए चौपहिया वाहन चालक भी इसी मार्ग से बड़े वाहनों को लेकर गुजरते है इसलिए सड़क खराब होने के साथ ही गड्डों में तब्दील हो चुका है। जिसके कारण आने-जाने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि सड़क की इस समस्या से विभाग को कई बार अवगत करवा चुके है, लेकिन कोई ध्यान नही दे रहे है। जिससे ऐसा लग रहा है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

सड़क का जल्द निर्माण एवं झाड़ियों की सफाई करवाये प्रशासन - चंद्रकिशोर

सरपंच चंद्रकिशोर बघेले ने बताया कि यह मार्ग बुट्टा ह. को बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग से जोड़ता है, लेकिन सड़क खराब हो जाने से सभी को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और सबसे अधिक परेशानी स्कूल जाने वाले बच्चों को हो रही है। साथ ही यह भी बताया कि बरसात के दिनों में इस मार्ग से आवागमन करना मुश्किल हो जाता है क्योंकि कुछ जगह से सड़क ही गायब हो चुकी है। श्री बघेले ने बताया कि सड़क का मरम्मत एवं नवीन सड़क का निर्माण करवाने के लिए कई बार बड़े जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन से मांग कर चुके है, लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। साथ ही सड़क विभाग के अधिकारियों के द्वारा भी उदासीनता बरती जा रही है, जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। प्रशासन से मांग है कि बिरसोला से बुट्टा ह. पहुंच मार्ग का जल्द गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य एवं खरपतवार (झाड़ियों) की साफ-सफाई करवाये ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

इनका कहना है-

आपके माध्यम से संज्ञान में आया है कि बिरसोला से बुट्टा ह. पहुंच मार्ग खराब होने एवं दोनों साईड झाड़ियां उग जाने से आवागमन में परेशानी हो रही है। जल्द ही स्थल का निरीक्षण कर ठेकेदार के माध्यम से सड़क का पेंच कार्य एवं झाड़ियों की सफाई करवा दी जायेगी।

श्रीमती अरूणा सिरसाम
प्रभारी एसडीओं
पीडब्ल्यूडी विभाग लालबर्रा।

घोटी के कृष्ण मंदिर में विविध धार्मिक अनुष्ठान के साथ सार्वजनिक वार्षिकोत्सव संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 कि.मी. दूर ग्राम पंचायत घोटी स्थित सार्वजनिक कृष्ण मंदिर में गुरूवार को श्री राधा कृष्ण नम: के आव्हान के साथ भव्य सार्वजनिक वार्षिकोत्सव समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर सुबह से ही मंदिर में विविध धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए एवं दोपहर में हवन-पूजन कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। जिसमें पंडित के द्वारा यजमान की उपस्थिति में हवन-पूजन संपन्न करवाया गया और उपस्थितजनों ने हवनकुंड में पुर्णाहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये। तत्पश्चात आरती कर भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस तरह से मंदिर के सार्वजनिक वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में श्रध्दालुजन पूर्ण श्रध्दा और उत्साह के साथ शामिल हुए। साथ ही सामूहिक रूप से हवनकुंड में आहुति डालकर क्षेत्र की सुख-शांति तथा समृध्दि की कामना की। चर्चा में सीताराम गजबे ने बताया कि श्री राधा कृष्णाय नम: के पावन आव्हान के साथ श्री राधा कृष्ण सार्वजनिक वार्षिकोत्सव कार्यक्रम गुरूवार को संपन्न हुआ। इस अवसर पर विविध धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम संपन्न हुए

तत्पश्चात हवन-पूजन कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। जिसमें ग्रामीणजनों ने हवनकुंड में पुर्णाहुति डाले तत्पश्चात आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर सार्वजनिक कृष्ण मंदिर के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खोंगाटोला में टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता जारी, फाइनल मैच कल

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत मोहगांव ध. के अंतर्गत आने वाले ग्राम खोंगाटोला में के- 25 क्रिकेट खेल मैदान में के-25 के तत्वाधान में गत दिवस से 21 हजार रूपये ईनामी टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता जारी है। जिसका समापन 7 दिसंबर को फाइनल मैच के साथ समारोहपूर्वक किया जायेगा। इस 21 हजार ईनामी टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता में रोजाना मैच खेले जा रहे है। इसी कड़ी में शुक्रवार को गर्रा एवं बहियाटिकुर के मध्य मैच खेला गया। जिसमें गर्रा टीम के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विजयी हुई। जिसके बाद गर्रा और जागपुर के मध्य मैच खेला गया, जिसमें जागपुर की टीम विजयी रही। वहीं दुसरा मैच हीरापुर एवं समनापुर के मध्य मैच खेला गया, जिसमें समनापुर की टीम विजयी रही। इस तरह से जागपुर एवं समनापुर सेमी फाइनल मैंच में प्रवेश कर चुकी है। वहीं 6 दिसंबर को सिकन्द्रा और चरेगांव के मध्य मैंच खेला जायेगा, जिसमें जो टीम विजयी होगी उसके साथ पांढरवानी की टीम के मध्य सेमी फाइनल मैच खेला जायेगा और यह मैच जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, उपाध्यक्ष राजा लिल्हारे

के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ होगा। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारी मोहित दमाहे ने बताया कि खोगाटोला (मोहगांव ध.) में गत दिवस से टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता जारी है और रोजाना मैच खेले जा रहे है। गुरूवार को विभिन्न मैच संपन्न हुए है जिसमें जागपुर एवं समनापुर की टीम सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है एवं 6 दिसंबर को सिकन्द्रा और चरेगांव के मध्य मैच खेला जायेगा। जिसमें जो टीम विजेता बनेगी वह टीम पांढरवानी के साथ सेमी फाइनल मैच खेलेगी। साथ ही यह भी बताया कि 7 दिसंबर को दो सेमी फाइनल मैंच से जो टीम विजेता होगी उनके मध्य फाइनल मैच खेला जायेगा। श्री दमाहे ने बताया कि आयोजित आयोजित टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 21000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 11000 रूपये रखा गया है और बेस्ट बेडमिंटन, बेस्ट कीपर सहित अन्य पारितोषित पुरस्कार के रूप में हेलमेट दिया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने एवं कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील आयोजन समिति के संयोजक मोहित दमाहे, मंजू बसेने, अध्यक्ष देवेन्द्र बसेने, सोनू नगपुरे, नितेश नगपुरे, भावेश बघेले, सचिव दिनेश राउत, गुरूवेश बनकर, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र लिल्हारे, संजय नगपुरे, सहसचिव विजेन्द्र नगपुरे, गुल्लू नगपुरे, बुगलेश्वर दमाहे, कप्तान पीतम नगपुरे, उपकप्तान बंटी नगपुरे, टीम प्रभारी खेमचंद्र बसेने, लालाराम नगपुरे, मीडिया प्रभारी जयसिंह नगपुरे, सिध्दार्थ बसेने, मीडिया संरक्षक पूनम राउत, वरिष्ठ संरक्षक सदस्य तिलकराम नगपुरे, बलराम नगपुरे, घनश्याम बरैया, मंजन बसेने, संग्राम बघेले, डॉ धनाराम बसेने, ओमकार दशरिये, चैतराम बसेने, बुधराम बसेने, भागरती नगपुरे, डालचंद बसेने, गणेश लिल्हारे, उत्तम नगपुरे, गयाप्रसाद बसेने, ज्ञानीराम बसेने, परदेशी नगपुरे, सोमालाल बघेले, दिनेश बघेले, बेनीराम बसेने, नोकचंद बसेने, मंशाराम दशरिये, रतिराम नगपुरे, मस्तराम बसेने, नानकराम नगपुरे, गज्जू बसेने सहित अन्य पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

शिकारी तालाब में सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण को हटाया

पांढरवानी पंचायत और राजस्व विभाग की संयुक्त कार्यवाही, विसर्जन घाट मार्ग पर लगी अवैध फेंसिंग तार को हटाकर की जप्ती

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के गार्डन स्थित शिकारी तालाब के विसर्जन घाट पहुंच मार्ग से लगी शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण कर कब्जा करने का प्रयास ग्राम पंचायत और राजस्व विभाग की तत्परता से नाकाम हो गया। वहीं पंचायत एवं राजस्व विभाग के द्वारा शासकीय भूमि पर फेंसिंग लगाकर किये गये अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही कर पंचायत के द्वारा फेंसिंग तार को जप्त कर लिया गया है। वहीं पांढरवानी सरपंच ने प्रशासन से शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने का प्रयास करने वाले कलीमउद्दीन हन्फी पर वैधानिक कार्यवाही करने की मांग की है।

अतिक्रमण हो जाने पर आवागमन में होती परेशानी

आपकों बता दे कि नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के शिकारी तालाब के विसर्जन घाट तक पहुंचने में श्रध्दालुओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था और लंबे समय से श्रध्दालुजन एवं नगरवासी पंचायत से विसर्जन घाट तक पहुंचने के लिए सीसी सड़क निर्माण करवाने की मांग कर रहे थे। श्रध्दालुओं की मांग पर खनिज मद की राशि से पांढरवानी पंचायत के द्वारा सीसी सड़क का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है, जिसका कार्य जारी है। इसी क्षेत्र से सटी भूमि के मालिक लालबर्रा निवासी कलीमउद्दीन हन्फी के द्वारा शासकीय मार्ग की भूमि पर फेंसिंग लगाकर कब्जा करने की कोशिश की गई थी। यदि यह कब्जा सफल हो जाता तो विसर्जन घाट तक आने-जाने वाले श्रध्दालुओं और नागरिकों को भारी असुविधा होती। वहीं शासकीय भूमि एवं विसर्जन घाट पहुंच मार्ग पर अतिक्रमण करने की जानकारी लगते ही लोगों में आक्रोश देखा गया और पांढरवानी पंचायत के द्वारा राजस्व विभाग एवं थाने में अतिक्रमण संबंध में शिकायत कर अतिक्रमणकारियों पर वैधानिक कार्यवाही करने की मांग की गई थी। वहीं शासकीय भूमि पर अतिक्रमण होने की जानकारी लगते हुए शुक्रवार को

दोपहर में तहसीलदार भूपेन्द्र अहिरवार राजस्व अमले के साथ घटना स्थल पहुंचे और पटवारी टीम के द्वारा मौके पर नापझोक की गई तो फेंसिंग तार शासकीय भूमि पर अवैध रूप से लगा हुआ पाया गया। जिसके बाद राजस्व विभाग एवं पंचायत के द्वारा जेसीबी के माध्यम से फेंसिंग तार को हटाकर जप्ती की कार्यवाही की गई है। इस तरह से कलीमउद्दीन हन्फी के द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने का प्रयास किया जा रहा था। वहीं कलीमउद्दीन हन्फी का कहना है कि मेरी नीजि भूमि पर फेंसिंग तार लगाये गये थे, पंचायत के द्वारा अपने स्तर पर नाप करवाया गया है, मेरे द्वारा विधिवत सीमांकन करवाया जायेगा तभी स्थिति स्पष्ट हो पायेगी। शासकीय भूमि एवं विसर्जन घाट पहुंच मार्ग से अतिक्रमण हट जाने के बाद लोगों का आक्रोश शांत हो गया है। वहीं प्रशासन एवं पंचायत की इस त्वरित और प्रभावी कार्यवाही से यह सुनिश्चित हुआ कि विसर्जन घाट मार्ग पूरी तरह बाधा रहित और सुगम बना रहे। इस अवसर पर पांढरवानी सरपंच अनीस खान, तहसीलदार भूपेन्द्र अहिरवर, थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी, अधि. बाबूलाल सर्राटे सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं राजस्व विभाग के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

विधिवत करवाऊंगा सीमांकन - कलीमउद्दीन

कलीमउद्दीन हन्फी ने बताया कि तालाब के समीप तक मेरी जमीन है, उसके अनुसार ही मैंने फेंसिंग तार लगाया था। वर्तमान में जो प्रशासन के द्वारा नाप किया गया है वह उनके अनुसार किया गया है, मैं अपनी जमीन का विधिवत पूरा सीमांकन करवाऊंगा, उसके बाद मुझे अपनी भूमि की वास्तविक सीमा का पता चलेगा। श्री हन्फी ने बताया कि अभी सिर्फ शासकीय भूमि का नाप किया गया है, मेरी निजि भूमि का नाप होना शेष है एवं अतिक्रमण करने का जो आरोप लगा रहे है सभी आरोप बेबुनियाद है।

प्रशासन अवैध कब्जा करने वाले पर करें कार्यवाही - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि ग्राम पंचायत के द्वारा विसर्जन घाट तक सीसी सड़क का निर्माण किया गया है और तालाब की पार की सीमा पर कलीमउद्दीन नामक व्यक्ति के द्वारा अवैध रूप से फेंसिंग तार लगाकर शासकीय भूमि को अपनी निजी भूमि बताकर कब्जे करने का प्रयास किया गया था। जिसकी शिकायत पंचायत के द्वारा थाना प्रभारी एवं तहसीलदार से की गई थी। श्री खान ने बताया कि गणमान्य नागरिकों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में राजस्व टीम के द्वारा नाप किया गया तो मौके पर शासकीय भूमि पर अतिक्रमण पाया गया। जिसे राजस्व विभाग के द्वारा हटा दिया गया है और पंचायत के द्वारा जप्ती की कार्यवाही की गई है। प्रशासन से मांग है कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों पर वैधानिक कार्यवाही करें।

प्रारंभिक तौर पर पाया गया कब्जा, हटा दिया गया है - भूपेन्द्र

तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार ने बताया कि पांढरवानी पंचायत के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई थी कि तालाब से लगे पड़ोसी कृषक के द्वारा तालाब की पार पर कब्जा कर फेंसिंग लगाया गया था। जिससे अनावश्यक एक विवाद की स्थिति निर्मित हो गई थी, जिसकी मौके पर पहुंच कर जांच की गई और मौके पर हल्का पटवारी की टीम को भेजा गया था। जिनके द्वारा जांच की गई जिसमें प्रारंभिक तौर पर पाया कि पड़ोसी कृषक के द्वारा फेंसिंग तार शासकीय भूमि पर लगाया गया है। श्री अहिरवार ने बताया कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण पाने पर फेंसिंग तार को हटाने एवं पंचायत के द्वारा जप्ती की कार्यवाही की गई है।

महाराजपुर नल-जल योजना का शीघ्र निर्माण करने ग्रामीण कर रहे मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंगरगांव के महाराजपुर में जल जीवन मिशन के तहत नल जल योजना की स्वीकृति शासन के द्वारा हर घर नल हर घर जल अभियान के तहत दी है। जहां पर वर्तमान में कार्य बंद बताया जा रहा है जिसको लेकर ग्रामीणों के द्वारा नल जल योजना का जल्द निर्माण कर ग्राम को लाभान्वित करने की मांग की जा रही है। ताकि सभी को शुद्ध साफ और मीठा पानी पीने के लिए प्राप्त हो सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार महाराजपुर में पहले कोई नल जल योजना नहीं थी। जहां पर ग्रामीणों के पास पानी प्राप्त करने का एकमात्र जरिया हैंडपंप एवं ग्राम के कुएं थे। जिससे वह आज भी पानी प्राप्त कर रहे हैं, इस दौरान कुछ हैंड पंप में खारा पानी आता है जो बाहर के उपयोग के लिए अच्छा है किंतु पीने में ठीक नहीं है। वहीं ग्राम के एक हैंडपंप से खारा पानी निकलता है जिसमें खाना भी पकाना मुश्किल है। ऐसे में आज भी ग्राम के लोग हैंडपंप और कुएं के भरोसे पानी प्राप्त कर रहे है। जहां लोगों को मीठा पानी प्राप्त करने के लिए करीब ५०० मी दूरी तय करनी पड़ रही है। क्योंकि उनके घर के पास वाले हैंडपंप में ठीक पानी नहीं है तो वही बाकी हैंडपंप से लोगों को अपने घर तक की दूरी तय कर पानी लाना ले जाना पड़ रहा है। हेंडपम्प पर भीड़ लगी रहती है,ऐसे में ग्राम के अंदर ग्रामीणों की मांग पर शासन के द्वारा नल जल योजना स्वीकृत की गई है जिसकी पानी टंकी का निर्माण हो चुका है। तो वहीं अधिकांश स्थानों पर पाइपलाइन का विस्तार भी कर दिया गया है परंतु योजना चालू नहीं हो पाई है। क्योंकि सभी घरों को कनेक्शन और सीमेंटेड नल का चबूतरा नहीं दिया गया है। अभी ठंड का मौसम चल रहा है आगे गर्मी आने वाली है जिसमें पानी की सबसे ज्यादा समस्या हर साल की तरह इस साल भी होगी। जिसको देखते हुए नल जल योजना का कार्य जल्द पूर्ण करने की मांग ग्रामीण कर रहे है ताकि उन्हें इस गर्मी में पानी की किल्लत से परेशान ना होना पड़े।

नल जल योजना के कार्य पर सरपंच नही दे रहा ध्यान-चंदनलाल

ग्रामीण चंदनलाल भोयर ने बताया कि नल जल योजना का अभी काम बंद है कुछ कर्मचारियों के द्वारा ही काम किया जा रहा है। हमें पानी की समस्या है मीठा पानी लेने के लिए हमें ५०० मीटर दूर जाना पड़ता है। यह आज की नहीं पहले की समस्या है यदि नल जल योजना जल्द बन जाती है तो हमें समस्या नहीं होगी। करीब डेढ़ वर्ष से यह कार्य चल रहा है अभी अधूरा है पाइपलाइन बिछाने का कार्य हो रहा है परंतु वह अधूरा है। सरपंच भी उतना ध्यान नहीं देता है यदि यह योजना का जल्द काम हो जाता है तो जल्द नल जल का पानी हम सभी को मिलेगा।

ग्राम में नही है नल जल योजना के पानी की सुविधा-योगराज

ग्रामीण योगराज भोयर ने बताया कि खारे पानी की समस्या है जो कहीं कहीं पर पानी मिलता है। हैंडपंप से मीठा और खारा पानी निकलता है पूरे गांव में १० हैंडपंप है इसमें २ हैंडपंप से खारा पानी निकलता है। हमारे यहां टंकी तो नल जल योजना की बन गई है पाइप पूरी तरह बिछाया नहीं गया है। हम यही चाहते हैं कि हमें मीठा पानी मिले हम लोगों को दूसरे हैंडपंप पानी लाने जाना होता है। सभी हैंडपंपों पर भीड़ रहती है जिससे अपने कार्यों में लेट होते हैं यदि यह योजना जल्द चालू हो जाए तो पूरे गांव को गर्मी में परेशान नहीं होना पड़ेगा।

इनका इनका हैं

मौखिक चर्चा में बताया कि नल जल योजना का कार्य तेज गति से चल रहा है संभवत ३ महीने में यह कार्य पूर्ण हो जाएगा। योजना का अंतिम कार्य लोगों को नल कनेक्शन देने का चल रहा है,इसके लिए हमारे द्वारा ठेकेदार और अधिकारियों से चर्चा भी की जा चुकी है।

दीपक भगत
सरपंच प्रतिनिधि ग्राम डोंगरगांव

शासकीय आईटीआई प्रारंभ करने विधायक पटेल ने राज्यमंत्री से की भेंट

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जनहित मुद्दों एवं विभिन्न ऐसे कार्य जिनकी महती आवश्यकता है। उनको ध्यान में रखते हूए विधायक विवेक पटेल ने वारासिवनी और खैरलाँजी में आईटीआई संचालन प्रारंभ करने की मांग को लेकर प्रदेश के कौशल विकास एवं रोजगार विभाग राज्यमंत्री गौतम टेटवाल से उनके निज निवास पहुँचकर मुलाकात कर पत्र सौंपकर विस्तृत चर्चा की। विधायक विवेक पटेल ने विधानसभा क्षेत्र की नकनीकी शिक्षा स्थिति से उन्हें अवगत कराया। शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के उदेश्य से मंत्री ने भी विधायक विवेक पटेल की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द निराकरण करने की बात कही। विधायक विवेक पटेल ने बताया की वारासिवनी और खैरलाँजी में शासकीय आईटीआई नहीं होने के कारण छात्र छात्राओं को तकनीकी तथा व्यवसायिक पाठ्यक्रम हेतु ४०से ५० किलोमीटर सफर तय कर बालाघाट अध्ययन करने जाने पडता है। शासकीय आईटीआई प्रारंभ होने से छात्र छात्राओं को अध्ययन करने में सुविधा मिलेगी। वहीं स्थानीय निवासियों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। वहीं आईटीआई की सुविधा नहीं मिलने से युवाओं को बेरोजगारी का शिकार होना पडता है।

पुलिस ने नगर में किया पैदल भ्रमण

मुख्य मार्ग सहित संवेदनशील स्थानों का किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पुलिस थाना वारासिवनी के पुलिस बल के द्वारा ५ दिसंबर को नगर में पैदल भ्रमण किया गया। इसमें पुलिस के द्वारा नगर के मुख्य मार्ग सहित संवेदनशील स्थानों का निरिक्षण किया गया। यह पैदल भ्रमण पुलिस अधीक्षक के निर्देश एसडीओपी वारासिवनी के मार्गदर्शन और प्रभारी थाना प्रभारी पवन यादव के नेतृत्व में निकाला गया। इसमें पुलिस बल के द्वारा पैदल थाने से निकलकर बस स्टैंड से मुख्य मार्ग होते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक इसके बाद गांधी बल उद्यान के पीछे से होते हुए कृषि उपज मंडी सहित नगर के विभिन्न स्थानों का भ्रमण किया गया। इस दौरान दीनदयाल चौक पर एक मोटरसाइकिल को रोककर उसकी नंबर प्लेट नहीं होने प्रेशर हॉर्न लगे होने और गाड़ी मॉडिफ ाई होने को देख चालक से चर्चा की गई। वहीं वैध दस्तावेज उपलब्ध नही करने पर उसे थाने ले जाया गया इसके साथ ही विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर खड़े लोगों से पूछताछ कर उन्हें घर जाने की समझाइए दी गई। इस अवसर पर थाना स्टाफ मौजूद रहा।

प्रदेश सरकार की सभी योजनाओं का हर व्यक्तियों को मिलेगा लाभ-प्रदीप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सांवगी तुमडीटोला के सोमनाथ मेले में शामिल होकर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने ग्राम में छोटे बडे विकास कार्यो के लिये आश्वस्त कराया। साथ ही मेला का भ्रमण कर छोटे छोटे व्यवसायीयो से व्यक्तिगत चर्चा कर उनके हालचाल भी जाना। मेले में लोककला के सांस्कृतिक कार्यक्रम को पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य लोमहर्ष बिसेन, ज.प. सदस्य संदीप राणा ने संबोधित भी किया। इस अवसर पर प्रदीप जायसवाल ने प्रदेश सरकार का संदेश ग्रामीणो को पहुंचाते हुये कहा की पिछले साल टेल क्षेत्रो में रबी की अधिक फ सल लगाने के कारण किसानो को परेशानीयो का सामना करना पडा था। इसलिये इस साल प्रदेश सरकार ने पहले ही चेता दिया है की किसान वर्ग अतिरिक्त खतरा लेते हुये रबी की फ सल नही लगायें। श्री जायसवाल ने कहा की नदी, नहर आदि की पानी की सुविधा हो तो फ सल अवश्य लगायें। बिजली आदि की सुविधा अवश्य मिलेगी। लेकिन रिस्क लेकर फ सल नही लगाये जिससे आपका कोई नुकसान हो सके। इस अवसर पर रतन ठाकरे, जसवंत पटले, मिलिंद नगपुरे, संतोष आडे ,धर्मचंद कावरे,मुकेश मराठी, अंबूलाल सहारे, नंदकिशोर आंचरे, दिनेश चौधरी, मुन्नालाल पटले मौजूद रहे।

एकोड़ी में स्थानापन्न सरपंच चुनाव ८ दिसंबर को

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत एकोड़ी में ८ दिसंबर को स्थानापन्न सरपंच चुनाव का आयोजन किया गया है। जिसके लिए ग्राम पंचायत में बैठक आयोजित कर सूचना पंजी के माध्यम से उपसरपंच एवं सभी पंचो को सूचित कर दिया गया है। इस प्रक्रिया में ग्राम के समस्त पंचों के द्वारा आरक्षित वर्ग में सरपंच का चयन किया जायेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सरपंच श्रीमती मोनिका मेश्राम के द्वारा ग्राम पंच को भूमि का पट्टा दिलाकर लाभान्वित किया गया था। यह पट्टा उस जमीन का बनवाया गया था जहां नल जल योजना के लिए भूमि चयन की गई थी। जिसको लेकर ग्रामीणों की शिकायत पर जिला पंचायत बालाघाट के द्वारा सरपंच पर धारा ४० की कार्यवाही कर पद से पृथक कर ६ वर्षों के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया था। जिसमें जनपद पंचायत वारासिवनी के द्वारा धारा ३८ के तहत स्थानापन्न ने सरपंच का निर्वाचन करवाने के लिए पत्र जारी कर सचिव को निर्देशित किया गया था। इसी संबंध में ग्राम सचिव के द्वारा ग्राम में स्थानापन्न सरपंच के निर्वाचन के लिए बैठक आयोजित कर पंचों को सूचना दी गई। इस निर्वाचन के लिए ८ दिसंबर की तारीख निर्धारित की गई है। जिसमें ग्राम पंचायत भवन में संबंधित अधिकारियों के समक्ष स्थानापन्न सरपंच की कार्यवाही संपन्न करवाई जाएगी।

सौगात देने पर मंत्री राकेश सिंह का भाजपा मंडल अध्यक्षों ने जताया आभार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र में पांच ग्रामीण सड़को के मरम्मत कार्य के लिये दी गई राशि के लिये भाजपा मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, मिलिंद नगपुरे, वेदप्रकाश पटेल, नरेन्द्र शुक्ला, भीवराम मात्रे ने लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह का आभार व्यक्त किया है। गौरतलब है की विभागीय तौर पर मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग भोपाल के द्वारा जिले के सभी अनुविभागीय कार्यालयों की मांग पर जिले के सभी अनुविभागो को ग्रामीण सड़को के मरम्मत कार्य के लिये बजट में राशि प्रदान की है। इसी परिपेक्ष्य में वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र में कुल १३.६० किमी के सड़क मरम्मत कार्य के लिए २ करोड़ ७२ लाख रुपये की राशि बजट में स्वीकृत की है। जिसमें गर्रा पिपरिया लंबाई २.८० किमी, सेलवटपार टुईयापार मार्ग लंबाई २ किमी,ब्राहम्णटोली डोके कोथूरना मार्ग लंबाई ४ किमी, कोथुरना गोंडीटोला मार्ग लंबाई १ किमी,आरंभा बकोडी मार्ग लंबाई१.४० किमी के मरम्मत कार्य के लिये राशी प्रदान की गयी है।

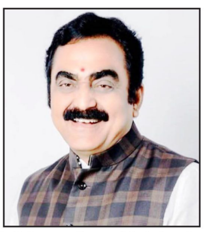

नवोदय विद्यालय का एसडीएम ने किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नवोदय विद्यालय वारासिवनी का एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने निरिक्षण किया। विद्यालय के नामित अध्यक्ष के रूप में उनके प्रथम आगमन पर प्राचार्य रणवीर सिंह तथा शिक्षक बी आर पटेल ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान श्री जायसवाल ने विद्यालय की प्रत्येक कक्षा में लगाए गए डिजिटल बोर्ड, शिक्षण पद्धति तथा विद्यार्थियों की सहभागिता का अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने संगीत कक्ष, कला कक्ष, विज्ञान प्रयोगशाला, कम्प्यूटर प्रयोगशाला तथा पुस्तकालय का निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता की प्रशंसा की। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कक्षा आठवीं निलगिरि कनिष्ठ के छात्र वेदांत भटेरे से विस्तृत चर्चा की। वहीं लांजी के कृषक परिवार से आने वाले वेदांत की नवाचारयुक्त परियोजना की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतिभाएँ जिले का भविष्य उज्ज्वल करती हैं। प्राचार्य के द्वारा गत वर्ष के परीक्षा परिणामों की प्रस्तुति पर श्री जायसवाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की मेहनत को सराहा। उन्होंने विद्यालय के खेल मैदान का भ्रमण कर खेल.सुविधाओं की स्थिति जानी और आवश्यकतानुसार सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य रणवीर सिंह ने कार्तिकेय जायसवाल आगमन हेतु कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

बालाघाट एक्सप्रेस
संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

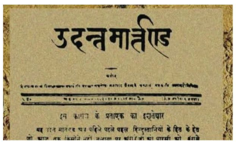

विमान यात्रा को सबसे सुव्यवस्थित सेवा के तौर पर जाना जाता है, जहां समय का पूरा ध्यान रखने के साथ-साथ लोगों को सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंचाना एक सामान्य बात रही है।

अड़चन की उड़ान का दौर

सभी विमान कंपनियां बेहतरीन सेवा देने के दावे के साथ लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। मगर पिछले कुछ समय से हवाई जहाज से कहीं आने-जाने की राह में कई स्तरों पर जिस तरह की चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, उससे पता चलता है कि विमान सेवाओं की गुणवत्ता में अप्रत्याशित रूप से तेज गिरावट आई है। इसका खमियाजा आम यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। गौरतलब है कि देश की सबसे बड़ी विमान सेवा मानी जाने वाली इंडिगो एअरलाइंस में परिचालन से संबंधित अड़चन गुरुवार को भी जारी रही और इसकी तीन सौ से ज्यादा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया। जो विमान अपने गंतव्य के लिए उड़ान भर सके, उनमें भी निर्धारित समय से देरी हुई। पिछले महीने इंडिगो की बारह सौ से ज्यादा उड़ानों के रद्द होने की खबर आई थी। अंदाजा लगाया जा सकता है कि इतनी ज्यादा उड़ानें रद्द होने की वजह से हजारों यात्रियों के सामने किस तरह की परेशानी पैदा हुई होगी। कायदे से होना यह चाहिए था कि इतने बड़े पैमाने पर अगर किसी भी वजह से समस्या आ रही है, तो यात्रियों को समय रहते इसकी सूचना दी जाए। अगर लोगों को सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंचाने की कोई भी सूरत निकल सके, तो इसे सुनिश्चित करना विमान कंपनी की जिम्मेदारी है। मगर ऐसा लगता है कि जिन लोगों ने इंडिगो से कहीं जाने का टिकट लिया, उनकी न केवल उड़ानें रद्द हुईं, बल्कि उनके लिए किसी तरह का वैकल्पिक इंतजाम नहीं किया गया। इस अड़चन के बाद कंपनी ने छोटी-मोटी तकनीकी गड़बड़ी, उड़ान समय में बदलाव, खराब मौसम, बढ़ती भीड़ और उड़ान ड्यूटी समय सीमा से संबंधित नए नियमों के लागू होने जैसे कारण बताए। मगर जितनी बड़ी तादाद में उड़ान रद्द या उनमें देरी हुई, क्या यह प्रबंधन और व्यवस्था में लापरवाही से लेकर सेवा में कमी का नतीजा नहीं है? यह छिपा नहीं है कि विमान का मनमाना किराया या अलग-अलग तरीके से ज्यादा पैसे वसूलने में कंपनियां कोई संकोच नहीं करती हैं। इंडिगो की उड़ानों में देरी और रद्दीकरण के कारण कई प्रमुख मार्गों पर किराए चार गुना से ज्यादा बढ़ा दिए गए। सवाल है कि अव्यवस्था के नतीजे में अगर किसी को दिल्ली से कोलकाता जाने के लिए अड़तीस हजार रुपए चुकाने पड़े, तो इसके लिए कौन जवाबदेह है?

आज बहुत सारे यात्री आमतौर पर कोई बेहद जरूरी काम और जल्दी पहुंचने के लिए हवाई यात्रा का विकल्प चुनते हैं। हाल के वर्षों में जैसे-जैसे विमान से सफर करने वाले यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी होनी शुरू हुई, तो एअरलाइंस कंपनियों ने ज्यादा सुविधाएं और सुरक्षित यात्रा का भरोसा देकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया। मगर आज हालत यह है कि यात्री पहले टिकट लेकर हवाई अड्डा पहुंचते हैं और उसके बाद वहां उन्हें उड़ान रद्द होने या काफी देरी से जाने की सूचना दी जाती है। ऐसी अनेक घटनाएं सामने आईं, जिसमें उड़ान के बाद तकनीकी गड़बड़ी की वजह से किसी विमान को आपात स्थिति में उतारना पड़ा। अनिश्चित उड़ान और सुरक्षा से जुड़ी आशंकाओं के बीच आम यात्रियों को लेकर विमान कंपनी और सरकार की क्या जिम्मेदारी है? अगर किसी कारण से उड़ान में अड़चन पैदा हो रही है, तो उसे दूर करने का दायित्व किसका है?

उसकी बर्बादी की कोई चर्चा नहीं होती

कहते हैं कि कोई भी देश हमेशा युद्ध नहीं झेल सकता। फलस्तीन और यूक्रेन हरदम सुर्खियों में रहते हैं, जबकि यहां देर-सबेर शांति हो ही जाएगी। लेकिन जो मुल्क आतंकवाद को अपना राष्ट्रीय स्वभाव बनाए हो और जहां एक अस्थिर राष्ट्र के सभी लक्षण पाए जाते हों, उस पाकिस्तान पर कोई चर्चा नहीं करता।

इतिहास के कुछ सबसे ज्यादा दुखी और गुस्सैल लोगों की संलिप्तता वाले खूनी खेल के बाद, अब गाजा में मामला खत्म होने वाला है। गाजा में शांति का दिन भले ही नाजुक हो और नफरत के बचे हुए हिस्से माफ करने लायक न हों। फिर भी, लड़ाई के मैदान की जगह जली हुई धरती ने ले ली है, जो फिर से नया भविष्य बनाने के लिए जूझ रही है। पराजित लोगों ने शायद नफरत की राजनीति इसलिए नहीं छोड़ी है, क्योंकि धर्मग्रंथों के हिसाब से बदला लेने की भावना हमास को ताकत देती रहती है। अब फलस्तीन का संघर्ष भी हमारे समय में ऐसे जिहाद से जुड़ गया है, जो इंसाफ पाने की गलत और खतरनाक कोशिश जैसा दिखता है। गाजा में युद्ध खत्म होने की कहानी इन्कार और वंचना की यादों से लिखी गई है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सोच में, शांति के फॉर्मूले में बुरी तरह से बर्बाद यूक्रेन का आत्मसमर्पण और अपमान भी शामिल है। जिस रूसी जाल को राष्ट्रपति ट्रंप ने चुपचाप मंजूरी दे दी, उसमें कीव नहीं फंसा. यह इस बात का सबूत है कि एक तबाह छोटे-से देश का अपनी

उधर यूक्रेन भी उम्मीद और डर के बीच झूल रहा है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 28 सूत्रीय प्रस्ताव की वजह से संघर्ष विराम होने की उम्मीद बनती दिख रही है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है, लेकिन यूक्रेन और उसके यूरोपीय साझेदार %गरिमा के साथ शांति% पाने के लिए एक वैकल्पिक प्रस्ताव तैयार करने में जुटे हुए हैं। असल में, जिस देश पर हमला किया गया, उसके अथक लड़ाकों को जो चीज संघर्ष विराम की शर्तें मानने से रोकती है, वह है हमलावर का इरादा। शांति योजना के मसौदे में जिसे विजेता माना जाता है, उसे बातचीत में ज्यादा ताकत मिलती है। यूक्रेन के मामले में, वाशिंगटन में सौदे करने वाला स्वभाव से ही ताकत की कद्र करने वाला है, न कि कोई भावुक व्यक्ति, जो उस छोटे और कमजोर आदमी के साथ खड़ा हो, जो अब भी अपने देश का बचाव कर रहा है, जिसे पहले ही बहुत ज्यादा नुकसान हो चुका है।

शर्तों पर जीने का पक्का इरादा कितना मजबूत है। अब जो बात मायने रखती है, वह शांति योजना की प्रकृति नहीं है, बल्कि बात करने की इच्छा है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन शायद सोवियत तरीकों से खोए हुए साम्राज्य को वापस पाने के अभियान पर हों, लेकिन ऐसा वह साम्यवाद के बिना करना चाहते हैं, जिसकी जगह अब शिकायतों से भरे राष्ट्रवाद ने ले ली है। पुतिन के लिए, यूक्रेन एक झूठ है, जो एक रूसी साम्राज्य की मंदी के बाद पैदा हुआ था, जो एक तरह से हमास के हितैषियों का इस्राइल को झूठ के रूप में देखना था, जिसे औपनिवेशिक साजिश से वैध ठहराया गया था। राष्ट्रीय कंजर्वेटिव्स की अलग सोच और ट्रंप के अंतरराष्ट्रीयतावाद के मेल में, रूस की शिकायत (चाहे उसे अच्छा महसूस करने के लिए दुश्मन की कितनी भी जमीन की जरूरत हो) यूक्रेन के पीड़ित होने से ज्यादा सच्ची है। दोनों पक्षों को अब यह एहसास हो गया है कि उनके भविष्य के बारे में बातचीत को और टाला नहीं जा सकता, और ट्रंप ने यूक्रेन जैसी जगहों पर असर डालने में अमेरिकी ताकत की सीमाओं को मान लिया है, जहां राष्ट्रवाद का मकसद डर को बढ़ावा देना नहीं है। नाकामियों के बावजूद शांति अब एक साझा लक्ष्य है। समापन ही वर्ष 2025 का अंतिम फैसला है।

कोई भी देश हमेशा युद्ध नहीं झेल सकता, और इस्राइल जैसे देश के लिए जिंदा रहने का मतलब है हमेशा सजग रहना। जब किसी देश को उसके होने के अधिकार से वंचित किया जाता है, तो बचाव उसके अस्तित्व का अधिकार बन जाता है।

यहूदी डायस्पोरा के अलावा, इस्राइल और यूक्रेन उन लोगों को चुनौती देने की इच्छा से एकजुट हैं, जो सोचते हैं कि नरसंहार का गुस्सा ही इतिहास की उन गलतियों को ठीक करने का एकमात्र तरीका है, जिन्हें वे अब भी गलती मानते हैं। देर से हुआ यह एहसास कि ऐसी गलतियों को दूसरे देशों की हिंसा से ठीक नहीं किया जा सकता, शांति का पहला संकेत है।

बातचीत की मेज पर पुतिन के रूस का मतलब है कि लड़ाई के मैदान में मिली जीत का जश्न हमेशा नहीं मनाया जा सकता। ऐसा कहने के बाद, ताइवान पर चीन के बढ़ते दावों और वेनेजुएला में हार की आहट से बात खत्म होने का एहसास कम हो गया है, जैसे हमें यह याद दिलाने की जरूरत हो कि जहां इतिहास अब भी एक विवाद है, वहां राष्ट्रीय संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय नैतिकता एक-दूसरे से जुड़े शब्द हैं।

अब भी एक देश ऐसा है, जो अपने ऊपर मंडराते दुश्मन की कल्पना के बिना खुद को परिभाषित ही नहीं कर सकता। पाकिस्तान ने नफरत को राष्ट्रीय स्वभाव के तौर पर सामान्य बना दिया है, और दुनिया को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हो सकता है कि 9/11 समेत आज के आतंक की कहानी, धार्मिक बेसब्री में पैदा हुए देश के तौर पर पाकिस्तान के विकास की कहानी को देखे बिना नहीं बताई जा सकती। राष्ट्रीय जरूरत के तौर पर आतंक का संस्थानीकरण, पीड़ित के अलावा किसी दूसरे को हैरान नहीं करता। भारत का आगे बढ़ना पाकिस्तान की नाकामी को और बढ़ाता है। वह भारत के खिलाफ चुपके से जंग छेड़कर उस ऐतिहासिक नाकामी का फायदा उठाता है। पाकिस्तान के पास नफरत का उद्योग ही फल-फूल रहा है।

असल में, पाकिस्तान ही वह देश है, जो समापन की इस कहानी को थोड़ा सफल बनाता है। जब दूसरे देश सुलह की ओर बढ़ रहे हैं, इस्लामाबाद (जहां एक खंडित सिविल सोसाइटी सैन्य तानाशाही और इस्लामी कट्टरपंथ के बीच फंसा हुआ है) आसानी से आतंक का प्रायोजक और आयोजक बनकर शांति की किसी भी उम्मीद को खत्म कर रहा है, और वाशिंगटन तक अपनी बात पहुंचाने की कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तान में वह सब कुछ है, जो एक अस्थिर देश को परिभाषित करता है- एक जनता के अधिकारों पर कब्जा करने वाली सैन्य व्यवस्था; एक भूमिगत आतंकी मशीन, एक ऐसा सत्ता प्रतिष्ठान, जो देश को एकजुट करने के लिए दुश्मन का हवाला देता है, और अपने देश में डर का राज फैलाता है। इन सबके बावजूद पाकिस्तान वैश्विक सुर्खियों से दर है। इसकी बर्बादी अब भी दुनिया भर में उतनी चर्चित नहीं हई है।

–एस प्रसन्नराजन संपादक, ओपन मैगजीन

अंतिम स्पंदन

बुजुर्ग होना धैर्य का अभ्यास है

बुजुर्ग दिल कभी थकता नहीं, बल्कि और सजग हो जाता है। एक ऐसा दिल, जो टूटकर भी कोमल रहा, और कोमल रहकर भी मजबूत बना। वह जानता है कि प्रेम कोई चमकदार प्रदर्शन नहीं, बल्कि धैर्य का अभ्यास है।

मुझे खीज होती है, जब लोग यह कहते हैं कि भले ही तुम वृद्ध हो जाओ, मगर दिल से जवान बने रहो! इस वाक्य के पीछे छिपी वह सांस्कृतिक सोच परेशान करती है, जो मान लेती है कि बुजुर्ग होना किसी तरह की कमी है। मैं पूछना चाहूंगी कि दिल से बुजुर्ग होना आखिर क्यों बुरा माना जाए? क्यों ऐसे दिलों को कमतर समझा जाए, जिन्होंने उम्र के साथ प्रेम को और गहराई से समझा है? क्या प्रेम करने की क्षमता उम्र के साथ घटती है, या वह और गहन, और धैर्य से लबालब हो जाती है?

क्या आप उन दिलों से प्रेम नहीं पाना चाहेंगे, होंने वर्षों की बदलती ऋतुओं को देखा है, फिर भी प्रेम को चुनना नहीं छोड़ा? हम यह क्यों भूल जाते हैं कि बुजुर्ग दिल थकता नहीं, बल्कि और सजग हो जाता है। वह जानता है कि जल्दबाजी में किए गए वादे कितने नाजुक होते हैं, और धीरे-धीरे बनते विश्वास ही सबसे मजबूत नींव बनते हैं।

बहुत-से लोग सोचते हैं कि उम्र बढ़ने से जीवन की चमक कम हो जाती है, जबकि सच यह है कि चमक बाहर से भीतर उतर जाती है। जब मैं %बुजुर्ग होने% के विचार पर ठहरती हूं, तो मुझे उसमें एक अद्भुत स्वतंत्रता दिखाई पड़ती है- वह है बार-बार खुद को साबित करने की बेचैनी से मुक्ति और दूसरों की उम्मीदों के बोझ से आजादी। यह वह उम्र है, जहां आप लोगों से बदलने की चाह नहीं रखते, बल्कि उन्हें उनके अपने रूप में खिलने देते हैं। बुजुर्ग जानते हैं कि दुनिया को बिना चोट पहुंचाए व बिना दबाव दिए कैसे संभालना है। वे शांति का अर्थ जानते हैं, क्योंकि उन्होंने जीवन के शोर से गुजरकर उसे पाया है। उनके भीतर एक धीमी, गहरी, स्थिर रोशनी जलती रहती है।

मैं अक्सर सोचती हूं कि दिल से बुजुर्ग होना कितना सुंदर है। वह एक ऐसा दिल है, जो जानता है कि प्रेम कोई चमकदार प्रदर्शन नहीं, बल्कि धैर्य का अभ्यास है। एक ऐसा दिल, जो टूटकर भी कोमल रहा, और कोमल रहकर भी मजबूत बना।

–सुसान मून

मिठास की बोली और आत्म संयम

जीवन को सरल और सुखद बनाने के लिए यह आवश्यक है कि हम विवादित परिस्थितियों से यथासंभव दूर रहें। हर मनुष्य चाहता है कि उसका जीवन संतुलित, शांत और प्रसन्न रहे, पर अक्सर हम अनजाने में ऐसी स्थितियों में उलझ जाते हैं, जहां विवाद जन्म लेते हैं। विवाद सदैव मन की शांति को भंग करता है, व्यक्ति के भीतर नकारात्मक ऊर्जा भर देता है और उसकी सोच को अस्थिर बना देता है। विवाद से दूरी कमजोरी नहीं, बल्कि आत्म-संयम और परिपक्वता का प्रतीक है। यह उस व्यक्ति की पहचान है, जो परिस्थितियों से नहीं, बल्कि अपने विचारों से संचालित होता है। जो व्यक्ति शांति को चुनता है, वही सच्चे अर्थों में जीवन को सरल, सुंदर और सार्थक बना लेता है। जब हम किसी बहस या टकराव में उलझते हैं, तो उस क्षण हमारा विवेक और संतुलन दोनों प्रभावित होते हैं।

हम सही या गलत का मूल्यांकन करने के बजाय केवल अपनी बात सिद्ध करने में लग जाते हैं। धीरे-धीरे अहंकार हमारे भीतर घर कर लेता है और हम दूसरों के दृष्टिकोण को समझने की क्षमता खो बैठते हैं। नतीजतन, भलाई की भावना धुंधली पड़ जाती है और केवल दोष, आलोचना और कटुता ही दिखाई देने लगती है। उदाहरण के लिए, किसी कार्यस्थल पर दो सहकर्मियों के बीच किसी काम को लेकर मतभेद होता है। एक व्यक्ति गुस्से में बहस करता है, आरोप लगाता है और माहौल को तनावपूर्ण बना देता है। वहीं दूसरा व्यक्ति शांत रहकर परिस्थिति को समझने की कोशिश करता है, बिना अपमान या क्रोध के अपनी बात रखता है। परिणामस्वरूप, विवाद समाप्त हो जाता है और उसका व्यवहार पूरे दल के लिए प्रेरणा बन जाता है। यही व्यक्ति नेतृत्व और समझदारी का सच्चा उदाहरण कहलाता है।

समझदारी इसी में है कि जहां भी विवाद की संभावना दिखे, वहां धैर्य और मौन को अपनी ढाल बना लिया जाए। शांत रहकर परिस्थिति को समझना और सही समय पर निर्णय लेना जीवन की सबसे बड़ी कला है। यह न केवल हमारे मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित रखता है बल्कि हमारे संबंधों में भी मिठास बनाए रखता है। याद रखने की जरूरत है कि हर बहस जीतना जरूरी नहीं, हर रिश्ता बचाना जरूरी है। हम अक्सर व्यर्थ की चर्चा में शामिल हो जाते हैं, जबकि उसमें हमारी कोई वास्तविक आवश्यकता या भूमिका नहीं होती। कई बार हम केवल अपनी राय साबित करने की जल्दी में यह भूल जाते हैं कि हर बातचीत में भाग लेना आवश्यक नहीं होता। जब किसी विषय पर हमसे विचार मांगे जाएं, तभी सहभागिता निभाना बुद्धिमानी है। विचार तभी प्रभावशाली और सार्थक होते हैं, जब वे समय और परिस्थिति के अनुसार प्रकट किए जाएं। कहावत है- %मौन

शां त रहकर परिस्थिति को समझना और सही समय पर निर्णय लेना जीवन की सबसे बड़ी कला है। यह न केवल हमारे मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित रखता है, बल्कि हमारे संबंधों में भी मिठास बनाए रखता है। याद रखने की जरूरत है कि हर बहस जीतना जरूरी नहीं, हर रिश्ता बचाना जरूरी है।

हावभाव भी एक भाषा है, जिसे केवल समझदार ही पढ़ सकते हैं।

अधिक बोलने से अक्सर अर्थ का अनर्थ हो जाता है। शब्दों का गलत चयन न केवल दूसरों को आहत करता है, बल्कि कभी-कभी हमारे अपने सम्मान और छवि पर भी प्रश्नचिह्न लगा देता है। इसलिए मौन को कमजोरी नहीं, बल्कि विवेक का प्रतीक मानने की जरूरत है। मौन में चिंतन की गहराई होती है और उसी गहराई से निकले शब्द प्रभावशाली और सकारात्मक होते हैं। उदाहरण के तौर पर, किसी पारिवारिक समारोह में अगर कोई व्यक्ति हमें गलत समझ ले या अपमानित कर दे, तो तत्काल प्रतिक्रिया देना स्थिति को और बिगाड़ देता है। वहीं अगर हम मौन रहकर समय को उत्तर देने दें, तो वही लोग बाद में हमारी शालीनता के कायल हो जाते हैं। यही मौन की शक्ति है, जो बिना शब्दों के भी गहरी छाप छोड़ती है।

यह समझना चाहिए कि विवेकपूर्ण भागीदारी ही सच्ची सामाजिक चेतना का प्रतीक है। हर व्यक्ति को यह सोचने की आवश्यकता है कि उसकी राय, ऊर्जा, उसका समय किस दिशा में खर्च हो रहे हैं। अगर हम अपनी सहभागिता को केवल रचनात्मक और उपयोगी विषयों तक सीमित रखें, तो समाज में सकारात्मकता और विकास दोनों का प्रवाह तेज होगा। जब किसी शहर में सफाई या पौधरोपण अभियान चलाया जाता है, तब कुछ लोग आगे बढ़कर योगदान देते हैं, जबकि कुछ केवल आलोचना करते हैं। समाज को बदलने वाले वे लोग हैं जो काम करते हैं, न कि वे जो केवल बोलते हैं। यही फर्क शोर और समाधान के बीच की रेखा को परिभाषित करता है। विचारधारा अगर निर्मल, सकारात्मक और संवेदनशील हो, तो जीवन अपने आप सुंदर बन जाता है। भाषा में मधुरता और विनम्रता हो, तो शब्द ही मरहम बन जाते हैं। जब हमारे भाव दूसरों के दिल को छू लेने वाले हों, तो वही क्षण जीवन का सच्चा आनंद देते हैं।

जीवन की खूबसूरती इस बात में नहीं कि हमारे पास कितना कुछ है, बल्कि इस बात में है कि हम उसे किस दृष्टि से देखते हैं। जब हम अपने विचारों को करुणा, समझदारी और शांति के रंगों से सजाते हैं, तो हर परिस्थिति सरल लगने लगती है। जैसे सूरज की किरणें अंधकार को मिटा देती हैं, वैसे ही सकारात्मक सोच हर नकारात्मक परिस्थिति को प्रकाशमय बना देती है। भाषा में कोमलता हो, तो वह रिश्तों में सेतु का काम करती है। कठोर शब्द पल भर में दिल तोड़ देते हैं, जबकि मधुर वाणी टूटे हुए दिलों को भी जोड़ सकती है। समझदारी इसी में है कि हम उन मुद्दों पर आवाज उठाएं, जहां हमारी सोच किसी के जीवन में बदलाव ला सके। दुनिया को आदर्श तभी बनना चाहिए जब वह प्रेरणा दे, न कि भ्रम फैलाए। आखिर वही समाज महान बनता है जो शोर नहीं, समाधान पैदा करता है और वही व्यक्ति सम्मानित होता है जो विचारों से निर्माण करता है। मौन में शक्ति है, संयम में सौंदर्य है और विचारशीलता में सच्ची परिपक्वता है। जो इनको साध लेता है, वही जीवन की सरलता, शांति और सफलता का सच्चा आनंद पाता है।

–मुनीष भाटिया

समावेशी विकास के लिए जरूरी है प्राकृतिक खेती

प्रदेश में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के जरिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण समर्थित कृषि पद्धतियों को सुदृढ़ करने के साथ जलवावु अनुकूल खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

धान उत्पादन का संबंध सिर्फ मानवीय और पर्यावरणीय सेहत से ही नहीं बल्कि देश की आर्थिकी से भी है। पिछले कुछ दशकों में उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से रासायनिक खाद और कीटनाशकों के बेतहाशा उपयोग ने एक ओर जहां मिट्टी की उर्वरा शक्ति को कमजोर किया है वहीं इसका सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ा है। रासायनिक खाद की मांग बढ़ने से सरकारी राजस्व का एक बड़ा हिस्सा हमें उर्वरकों के आयात पर खर्च करना पड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार पिछले डेढ़ दशक से विभिन्न नीतिगत कदमों के जरिए प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित कर रही है। इससे देश जहां प्राकृतिक खेती का वैश्विक केंद्र बनकर उभर रहा है वहीं खेती की पर्यावरण अनुकूल व टिकाऊ प्रणालियां विकसित हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन पर चलते हुए छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में वाली डबल इंजन सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए अभूतपूर्व कार्य कर रही है।

प्रदेश में केंद्र द्वारा लागू राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएफ) के जरिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण समर्थित कृषि पद्धतियों को सुदृढ़ करने के साथ जलवायु अनुकूल खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। योजना के अंतर्गत कुल चयनित 461 क्लस्टर का कुल क्षेत्र 23,050 हेक्टेयर है। इसमें धान, रागी, कोदो, कुटकी, मक्का के साथ ही उड़द, अरहर, कुल्थी, मूंग और तिल, मूंगफली, सोयाबीन जैसी फसलों का उत्पादन भी प्राकृतिक खेती के जरिए हो रहा है। आज प्रदेश में राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन (एनएमईओ) अंतर्गत 302 हेक्टेयर क्षेत्र में तिहलन की खेती प्राकृतिक विधि से की जा रही है। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए नीतिगत उपायों से महिला सशक्तिरण को बल मिला है। प्रशिक्षित कृषि सखियों के जरिए बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर से तैयार उत्पादों जैसे जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, पंचगव्य किसानों को स्थानीय स्तर पर उपबल्ध कराया जाता है। उदाहरण के लिए गाय से प्राप्त सप्ताह भर के गोबर एवं गौमूत्र से निर्मित घोल का खेत में छिड़काव खाद का काम करता है। इसके उपयोग से एक ओर जहां गुणवत्तापूर्ण उपज होती है वहीं दूसरी ओर उत्पादन लागत लगभग शून्य होता है। राज्य में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन पोर्टल में 44 हजार 30 किसानों, 919 कृषी सखी और 307 बायो रिसोर्स सेंटर का पंजीयन समावेशी कृषि की दिशा में नये अध्याय का प्रमाण हैं। अन्य राज्यों जैसे आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, उत्तरप्रदेश और केरल में प्राकृतिक खेती की सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं का अध्ययन भी किया जा रहा है। प्राकृतिक खेती को लेकर प्रधानमंत्री के विजन और उसके व्यावहारिक क्रियान्वयन का एक बेहतरीन उदाहरण राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन है। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन से कृषि उत्पादकत्ता में वृद्धि के साथ पारिस्थितिकी और आर्थिक स्थिरता के उद्देश्य भी साकार हो रहे हैं। यह ग्लोबल वॉमिंर्ग और पर्यावरणीय संकट को रोकने में काफी कारगर है। एक अनुमान के मुताबिक देश में लगभग 40 लाख किसान इस विधि से खेती कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रदान किए गए विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप हम विकसित छत्तीसगढ़ के स्वप्न को साकार करने में जुटे हैं, इसमें प्राकृतिक खेती एक महत्वपूर्ण सेतु है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

-वेदिका

इंदौर बाजार भाव

इंदौर (एजेंसी)। कमजोर उठाव से शुक्रवार को खाद्य तेलों में सींगदाना तेल घटाकर बोला गया। सोया व कपास्या में बाजार बने रहे। तिलहनों में कामकाज विशेष का अभाव रहा। दलहनों में चना पुन: घटाकर बोला गया। किराना जिंसों में तरबूज मगज व काजू में मजबूती रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में उठाव कमजोर है। सींगदाना तेल 10-25 रू. प्रति 10 किलो तक हल्का पड़ा। सोया व कपास्या तेलों में बाजार सुस्ती के रहे। तिलहनों में सरसो, रायडा व सोयाबीन बना रहा। दलहनों में चना पुन घटाकर बोला गया। नई तुअर की दस्तक निमाड़ लाइन पर रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4100-4160, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-240, जायफल 815-860, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2050, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2750-2900, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-585, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2600-2700, (160) 2500-2600, (200) 2400-2600, (250) 2600-2800

तेल- सींगदाना 1470-1490, मुम्बई 1500, राजकोट तेलिया 2300, सोया साल्वेंट 1185-1190, सोया रिफाइंड 1245-1250, कपास्या 1235-1240, धूलिया 1245, कड़ी 1250,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1440, मुम्बई पाम 1245, मुम्बई सोया 1275,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2260, देवास-उज्जैन 2260, खंडवा-बुरहानपुर 2150, अकोला 3500 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8200-8500, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4400, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700-5750, एवरेज 4800-5100, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर (एजेंसी)। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार बेहद सामान्य रहा। किन्तु दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 175000, चाँदी (99) 174800, टंच 174000, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 128500,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई (एजेंसी)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ ही 89.93 पर बंद हुआ। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 20 पैसे चढ़कर 89.69 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.85 पर खुला। शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ 89.69 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 20 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को 26 पैसे की बढ़त के साथ 89.89 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 90.03 पर रहा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही रिजर्व बैंक के ब्याज दरों में कटौती से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 447.05 अंक बढ़कर 85,712.37 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 152.70 अंक ऊपर आकर 26,186.45 पर बंद हुआ। बाजार में तेजी सरकारी बैंकिंग शेयरों शेयरों में आये उछाल से भी आयी है। निफ्टी पीएसयू बैंक 1.51 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। इसके साथ निफ्टी आईटी 0.90फीसदी , निफ्टी ऑटो 0.74 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस 0.98 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.67 फीसदी और निफ्टी रियल्टी 0.34 फीसदीकी तेजी के साथ बंद हुआ जबकि निफ्टी मीडिया 0.48 फीसदी और निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.70 फीसदी की कमजोरी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में एसबीआई, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी, एचसीएल टेक, एलएंडटी, एमएंडएम, इन्फोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक और टाइटन के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे थे। वहीं बीईएल, सनफार्मा, ट्रेंट,)

और एचयूएल के शेयर गिरे। आरबीआई की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) की ओर से ब्याज दरों में कटौती से रेपो रेट 0.25 फीसदी कम होकर 5.25 फीसदी हो गई है। इससे बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। लार्जकैप की तरफ मिडकैप शेयरों में भी आज तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 294.80 अंक बढ़कर 60,594.60 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 100.10 अंक ऊपर आकर 17,507.75 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह भारतीय बाजार हल्की गिरावट के साथ खुले। आज सुबह सेंसेक्स 85,125.48 पर शुरुआत की, जो पिछले बंद 85,265.32 के मुकाबले नीचे था। वहीं निफ्टी ने 25,999.80 पर शुरुआत की और हल्की गिरावट के बाद 26,023.85 का ऊपरी स्तर तथा 25,985.35 का निचला स्तर छूकर फिर 26,000 के आसपास स्थिर दिखाई दिया। है। एशियाई बाजार-

एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजार में गिरावट रहीहे। ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी, एएसएक्स 200 में 0.17 फीसदी की गिरावट आई, जबकि जापान का निक्केई 225 1.36 फीसदी टूट गया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी भी नीचे ही रहा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निवेशक अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की नीतियों को लेकर सतर्क बने हुए हैं। अमेरिकी बाजार- अमेरिकी बाजार में गुरुवार को मिश्रित कारोबार हुआ।

जरूरी चीजों पर हेल्थ और नेशनल सिक्योरिटी सेस लागू नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार जल्द ही एक बड़ा राजस्व सुधार करने जा रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में हेल्थ और नेशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025 पेश किया, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए एक स्थायी एवं समर्पित फंड बनाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सेस दाल, चावल, तेल जैसी किसी भी आवश्यक वस्तु पर नहीं लगाया जाएगा, बल्कि केवल उन उत्पादों पर लागू होगा जो स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं। इनमें मुख्य रूप से पान-मसाला और तंबाकू जैसे डिमेरिट गुड्स शामिल हैं। सीतारमण ने बताया कि इस प्रस्तावित सेस से जीएसटी रेवेन्यू पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि यह मौजूदा टैक्स संरचना के ऊपर लगाया जाएगा। पान-मसाला पर अधिकतम 40 फीसदी जीएसटी लागू रहेगा और नया सेस भी इसी के ऊपर जोड़ा जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि पान-मसाला फैक्ट्रियों से सेस उत्पादन क्षमता के आधार पर वसूला जाएगा, यानी हर फैक्टरी के हिसाब से टैक्स की राशि अलग होगी। तंबाकू उत्पादों पर 40 फीसदी जीएसटी के अलावा एक्साइज ड्यूटी भी लागू की जाएगी, जिसके लिए सेंट्रल एक्साइज एक्ट, 1944 में संशोधन किया गया है। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि सेस से जुटाई गई कमाई का एक हिस्सा राज्यों को दिया जाएगा ताकि वे स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों और अन्य स्वास्थ्य योजनाओं पर खर्च कर सकें। वर्तमान में पान-मसाला और तंबाकू पर 28 फीसदी जीएसटी के साथ मुआवजा सेस लगता है, लेकिन मुआवजा सेस की अवधि समाप्त होने के बाद जीएसटी दर 40 फीसदी हो जाएगी।

सोना 182 रुपए गिरा, चांदी में 1,362 रुपए की बढ़त

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू बाजारों में शुक्रवार को कीमती धातुओं के वायदा कारोबार की शुरुआत मिश्रित रुख के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर जहां सोने के वायदा भाव में कमजोरी देखने को मिली, वहीं चांदी की शुरुआत तेज रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी यही रुझान देखने को मिला— सोना दबाव में और चांदी मजबूती के साथ कारोबार कर रही है। सोने का वायदा भाव लगभग 1,29,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 182 रुपये की गिरावट के साथ 1,29,897 रुपये पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 1,30,078 रुपये था। सोना दिन के दौरान 1,29,897 रुपये का उच्च स्तर और 1,29,809 रुपये का निचला स्तर छू चुका था। इस वर्ष सोना अब तक 1,31,699 रुपये का उच्चतम स्तर बना चुका है। दूसरी ओर, चांदी के वायदा भाव में मजबूत तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का मार्च कॉन्ट्रेक्ट 1,362 रुपये की बढ़त के साथ 1,79,500 रुपये पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 1,78,138 रुपये था। इस समय यह 1,79,292 रुपये पर कारोबार कर रहा था। चांदी ने दिन का 1,79,549 रुपये का उच्च और 1,79,268 रुपये का निचला स्तर दर्ज किया। इस साल चांदी का सर्वोच्च स्तर 1,84,743 रुपये प्रति किलोग्राम रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी शुक्रवार को चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिली, जबकि सोना दबाव में रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,239.50 डॉलर प्रति औंस पर खुलने के बाद 4,227.80 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। चांदी 57.56 डॉलर प्रति औंस पर खुली और मामूली तेजी के साथ 57.65 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। वर्ष 2024 में सोना 4,398 डॉलर, जबकि चांदी 59.61 डॉलर प्रति औंस का उच्च स्तर बना चुकी है।

मेष- आज का दिन बिजनेस के मामले में थोड़ा सोच समझकर काम करने के लिए रहेगा। आपको अपने जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करना होगा और उनकी सेहत पर भी आपको पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। संतान के विवाह में यदि कोई समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होते दिख रही है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए आय के मामले में बढ़िया रहने वाला है। आपको मेहनत के अनुसार फल मिलेगा। आप किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन अपने घर में कर सकते हैं। आपको अपने बच्चों की बातों पर थोड़ा ध्यान देना होगा, क्योंकि उनकी गलत संगति आपकी समस्याओं को बढ़ा सकती हैं। आप किसी से बेवजह वाद विवाद में ना पड़ें।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए टेंशन से भरा रहने वाला है, क्योंकि कोई कानूनी मामला आपके लिए सिरदर्द बनेगा। उच्च अधिकारियों की कृपा आप पर बनी रहेगी। आपको किसी काम को लेकर दूसरों पर डिपेंड नहीं रहना है। आप अपने भविष्य को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे। आपको किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचना होगा। आपके बॉस को आपके दिए गए सुझाव खूब पसंद आएंगे, लेकिन आपके कुछ शत्रु आपके मित्र के रूप में हो सकते हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। तरक्की की राह में आ रही बाधा भी दूर होगी। नौकरी में आपको अपनी वाणी पर संयम रखने की आवश्यकता है और आप अपने आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए जो कदम उठाएंगे, वह आपके लिए बेहतर रहेंगी। नौकरी को लेकर आप किसी दूसरी जगह ट्राई करने की सोच सकते हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में अपने कामों में आपको ही बदलाव कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे। विद्यार्थी आज किसी प्रतियोगिता की तैयारी में लगे रहेंगे। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपकी किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आप अपनी जरूरत की आवश्यकताओं की खरीदारी पर अच्छा खासा खर्चा करेंगे। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को साथी के साथ वक्त बिताने का मौका मिलेगा। आपकी मेहनत रंग लाएगी। विद्यार्थी शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आपको किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने आने वाला है। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी। आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे। आप कोई प्रॉपर्टी खरीदने की योजना बना सकते हैं, जो आपके लिए अच्छी रहेगी। परिवार में किसी सदस्य से किए हुए वादे को आपको पूरा करना होगा। आप कार्यक्षेत्र में लोगों से अपना काम निकलवाने में कामयाब रहेंगे।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। आपके प्रभाव में प्रताप में वृद्धि होगी। संतान के प्रति आपका सहयोग भरपूर रहेगा। जीवनसाथी को आप कहीं घूमाने फिराने लेकर जा सकते हैं। नौकरी में आपकी पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि होने से खुशी होगी। आप अपने सहयोगियों को भी कोई बात सोच समझकर बोले। कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है। आज आपके मन में किसी बात को लेकर उथल पुथल लगी रहेगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। यदि बिजनेस में आपका धन कहीं फंसा हुआ था, तो वह आपको वापस मिल सकता है। संतान के करियर को लेकर आपको थोड़ी टेंशन रहेगी। पिताजी की ओर से आपको कोई गिफ्ट मिल सकता है। आप अपने काम को लेकर लापरवाही ही बिल्कुल ना दिखाएं। आपके किसी मित्र से आपकी लंबे समय बाद मुलाकात होगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए धैर्य और संयम से काम लेने के लिए रहेगा। पार्टनर भी बेहतर रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा, लेकिन आपको वाहनों का प्रयोग थोड़ा सावधान रहकर करना होगा। आज आपके सामने कुछ ऐसे खर्च आएंगे, जो आपको मजबूरी में ना चाहते हुए भी करने पड़ सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है, लेकिन जल्दबाजी के कारण कोई समस्या हो सकती हैं। रोजगार की तलाश में इधर-उधर भटक रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी, उन्हें किसी अच्छी जगह काम मिल सकता है। आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलना होगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए कुछ समस्याएं लेकर आएगा। धर्म-कर्म के कामों में आपकी काफी रुचि रहेगी। सेहत के मामले में आपको लापरवाही करना समस्या देगा। आप यदि किसी से कुछ कर्ज लेने की सोच रहे थे, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगी। आपको अपने किसी काम को लेकर जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा। आपकी मेहनत रंग लाएगी। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

शब्दजाल - 8101

शब्द जाल में 10 विश्व विख्यात व्यक्तियों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

म	क	वि	वे	का	नं	द	ज	म	ल	त
द	आं	ल	प्रे	व	स	म्रा	ट	अ	शो	क
र	स	इ	म	दी	छ	स	आ	र्म	ख	पा
इं	स	ल	स्टी	दि	वा	स	ध	ल	श	इ
ड	अ	दो	ग	न	ज	ना	तू	ग	झ	थो
का	ली	दा	स	दि	अ	क	ब	र	घ	गो
ती	व	ल	मी	धी	प	च	जू	बा	व	र
क	एं	ऊ	गां	द	ब	क	र	ए	श	स
र	ड	त्मा	प	र्द	गी	स	री	क	प	स्तू
य	हा	ल	गै	ली	लि	यो	ऐ	ने	र	द
म	ड	ल	प	या	प	स	अ	अ	प	म

अरस्तू, अकबर, आंइस्टीन, विवेकानंद, महात्मा गांधी, सम्राट अशोक, कालीदास, पाइथोगोरस, गैलीलियो, चरक,

शब्दजाल - 8100 का हल

चे	क	ल	व	ग	आ	ना	क	प	ल	क
र	श	ल	न	व	जी	इ	द	इ	ट	कि
त	स	व	ल	र्म	छ	पु	य	रा	ख	स
क	ज	ज	न	पु	अ	ड	र	र	ल	ले
क	क	दो	ग	श्री	लं	का	तू	ग	झ	व
ज	ति	श	री	ह	झ	नि	ना	ण	घ	को
ती	आ	स	लि	या	प	ल	स	र	ला	ल
क	ता	शे	ई	सि	ब	ते	फ	न	श	पा
ने	बा	बे	न	व	जी	ल	बे	ग	प	कि
द	पा	त	प	न	जी	र्त	ऐ	त	प	स्ता
क	अ	ब	प	ची	न	रा	बा	द	प	न

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7045

1		2		■	3			■	4
	■		■	5		■	■	6	
7	8		■	■	9		10	■	
■		■	11	12		■	13		■
14		15	■		■	16		■	17
	■	18	19		■		■	20	
21	22	■		■	23		24	■	
■	25		■	26		■	27		■
28		■	29	■		■		■	30
31				■	32			■	

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, शरद, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि कपूर, जेबा, अश्विनी भावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है?-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'खुशी' में फरदीन की नायिका?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशखन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म?-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, नालासिन्हा की 'आज गालो मुस्करा लो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7044

अ	जू	बा	■	जो	र	■	दा	मि	नी
ल	■	बा	जी	■	क्ष	त्रि	य	■	तू
बे	टा	■	न	म	क	■	श	जा	■
ला	■	अं	त	■	■	रे	■	लि	■
■	दा	दा	■	नू	■	जा	ने	म	न
मे	■	ज	ह	री	ले	■	हा	■	र्गि
री	मा	■	त्या	■	कि	ला	■	द	स
जं	■	सू	■	म	न	■	म	र्द	■
ग	द	र	■	द	■	आ	ह	■	डॉ
■	म	ज	बू	र	■	■	ल	गा	न

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

6 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृश्चिक में
चंद्र	मिथुन में
मंगल	वृश्चिक में
बुध	तुला में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृश्चिक में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
धनु	07.17 बजे से
मकर	09.22 बजे से
कुंभ	11.09 बजे से
मीन	12.41 बजे से
मेष	14.12 बजे से
वृष	15.52 बजे से
मिथुन	17.50 बजे से
कर्क	20.04 बजे से
सिंह	22.20 बजे से
कन्या	00.32 बजे से
तुला	02.42 बजे से
वृश्चिक	04.57 ब.से

शनिवार 2025 वर्ष का 340 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वितीया 21.26 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 08.49 बजे तदनन्तर आर्द्रा 06.14 बजे को समाप्त। **योग** शुभ 23.46 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 11.08 बजे तदनन्तर गर 21.26 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 22° 30' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872550 **जूलियन दिन** 2461015.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 14

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः लोभ का फल

एक किसान के बगीचे में फलों के अनेक पेड़ लगे हुए थे। प्रत्येक वर्ष उनमें रसीले मीठे-मीठे फल लगते थे। किसान बड़ा सीधा-सादा था। उसने सोचा कि यह बगीचा तो मेरे श्रम की देन है किंतु जिस भूमि पर मेरा बगीचा है वह तो जमींदार की है। इस तरह इन फलों पर उसका भी हक बनता है। एक दिन वह रसीले फलों की टोकरी भरकर जमींदार को दे आया। जमींदार ने जब किसान के बगीचों के फल चखे तो वह दंग रह गया। इतने मीठे व स्वादिष्ट फलों का सेवन उसने आज तक नहीं किया था। उसने सोचा कि ऐसे मीठे फलों के पेड़ किसान के यहां नहीं, मेरे यहां होने चाहिए। उसी क्षण उसने अपने सेवकों को आदेश दिया कि किसान के यहां से पेड़ों की जड़ें उखाड़ लाएं। सभी ने जमींदार को समझाने का प्रयास किया किंतु उस पर लोभ का नशा चढ़ चुका था। उसने किसी की एक न सुनी। उसके सेवक भी कड़े मन से बेचारे किसान के यहां से जड़ें उखाड़ लाए और जमींदार के बगीचे में रोप दीं। जमींदार ने माली को सख्त आदेश दिया कि उनका रखरखाव ध्यान से करे। अगली बार वह खुद इन फलों को तोड़कर इनका रसास्वादन करेगा। एक दिन उन्होंने देखा कि किसान के यहां से उखड़वाई जड़ें लाख प्रयत्नों के बावजूद मुरझाती जा रही थीं। उन्होंने माली से इसका कारण पूछा तो वह डरते-डरते बोला, 'मालिक क्षमा कीजिएगा, किंतु यह लोभ का फल है। आपने लोभवश किसान के मीठे फलों की जड़ों को यहां लगवा तो लिया किंतु जो जड़ें प्रेम, सद्भावना व नि:स्वार्थ भावना से वहां पनप रही थीं वे अब स्वार्थ के वषीभूत सड़ चुकी हैं।' माली की बात सुनकर जमींदार को अपनी गलती का अहसास हो गया। उसने किसान को बुलाकर क्षमा मांगी। कुछ ही समय बाद किसान ने अपनी मेहनत से दोबारा मीठे फल उगाकर जमींदार को भेंट किए।

सूडोकु नवताल- 7354

★☆☆☆☆ सरल

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7353 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली - 8569

बाएँ से दाएँ

1. तन, शरीर-3
3. चकोर, चंद्रप्रेमी पक्षी-3
6. झगड़ा, द्वेष-3
7. मोटा आटा-2
8. खिंचाव, स्वर विस्तार-2
9. असली, शुद्ध-3
10. यंत्रशाला-4
12. कार्यविधि-3
14. चिंगारी-3
16. एक कंद जिसे सुखा कर सौंठ बनाई जाती है-4
18. दूल्हे की पगड़ी-3
20. सम्मान-2
21. प्राण, जीवन तत्व-2
22. कुशल, होनहार-3
24. राशिचक्र की एक राशि-3
25. प्रेमी, साजन- 3

ऊपर से नीचे

2. अवलोकन, दरस-3
3. चलने का ढंग-2
4. तलघर-4
5. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6. जलजला-3
7. रसीला, रस से भरपूर-4
8. बल, जोर, दम-3
10. चाचा, अंकल-2
11. शौहर, पति-3
13. 'दीवाने हुए पागल' की नायिका-2,2
14. वहम, संदेह-3
15. राजा, सम्राट-3
16. उपद्रवी, आतंकी-4
17. गिरवी रखी वस्तु-3
20. बैठने की जगह-3
21. शराब का प्याला-2
23. रांझे की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8568 का हल

■	अ	जा	न	■	स	ली	का	■
दा	दा	■	सी	■	ह	■	या	द
मि	■	■	ब	र	सा	त	■	म
नी	र	व	■	ध	■	र	ह	न
■	■	ज	रा	■	सा	की	■	■
सु	ल	ह	■	दाँ	■	ब	हा	व
दा	■	■	सा	व	न	■	■	ज
मा	ता	■	ह	■	य	■	का	न
■	त	म	स	■	न	क	ल	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी सिविल अस्पताल एवं भानेगांव का दिल्ली की टीम ने किया आकस्मिक निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। लांजी । राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत नागपुर स्थित राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (NEERI) दिल्ली की टीम ने 5 दिसम्बर को जिले के सिविल अस्पताल लांजी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भानेगांव का आकस्मिक निरीक्षण किया। (नीरी) की टीम में डॉ. जी.के. खडसे एवं डॉ. पारुलकर शामिल थे। निरीक्षण के दौरान टीम ने दोनों स्वास्थ्य संस्थानों में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया। इनमें हर्बल गार्डन, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, बायो-मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट तथा ऊर्जा संरक्षण के लिए लगाए गए सोलर पैनल की स्थिति को विशेष रूप से परखा गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि यह निरीक्षण कार्यक्रम जलवायु परिवर्तन के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने तथा स्वास्थ्य संस्थानों को पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण दिन है। निरीक्षण के दौरान ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर लांजी डॉ. अक्षय उपराडे, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भानेगांव के मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रशांत पाटिल, कार्यक्रम के नोडल अधिकारी तथा दोनों संस्थानों का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा। टीम ने दोनों स्वास्थ्य संस्थानों में किए जा रहे पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों की सराहना की तथा कुछ बिंदुओं पर और बेहतरी के लिए सुझाव भी दिए।

चाकू से जानलेवा हमला करने वाला आरोपी परिंदा उर्फ पंकज भिमटे गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। लांजी । किरनापुर थाना अन्तर्गत ग्राम पंचायत बिनोरा में मण्डई मेले के दौरान हुई मारपीट में चाकू बाजी करने वाले आरोपी को किरनापुर पुलिस ने हिरासत में लेकर न्यायालय में पेश किया है। इस प्रकरण के संबध में प्रार्थी शशिकांत उर्फ राजा पिता झनकलाल बहेकार उम्र 25 वर्ष निवासी सेवती ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाते हुये बताया कि 1 एवं 2 दिसंबर की मध्य रात्रि में मै अपने दोस्तो के साथ बिनोरा मण्डई में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने गया था। जहां से वापस लौटते समय ग्राम बिनोरा सोसायटी के पास रात्रि करीब 1=30 बजे रास्ते में भीड़ होने से परिंदा उर्फ पंकज भिमटे से मै टकरा गया। इसी बात पर पंकज भिमटे मुझे अश्लील गाली गलौच करने लगा। गाली देने से मना किया तो परिंदा उर्फ पंकज बोला कि आज तुझे जान से ही खत्म कर देता हूॅ कहकर मुझको जान से मारने की नियत से अपने पास से चाकू निकालकर मुझे पेट में बायें तरफ मार दिया। जिससे मुझे गंभीर चोट आई तथा मुझे मेरे दोस्तो एवं परिजनो के द्वारा 108 एंबुलेंस से उपचार हेतु किरनापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रिफर किया गया लेकिन परिजनों के द्वारा मुझे उच्चस्तरीय उपचार के लिये गोंदिया के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया। वहीं अस्पताल प्रबंधन के द्वारा किरनापुर पुलिस को उक्त घटना की तहरीर भेजी गई जिस पर किरनापुर पुलिस के द्वारा प्रार्थी के बयान दर्ज कर आरोपी परिंदा उर्फ पंकज भिमटे के विरूद्ध अपराध क्रमांक 468/25 धारा 296बी, 109-1, भारतीय न्याय संहिता के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। वहीं पुलिस के द्वारा मामले की गंभीरता को समझते हुये अस्पताल तहरीर जांच युनाईटेड अस्पताल पंहुचकर शशिकांत बहेकार कि रिपोर्ट पर तत्काल प्रकरण पंजीबद्ध किया गया तथा

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में प्रकरण में घटना स्थल का बारिकी से निरीक्षण कर साक्ष्य संकलित कर चश्मदीद साथियों के कथन लेख किये गये। जिसमें आरोपी पंकज भिमटे पिता महेश भिमटे आयु 20 वर्ष निवासी मिरीया थाना बहेला हाल मुकाम ग्राम हिर्री थाना किरनापुर से पुछताछ कर उसके पास घटना के प्रयुक्त चाकू को विधीवत जप्त कर तथा धारा 23(2) का ईजाफा कर आरोपी को हिरासत में लेकर 5 दिसंबर को न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्यवाही में प्रमुख रूप से थाना प्रभारी किरनापुर उनि माधव शर्मा, उनि अनुराग भदौरिया, उनि कप्तान सिंह उइके, उनि दामेन्द्र तुरकर, सउनि रमेश माहुले, बुद्धूलाल उइके, राघविरेन्द्र टेकाम, सजिन्द्र नेवारे सहित अन्य पुलिस बल कि सराहनीय भूमिका रही।

देवरबेली में कुष्ठ जांच एवं उपचार शिविर का आयोजन, 50 से अधिक लोगों की हुई जांच

पद्मेश न्यूज। लांजी । राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को आदिम जाति कल्याण छात्रावास, देवरबेली में कुष्ठ रोग जांच एवं जागरूकता शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप तथा जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. ऋतिक पटेल के निर्देश पर और खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अक्षय उपराडे के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में कुष्ठ रोग के लक्षण, कारण और उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम में शामिल एनएमए आर.एल. उपराडे और अशोक गिरिया ने छात्रावास के

बच्चों एवं आसपास के ग्रामीणों की कुष्ठ रोग की जांच की तथा संदिग्ध मामलों को आवश्यक दवाइयां नि:शुल्क उपलब्ध कराई। शिविर में 50 से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की गई। आश्रम अधीक्षक लोकेश गेडाम, सहायक शिक्षक देवानंद पारधी, पुष्पेंद्र बेदर, श्रीमती सविता सिरसाम तथा लांजी सिविल अस्पताल के स्टाफ एल.डी. डेकवारे, आर.एस. धारने और आजेंद्र श्रीरामे ने शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. ऋतिक पटेल ने बताया कि जिले में कुष्ठ रोग को पूरी तरह समाप्त करने के लिए नियमित रूप से ऐसे शिविर लगाए जा रहे हैं और आमजन से कुष्ठ के शुरुआती लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने की अपील की है।

लांजी में 7 दिसंबर को नवोदय प्रवेश परीक्षा का मॉक टेस्ट

आलोक एवं छू लो आसमान किसने रोका है का संयुक्त आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी । जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा-2026 की तैयारी को परखने के लिए लांजी नगर में रविवार, 7 दिसंबर 2025 को सुबह 10 बजे से विशेष अभ्यास परीक्षा (मॉक टेस्ट) का आयोजन किया जा रहा है। यह मॉक टेस्ट स्थानीय विद्यालय वीरांगना रानी अवंती बाई शिशु मंदिर लांजी के प्रांगण में आलोक एवं छू लो आसमान किसने रोका है संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। यह अभ्यास परीक्षा विशेष रूप से कक्षा 6वीं के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं के लिए है। संस्था के प्रधानपाठक विजय कुमार कुशले ने बताया कि इस वर्ष जवाहर नवोदय विद्यालय कक्षा 6वीं की प्रवेश परीक्षा 13 दिसंबर 2025 को निर्धारित है। इस मुख्य परीक्षा से ठीक एक सप्ताह पहले आयोजित होने वाले इस मॉक टेस्ट का मुख्य उद्देश्य छात्रों में वास्तविक परीक्षा का अनुभव देना, समय प्रबंधन सिखाना और परीक्षा पैटर्न की गहरी समझ विकसित करना है। श्री कुशले ने सभी अभिभावकों और छात्रों से अपील की है कि वे इस नि:शुल्क अभ्यास परीक्षा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। परीक्षा सुबह 10 बजे से शुरू होगी और सभी तैयारी पूरी कर ली गई है।

सालेटेकरी मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों से हो रहे हादसों को रोकने स्पीड ब्रेकर बनवाये जाने की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी । नगर परिषद लांजी के अंतर्गत सालेटेकरी मुख्य मार्ग पर बने डिवाइडर के बीच में बने रोड क्रॉसिंग पर स्पीड ब्रेकर बनवाये जाने की मांग प्रबुद्ध नागरिक जनों ने नगर परिषद लांजी से की है। सालेटेकरी मार्ग लांजी नगर का मुख्य व्यवस्तम मार्ग है, इस मार्ग पर शासकीय महाविद्यालय, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, शासकीय कन्या हाई स्कूल, सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिविल न्यायालय, एसडीएम कार्यालय, तहसील कार्यालय, जनपद कार्यालय, वन विभाग के कार्यालय, विद्युत विभाग कार्यालय, कृषि विभाग कार्यालय सहित सब्जी मंडी है। इस लिहाज से नगर का सबसे व्यस्ततम मार्ग है। पिछले कुछ महीने में यहां तेज रफ्तार वाहनों की वजह से कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। खासकर स्कूल जाने वाले बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग जब डिवाइडर के बीच से सड़क पार करते हैं, तब तेज गति से आने वाले वाहन चालक समय पर ब्रेक नहीं लगा पाते और हादसे हो जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि डिवाइडर तो बना दिया गया, लेकिन क्रॉसिंग प्वाइंट पर कोई स्पीड ब्रेकर या स्लो डाउन का इंतजाम नहीं है, जिससे खतरा लगातार बना हुआ है। लोगों ने मांग की है कि डिवाइडर के दोनों तरफ बने सभी रोड क्रॉसिंग प्वाइंट पर तत्काल स्पीड ब्रेकर बनवाए जाएं। क्रॉसिंग पर साइन बोर्ड, रिफ्लेक्टर और रात में चमकने वाली कैट आई लगाई जाए। तेज रफ्तार वाहनों पर निगरानी के लिए यहां समय-समय पर पुलिस चेकिंग हो।

गौतम उर्फ आदू बड़मे पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी । नगर के वार्ड क्रमांक 06 मरार मोहल्ला निवासी सोहन बड़मे के सुपुत्र गौतम उर्फ आदू बडमे का 22 वर्ष की आयु में 04 दिसम्बर दिन गुरुवार को शाम 04=10 बजे बिमारी के चलते बालाघाट हॉस्पिटल में निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 05 दिसम्बर दिन शुक्रवार को नगर के कोटेश्वर मोक्ष धाम में किया गया। इनके निधन पर रिश्तेदारों और समाज के लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है।

आवारीटोला निवासी पांडूरंग खोबरागड़े का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी । क्षेत्रान्तर्गत ग्राम कारंजा के आवारीटोला निवासी वरिष्ठ कांग्रेसी कार्यकर्ता तथा जल उपभोक्ता संथा के पूर्व अध्यक्ष पांडूरंग पोतन खोबरागड़े का निधन लगभग 71 वर्ष कि आयु में आकस्मिक निधन हो गया। आप अपने पीछे एक पुत्र, तीन पुत्रियों, नाती पोतो से भरा पूरा परिवार छोड इस दुनिया से विदा गये। आपका अंतिम संस्कार आज 6 दिसंबर को ग्राम कारंजा के स्थानीय मोक्षधाम में किया जायेगा। आपके निधन पर कांग्रेस परिवार सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, नाते रिश्तेदार, मित्र मण्डल, ग्राम के समस्त ग्रामीण जनों के द्वारा शोक संवदेना व्यक्त कर मृत आत्मा के शांति के लिये तथा इस दुख की घड़ी में परिजनों को संबल प्रदान करने हेतु परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते हुये भावपूर्ण श्रृद्धांजलि अर्पित की गई।

बिठली में ग्रामीण स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आज से प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बिठली में न्यू स्टार क्रिकेट क्लब बिठली रामपायली के तत्वाधान में ६ दिसंबर से ग्रामीण स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इस संबंध में आयोजन समिति ने बताया कि प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। यह प्रतियोगिता कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी के मुख्य आतिथ्य, मोहगांव खुर्द सरपंच फागुलाल मरठे की अध्यक्षता, राजीव गांधी विचार मंच जिला अध्यक्ष जावेद अली के प्रमुख आतिथ्य ,मनोज टेंभरे के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में प्रथम इनाम १३००१,द्वितीय इनाम ६००१ रुपए रखा गया है। इस अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में लोगों से उपस्थित होकर बेहतर क्रिकेट का आनंद लेने की अपील आयोजक गणों ने की है।

निजी स्कूलों की मान्यता व नवीनीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ, 31 दिसम्बर अंतिम तिथि

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिले के सभी निजी (अशासकीय) स्कूलों के लिए राहत भरी लेकिन सख्त खबर। आरटीई अधिनियम 2009 और राज्य नियम 2011 (संशोधित 2023) के अनुसार अब सभी अशासकीय स्कूलों को ऋज्ञश्व स्क्क मोबाइल ऐप के माध्यम से ही नवीन मान्यता और मान्यता नवीनीकरण के लिए आवेदन करना अनिवार्य किया गया है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2025 निर्धारित की गई है। जिला परियोजना समन्वय जिला शिक्षा केंद्र जीपी बर्मन ने बताया है कि इसमें उन स्कूलों को आवेदन करना है जिन स्कूलों की मान्यता 31 मार्च 2026 को समाप्त हो रही है, जो संस्थाएँ नया निजी स्कूल खोलना चाहती हैं, जो स्कूल कक्षा वृद्धि करना चाहते हैं तथा जो स्कूल उसी ग्राम/वार्ड में भवन बदलकर संचालन करना चाहते हैं। इसके साथ ही सत्र 2025-26 में नवीनीकरण नहीं कराने वाले स्कूल, ऐसे स्कूलों को इस वर्ष 10 हजार विशेष शुल्क के साथ आवेदन करना होगा। ऑनलाइन ऋज्ञश्व स्क्क मोबाइल ऐप से आवेदन के लिए स्कूल भवन, कक्षाएँ, स्टाफ और संसाधनों की त्द्दश्-ञ्जड्डद्द क्द्धश्शह्लश्ह्य अनिवार्य होगी। साथ ही सभी ऋज्ञश्व मानक व मानदंडों की पूर्ति ज़रूरी होगी। आवेदन के 15 दिनों के भीतर विकासखंड स्त्रोत समन्वयक द्वारा स्कूल का निरीक्षण कर रिपोर्ट जिला परियोजना समन्वयक को प्रेषित की जाएगी। मानदंड पूरे होने पर मान्यता स्वीकृति प्रदान की जाएगी वहीं कमी होने पर स्कूल को ईमेल द्वारा सूचना दे दी जाएगी। निर्धारित समय में कमी दूर न करने पर आवेदन निरस्त किया जाएगा। बताया गया है कि यदि जिला परियोजना समन्वयक द्वारा मान्यता आवेदन निरस्त किया जाता है, तो संस्था 30 दिनों के भीतर कलेक्टर के समक्ष प्रथम अपील कर सकती है। अपील के साथ सभी कमी पूर्ति दस्तावेज एवं जियो-टैग फोटो अपलोड करना अनिवार्य है। आवेदन की प्रक्रिया 4 दिसम्बर से प्रारंभ होकर 31 दिसम्बर 2025 तक की जाएगी। सभी निरीक्षण, रिपोर्ट व अपील की प्रक्रियाएँ तय समयसीमा में अनिवार्य की गई है। श्री बर्मन ने स्पष्ट रूप से कहा है कि मान्यता के लिए ऑफलाइन आवेदन किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

उत्तर भारत में ठंड, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान के इलाके शीतलहर की चपेट में

जम्मू-कश्मीर और ऊपरी इलाकों में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना

नई दिल्ली। पूरा उत्तर भारत ठंड की चपेट में है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और आसपास के इलाकों में शीतलहर चल रही है। दिल्ली-एनसीआर में पिछले दो दिनों से तापमान 5 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। मौसम विभाग ने बताया कि जम्मू-कश्मीर से लेकर पंजाब-हरियाणा तक बने पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर भारत में ठंड बढ़ने की संभावना है। वहीं, यूपी के भी कई इलाके शीतलहर के चपेट में हैं। मौसम विभाग ने बताया कि कई इलाकों में सुबह कोहरे के साथ तापमान 5 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक बिहार में अभी न्यूनतम तापमान 11-12 डिग्री सेल्सियस तक बना हुआ है, जबकि अधिकतम तापमान 22 से 27 डिग्री के आसपास है। हालांकि, ग्रामीण इलाकों समेत पंजाब, हरियाणा से लेकर आसपास के क्षेत्रों में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग ने बताया कि इन हिस्सों में पश्चिमी विक्षोभ की वजह से आसमान में बादल घिरे हुए हैं, हालांकि, किसी प्रकार के बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। वहीं इसकी वजह से पहाड़ी से मैदानी इलाकों की ओर चलने वाली तेज हवाएं शीतलहर की स्थिति की और भी गंभीर बना रही है।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से 4-5 डिग्री सेल्सियस नीचे है, जिसके कारण शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। जम्मू-कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। इस वजह से आसपास के इलाकों में बादल छाए हैं। हालांकि, पहाड़ी या मैदानी इलाकों में बारिश या बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई है। एक और कमजोर पश्चिमी विक्षोभ 5 दिसंबर को पश्चिमी हिमालय की ओर बढ़ रहा है और पहाड़ों को पार करने में इसे करीब 24 से 36 घंटे लगेंगे। इस दौरान निचले इलाकों पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के आसपास ठंड का असर बढ़ने की संभावना है।

पहाड़ों पर पश्चिमी विक्षोभ की वजह से जम्मू-कश्मीर और ऊपरी इलाकों में हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के कुछ हिस्सों में शीतलहर की स्थिति बने रहने की संभावना है। वहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक इंड्यूस्ड साइक्लोनिक सर्कुलेशन की स्थिति से कोहरे और ठंड की संभावना बढ़ गई है। मौसम विभाग ने बताया कि नॉर्थ ईस्ट के राज्यों के कुछ हिस्सों में घना कोहरा पड़ सकता है। वहीं, तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश, केरल, लक्षद्वीप और दक्षिण कर्नाटक में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

यूपी के कई इलाके शीतलहर की चपेट में हैं। वहीं, राज्य के कई हिस्से घने कोहरे से घिरे हैं। सुबह शाम कड़ाके की ठंड से लोगों का हाल बेहाल है, हालांकि, दिन निकलने के बाद धूप खिलने की वजह से लोगों को राहत है। वहीं, बिहार में मौसम अभी शुष्क बना हुआ है। राज्य में न्यूनतम तापमान 11 से 12 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। वहीं, अधिकतम तापमान 22 से 27 डिग्री के आसपास बना है। पहाड़ों पर एक्टिव पश्चिमी विक्षोभ का असर जल्द ही दिखेगा। गलन वाली सर्दी पड़ सकती है।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर लाचुंगपा भारत-चीन सीमा सिक्किम से गिरफ्तार

स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स मध्यप्रदेश एवं वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो नई दिल्ली की ऐतिहासिक कार्रवाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में प्रदेश में वन एवं वन्यजीव के संरक्षण के लिये लगातार समग्र प्रयास किये जा रहे हैं। इस दिशा में कार्यवाही करते हुए स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स मध्यप्रदेश एवं वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो नई दिल्ली ने 10 साल से वांछित, अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर यांगचेन लाचुंगपा को2 दिसम्बर 2025 को भारत-चीन की अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास लाचंग, मंगन, जिला उत्तर सिक्किम (सिक्किम) में कई महीनों की कड़ी मेहनत के उपरांत सफलतापूर्वक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार किया है।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम में बाघ एवं पेंगोलिन के अवैध शिकार और बाघ की हड्डियों व पेंगोलिन के स्केल की नेपाल के रास्ते चीन में अवैध तस्करी करने वाले गिरोह के विरुद्ध जुलाई 2015 में प्रकरण दर्ज किया गया था, जिसमें यांगचेन लाचुंगपा वांछित थी। प्रकरण की गंभीरता देखते हुए वन मुख्यालय ने इसे मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स को विवेचना के लिये सौंपा गया था। एसटीएसएफ ने एक संगठित एवं अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश कर 31 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। यांगचेन लाचुंगपा अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्करी गिरोह की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। जिसका नेटवर्क भारत, नेपाल, भूटान और चीन तक फैला हुआ है। यांगचेन लाचुंगपा के गिरोह के कई देशों में फैले नेटवर्क को देखते हुए भारत सरकार के अनुरोध पर इंटरपोल के द्वारा यांगचेन लाचुंगपा विरुद्ध रेड नोटिस भी जारी किया गया है, जिससे उसे किसी भी देश में सबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा गिरफ्तार किया जा सके। यांगचेन लाचुंगपा मूल रूप से चीन के स्वायत्त क्षेत्र तिब्बत की निवासी है एवं भारत में मुख्यत: दिल्ली एवं सिक्किम में रहती थी। यांगचेन को पहली बार सितम्बर 2017 में भी हिरासत में लेकर ट्रांजिट रिमांड के लिये पेश किया गया था, लेकिन न्यायालय से अंतरिम जमानत मिलने के बाद फरार हो गई थी।उसकी अग्रिम जमानत को मध्यप्रदेश के उच्च न्यायालय जबलपुर ने भी वर्ष 2019 में खारिज कर दिया था। अपराधी यांगचेन लाचुंगपा गिरफ्तारी से बचने लगातार एजेंसियों को चकमा दे रही थी, अंत में 2 दिसम्बर 2025 को उसे मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स एवं केंद्र सरकार की वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो नई दिल्ली की संयुक्त टीम ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में कम तापमान के क्षेत्र में जाकर योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर लाचुंग, मंगन (सिक्किम) से गिरफ्तार कर न्यायलय गंगटोक के समक्ष पेश कर मध्यप्रदेश शासन का ठोस पक्ष रखने के बाद ट्रांजिट वारंट 3 दिसम्बर 2025 को रात्रि में प्राप्त कर उसे मध्यप्रदेश लाया जा रहा है। इस कार्यवाही में सिक्किम पुलिस का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

यह देश का पहला मामला है जिसमें शिकारियों, कूरियर बिचौलिये और तस्करों सहित 31 व्यक्तियों के पूरे गिरोह को गिरफ्तार किया गया है।पूर्व में गिरफ्तार सभी आरोपियों को सजा भी मिल चुकी है। आरोपी यांगचेन को न्यायालय नर्मदापुरम में पेश कर रिमांड मांगा जायेगा, जिससे इस गंभीर प्रकरण में अग्रिम विवेचना की जा सके। इस सफलतापूर्वक कार्यवाही में शामिल एसटीएसएफ के दल को उत्कृष्ट कार्य के लिये पुरूस्कृत किया जायेगा।

अब डाकघरों में क्यूआर /डीजिटल पेमेंट की सुविधा

भोपाल। डाक विभाग मे नए एपीटी सॉ टवेयर के संचालन के माध्यम से ग्राहकों को डिजिटल पेमेंट/ क्यूआर पेमेंट की सुविधा मुहैया कराई जावेगी । मध्यप्रदेश डाक परिमंडल के अंतर्गत 892 डाकघरों में 1092 क्यूआर /पीओएस मशीन लगाई जा रही हैं जिससे ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में डिजिटल पमेंट को बढ़ावा मिलेगा। ग्राहकों को अब डाकघर में तेज और आसान डिजिटल भुगतान की सुविधा के साथ साथ, उनके समय की बचत भी होगी। नए एपीटी सॉ टवेयर के लागू होने के पश्चात समस्त शाखा डाकघरों में मोबाइल के माध्यम से पूर्व से ही यह सुविधा दी जा रही थी। सभी डाक संभागों के विभागीय डाकघरों में आपूर्ति के पश्चात डाकघरों में डाइनैमिक क्यूआर कोड के जरिये भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है ।

भाजपा के इरादे अब सामने आने लगे- कमलनाथ

भोपाल । प्रदेश सरकार के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत के एसआईआर को लेकर दिए गए बयान पर पूर्व मु यमंत्री कमलनाथ ने भाजपा पर हमला किया है। नाथ ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर पोस्ट किया है कि भारतीय जनता पार्टी के असली इरादे अब सामने आ गए है।

कमलनाथ ने ने कहा है कि मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने जनता को सीधी धमकी दी है कि जिनके नाम एसआईआर में शामिल नहीं होंगे, उनका राशन बंद कर दिया जाएगा और आधार कार्ड निरस्त कर दिया जाएगा। सरकार से मिलने वाली सुविधाएँ समाप्त कर दी जाएंगी।

राजपूत के बयान से स्पष्ट है कि पहले भाजपा लोगों का राशन बंद करेगी। उसके बाद मु.त इलाज, किसानों को खाद, महिलाओं को मिलने वाली लाड़ली बहना का पैसा, छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति और दूसरी सभी सुविधाएँ जो एक नागरिक को मिलनी चाहिए, वे भाजपा छीनना चाहती है।

ज़ाहिर है कि आज यह राशन पानी ख़त्म करने की बात कर रहे हैं और जल्द ही यह आरक्षण ख़त्म करने की बात भी करने लगेंगे।

नाथ ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी शुरू से ही एसआईआर को लेकर देश की जनता को आगाह कर रहे हैं। अब बिलकुल साफ़ हो गया है कि भाजपा एक तरफ़ वोटचोरी के ज़रिए अपनी सरकार बनाना चाहती है तो दूसरी तरफ़ भारतीय नागरिकों के अधिकार छीनना चाहती है।

यह भारतीय लोकतंत्र पर सीधा हमला है। जनता को एक बार फिर से ग़ुलाम बनाने की कोशिश है। इसलिए कांग्रेस पार्टी के साथ ही अन्य सभी दलों और देश की जनता को इसके ख़िलाफ़ कमर कस लेनी चाहिए।

मप्र में साइबर ठगों ने 5 साल में उड़ा दिए 1149 करोड़

रिकवरी में पुलिस को आ रहा पसीना, धोखाधड़ी की कुल रकम की 11 फीसदी हुई रिकवरी

भोपाल । मध्य प्रदेश में साइबर अपराध की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। साइबर अपराधी लोगों को ठगने के नए-नए तरीके ढूंढ रहे हैं। पिछले 5 सालों में मध्य प्रदेश में साइबर अपराधी 1149 करोड़ की धोखाधड़ी कर चुके हैं। साल 2025 में अब तक जालसाज 298 करोड़ रुपए की ठगी को अंजाम दे चुके हैं। साइबर फ्रॉड को लेकर 26 हजार से ज्यादा शिकायतें पुलिस के पास पहुंची, लेकिन इससे भी चिंताजनक यह है कि इनमें से चुनिंदा शिकायतकर्ताओं को ही अपनी रकम वापस मिल पाई है।

मध्य प्रदेश में पिछले 5 सालों में 2 लाख 35 हजार से ज्यादा लोग साइबर अपराधों का शिकार हो चुके हैं। ये लोग डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ठगी, अकाउंट चोरी, सायबर बुलिंग जैसे कई तरह के साइबर अपराधों के शिकार हुए हैं। ऐसी वारदातें लोगों को आर्थिक नुकसान, तो पहुंचा ही रही हैं, साथ ही मानसिक रूप से भी परेशान कर रही हैं।

साइबर अपराधियों से निपटने में पुलिस को भी पसीना बहाना पड़ रहा है। अधिकांश मामलों में पुलिस ऐसे अपराधियों तक नहीं पहुंच पा रही है। पिछले 5 सालों में वित्तीय धोखाधड़ी की 1 लाख 8 हजार से ज्यादा शिकायतें साइबर सेल के पास पहुंची। जालसाजों ने 1149 करोड़ रुपए ठगे, लेकिन इसमें से पुलिस मात्र करीब 100 करोड़ रुपए की ही रिकवरी कर पाई।

1 लाख 27 हजार लोग साइबर अपराध के हो चुके शिकार

कुछ लोग आर्थिक नुकसान से तो बच गए, लेकिन उन्हें मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी। एमपी में पिछले 5 सालों में साइबर अपराध के 1 लाख 27 हजार मामले दर्ज किए गए। इसमें सबसे ज्यादा मामले देवास में सामने आए। जहां 1956 शिकायतें दर्ज की गई। देवास जैसे छोटे जिलों में अपराधी लोगों को अपना निशाना बना रहे हैं। यह जानकारी कांग्रेस विधायक यादवेंद्र सिंह द्वारा विधानसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में सरकार ने दी। विधायक यादवेंद्र सिंह के मुताबिक, साइबर अपराधी अब छोटे जिलों के लोगों को निशाना बना रहे हैं। जिस तरह से ऐसे अपराध बढ़ रहे हैं, उसके हिसाब से पुलिस के संसाधन अपर्याप्त हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लिखित जवाब में बताया कि साइबर अपराधों की जांच के लिए साइबर क्राइम सेल की स्थापना की गई है। साइबर थाने में सभी प्रकार की शिकायतें प्राप्त होती हैं। ऐसे मामलों में दिल्ली, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाम, बिहार, महाराष्ट्र, झारखंड, पंजाब सहित कई राज्यों से अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय एवं पंचायत उपनिर्वाचन कार्यक्रम घोषित

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। मतदान 29 दिसम्बर 2025 को होगा।

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग दीपक सिंह ने जानकारी दी है कि उप निर्वाचन के लिए, निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन और नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का कार्य 8 दिसम्बर 2025 से शुरू होगा। नाम निर्देशन पत्र 15 दिसम्बर तक लिये जायेंगे, नाम निर्देशन पत्रों की जांच 16 दिसम्बर को होगी। नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 18 दिसम्बर है। इसी दिन निर्वाचन प्रतीकों का आबंटन होगा। नगरीय निकायों में मतदान 29 दिसम्बर को सुबह 7.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक होगा। मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 31 दिसम्बर को सुबह 9.00 बजे से होगी।

पंचायतों में मतदान 29 दिसम्बर को सुबह 7.00 बजे से अपरान्ह 3.00 बजे तक होगा। पंच पद के लिये मतगणना मतदान के तुरंत बाद मतदान केन्द्र पर ही होगी। सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य की विकास खण्ड मुख्यालय पर ई.व्ही.एम. से की जाने वाली मतगणना 2 जनवरी को सुबह 8.00 बजे से होगी। इसी दिन सरपंच एवं जनपद पंचायत सदस्य के निर्वाचन परिणामों की घोषणा की जायेगी। जिला पंचायत सदस्यों एवं पंच पद के लिए परिणामों की घोषणा 5 जनवरी 2026 को प्रात- 10.30 बजे से की जायेगी।

1 अध्यक्ष और 8 पार्षदों का होगा उप निर्वाचन

सीधी के नगरपरिषद मझौली के अध्यक्ष और विभिन्न नगरीय निकायों में 8 पार्षदों के लिये उप निर्वाचन होगा। नगरपालिक निगम सिंगरौली के वार्ड 34, नगर पालिका परिषद मण्डला के वार्ड 8, नगर पालिका परिषद लहार के वार्ड 5 और नगर परिषद मौ के वार्ड 4, मेहगांव के वार्ड 5, आलमपुर के वार्ड 13, सतवास के वार्ड 9 और पानसेमल के वार्ड 2 में पार्षद पद के लिये उप निर्वाचन होगा।

जिला पंचायत के 4, जनपद पंचायत के 14 और सरपंच के 67 पदों के लिये होगा निर्वाचन

पंचायत उप निर्वाचन के तहत जिला पंचायत सदस्य के 4, जनपद पंचायत सदस्य के 14, सरपंच के 67 और 3872 पंच पद के लिये निर्वाचन होगा।

मप्र में शिक्षकों का होगा ट्रांसफर और मर्जर

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार प्रदेश में पदस्थ उर्दू सहित तमाम टीचर्स की स्कूलों में उपयोगिता को देखकर उन्हें दूसरे स्कूलों में भेजने की तैयारी कर रही है। दूरस्थ स्कूलों के तबादला किए जाने के बाद शिक्षकों को कम से कम 3 साल तक नहीं हटाया जाएगा। स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप ने विधानसभा में एक सवाल के जवाब में इसकी जानकारी दी है। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि, इसकी समीक्षा की जा रही है कि कहां-कहां स्टूडेंट्स की संख्या कम है और टीचर्स अधिक है। उधर, एक अन्य सवाल के जवाब में सरकार ने बताया कि, प्रदेश में जनजातीय विभाग के 1881 स्कूलों को बंद कर दिया या फिर मर्ज कर दिया गया।

विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक अमर सिंह यादव ने राजगढ़ जिले में उर्दू शिक्षकों को लेकर सवाल पूछा था। उन्होंने कहा कि, राजगढ़ जिले में कई स्कूलों में स्टूडेंट्स नहीं हैं, जबकि उर्दू शिक्षक मौजूद हैं। उधर, संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि,राजगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में पदस्थ उर्दू शिक्षकों को लेकर समीक्षा की जानी चाहिए। कई स्थानां पर उर्दू शिक्षक तो पढ़ाने के लिए हैं, लेकिन वहां उर्दू के विद्यार्थी ही मौजूद नहीं है।

3 साल नहीं हटाए जाएंगे

जवाब में स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि, राजगढ़ जिले में 15 स्कूलों में 20 उर्दू शिक्षक हैं, जबकि छात्रों की संख्या 200 है। इस तरह छात्रों के मान से ही शिक्षक उपलब्ध हैं। लेकिन सिर्फ उर्दू शिक्षक ही नहीं, बल्कि सभी शिक्षकों को लेकर समीक्षा की गई है। जहां भी जीरो स्टूडेंट्स वाले स्कूल हैं, वहां से शिक्षकों को निकालकर दूरस्थ स्कलों में भेजा जाएगा, इसके बाद उन्हें 3 साल तक रखा जाएगा। प्रदेश सरकार द्वारा सभी विषयों के शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया जा रहा है। पिछले साल ही करीबन 20 हजार शिक्षकों को नए स्थानों पर भेजा गया है। शिक्षकों को ऐसे स्कूलों में पदस्थ किया जहा रहा है, जहां स्टूडेंट्स अधिक हैं और शिक्षक कम। इसी तरह 10 से कम स्टूडेंट्स वाले स्कूलों को पड़ोस के स्कूलों में शिफ्ट किया जा रहा है। इसके बाद शिक्षकों को दूसरे स्थानों पर पदस्थ किया जा रहा है।

प्रदेश में बंद और मर्ज हुए 1881 स्कूल

उधर, कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह ने बताया कि, प्रदेश में पिछले 10 सालों में जनजाति विभाग के 1881 स्कूलों को या तो बंद कर दिया गया या फिर मर्ज कर दिया। इनमें खरगोन जिले में 933 स्कूलों को जीरो इनरॉलमेंट के कारण मर्ज कर दिया गया। मंडला में 728 प्राथमिक स्कूलों में छात्र संख्या 10 से कम होने के कारण उन्हें मर्ज कर दिया गया। खंडवा में में 88 स्कूलों को एक शाला एक परिसर योजना के तहत मर्ज कर दिया गया। इसी तरह छिंदवाड़ा में 11, उमरिया में 4, सिवनी में 20, बुरहानपुर में एक, बालाघाट में 96 स्कलों को मर्ज कर दिया गया।

पराली जलाने में मप्र देश में नंबर वन

भोपाल। पराली जलाने के मामले में मध्य प्रदेश लगातार दूसरी बार पहले नंबर पर रहा है। यही स्थिति अंचल के श्योपुर जिले की है, यह जिला भी लगातार दूसरी बार देश में अव्वल रहा है। लेकिन इस बार अधिक पराली जलाने वाले जिलों की टॉप टेन सूची में प्रदेश के आठ जिले हैं। जबकि पिछले साल चार ही जिले थे और 2023 में दो जिले व 2022 में एक भी जिला नहीं था। यानि पिछले तीन साल से प्रदेश में रोक के बाद भी किसान अधिक पराली जला रहे हैं। ग्वालियर जहां टॉप टेन सूची में कभी नहीं आता था और पूरी देश की सूची में काफी नीचे रहता था। तीसरे स्थान पर आया है।

बता दें कि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की संस्था कंसोर्टियम फॉर रिसर्च ऑन एग्रोकोसिस्टम मॉनीटरिंग 15 सितंबर से 30 नवंबर तक पराली जलाने की घटनाओं की सैटेलाइट से निगरानी करता है। इस बार प्रदेशों की बात करें तो मध्य प्रदेश 17067 घटनाओं के साथ पहले नंबर, 7290 घटनाओं के साथ उत्तर प्रदेश दूसरे, 5114 घटनाओं के साथ पंजाब तीसरे नंबर पर व 2890 घटनाओं के साथ राजस्थान चौथे नंबर पर रहा। जबकि इस साल जिलों में 2643 घटनाओं के साथ श्योपुर पहले, 1973 घटनाओं के साथ जबलपुर दूसरे, 1930 घटनाओं के साथ ग्वालियर तीसरे, 1797 घटनाओं के साथ दतिया चौथे, 1580 घटनाओं के साथ होशंगाबाद पांचवें, 1142 घटनाओं के साथ सिवनी छठे, 1054 घटनाओं के साथ सतना आठवें व 719 घटनाओं के साथ रायसेन 10वें नंबर पर रहे।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने मध्यप्रदेश को दी बधाई, मतदाता सूची पुनरीक्षण में हासिल की बड़ी उपलब्धि

भोपाल। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने शुक्रवार को वर्चुअल बैठक के माध्यम से देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) कार्य की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने मध्यप्रदेश में हो रही उत्कृष्ट प्रगति की सराहना करते हुए प्रदेश को बधाई दी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश, संजीव कुमार झा ने बताया कि यह उपलब्धि प्रदेश के सभी नागरिकों , शासकीय कर्मचारियों और राजनीतिक दलों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने आश्वस्त किया कि पूरे प्रदेश में कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया गया है और निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सभी मानकों व निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। श्री झा ने बताया कि मध्यप्रदेश के 28 जिलों में 100 प्रतिशत, 22 जिलों में 99 प्रतिशत से अधिक तथा शेष 5 जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा कर लिया गया है। प्रदेश में अब तक 5 करोड़ 26 लाख से अधिक गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है, जो कुल कार्य का 99 प्रतिशत से अधिक है। यह उपलब्धि मतदाता सूची को पारदर्शी, सटीक और अद्यतन बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश के महत्वपूर्ण कदम को दर्शाती है।

मप्र के मूल निवासी अभ्यर्थियों के हक पर डाला जा रहा डाका

नीट फर्जीवाडे का जाल आधार-लोकसेवा केंद्रों से लेकर मेडिकल कॉलेज तक जाल

भोपाल। मप्र के मेडिकल कालेजों में प्रवेश प्रक्रिया को हिलाकर रख देने वाले नीट फर्जीवाड़ा प्रकरण में चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। पुलिस जांच में पता चला है कि यहां संगठित गिरोह राज्य की आरक्षित सीटों पर प्रदेश के मूल निवासी अभ्यर्थियों का हक छीनकर दूसरे राज्यों को एडमिशन दिलवा रहा है। यानी मप्र के मूल निवासी अभ्यर्थियों के हक पर डाका डाला जा रहा है। नीट में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मेडिकल कालेजों में प्रवेश दिलवाने के घोटाले की जड़ें प्रदेश के आधार और लोकसेवा केंद्रों तक फैली हुई हैं।

पुलिस जांच में साफ हुआ है कि आरोपितों ने प्रदेश के मूल निवासी अभ्यर्थियों को मिलने वाले आरक्षण का लाभ लेने पहले आधार केंद्रों से अपने आधार कार्ड में छेड़छाड़ करवाई। इसमें मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों का पता अपडेट करवाया और फिर उसी आधार कार्ड के जरिये लोक सेवा केंद्रों से वहां का मूल निवासी प्रमाण पत्र बनवा लिया। हालांकि नियम के अनुसार मूल निवासी प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए समग्र आइडी भी जरूरी दस्तावेज होता है, लेकिन आरोपितों ने उसे नहीं बनवाया था। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर कैसे अधूरे दस्तावेजों के जरिये प्रमाण-पत्र बनवाए जाते रहे और दूसरे राज्यों के अयोग्य अभ्यर्थी लाखों रुपये देकर प्रदेश के मेडिकल कालेजों में प्रवेश पाते गए।

लाखों में बिकती थी सीट

मध्यप्रदेश में मेडिकल सीटों का बड़ा हिस्सा डोमिसाइल आधारित आरक्षण पर निर्भर है। यही वजह है कि यह नेटवर्क प्रदेश के मूल निवासी कई प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों की मेहनत और भविष्य पर सीधा प्रहार कर रहा था। इससे न केवल परीक्षा की पारदर्शिता प्रभावित हुई, बल्कि मेडिकल शिक्षा की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े हुए हैं। गिरोह बड़ी सफाई से इन दस्तावेजों को वास्तविक दिखाने के लिए अलग-अलग जिलों के अधिकारियों से जुड़े संपर्क भी खोज लेता था। गिरोह एक सीट का सौदा 25 से 30 लाख रुपये में करता था। जबकि सच में यह प्रदेश के वास्तविक पात्र छात्रों का हक छीनने जैसा था। कोहेफिजा पुलिस ने अब तक आरोपितों को पकड़ा है, उनमें फर्जी दस्तावेज बनाने वाले, मध्यस्थ, अभ्यर्थियों को एडमिशन दिलाने वाले संपर्क, वाहनों और बैंक खातों के माध्यम से सहायता करने वाले लोग शामिल हैं। पुलिस का मानना है कि यह नेटवर्क कई राज्यों में फैला हुआ है और इसमें और भी लोग शामिल हो सकते हैं। जांच टीम डिजिटल ट्रांजैक्शन, बैंक रिकार्ड, मोबाइल लोकेशन और दस्तावेजों की सत्यापन प्रक्रिया खंगाल रही है। आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां संभव हैं।

गिरोह ने अभ्यर्थियों के मूल निवासी प्रमाण-पत्र तैयार कराने के बाद रीवा के मेडिकल कालेज से आरक्षण कोटा से जुड़े अन्य दस्तावेज भी जाली बनवाए थे। इसमें ईडब्ल्यूएस, दिव्यांग और स्वतंत्रता सेनानी के फर्जी प्रमाण-पत्र शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों को कहना है कि गिरोह के सदस्यों ने कालेज से जुड़े कुछ कर्मचारियों की मदद से बिना वास्तविक सत्यापन के ये प्रमाण-पत्र तैयार कराए। भोपाल के गांधी मेडिकल कालेज में प्रवेश लेने वाले बिहार के हिमांशु कुमार और मुंबई की क्रिस्टल डिकोस्टा के फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र यहीं तैयार हुए थे।

भारत और दक्षिण अफ्रीका आज होंगे आमने-सामने

विशाखापत्तनम। भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले तीसरे एकदिवसीय को जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। अभी तक ये सीरीज एक-एक से बराबरी पर है। भारतीय टीम ने पहला जबकि दक्षिण अफ्रीका ने दूसरा मैच जीता था। भारतीय टीम को इस मैच में भी विराट कोहली और रोहित शर्मा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। विराट ने पहले दोनो एकदिवसीय में शतक लगाये थे जबकि रोहित ने पहले एकदिवसीय में अर्धशतकीय पारी खेली थी। भारतीय टीम दूसरे एकदिवसीय में 359 रन बनाने के बाद भी हार गयी थी। ऐसे में उसके गेंदबाजों को इस बार बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम को टॉस हारने से भी नुकसान हुआ ऐसे में टीम की कप्तानी कर के एल राहुल उम्मीद करेंगे कि वह टॉज जीत जायें। मैच के पहले पिच और मौसम की भी अहम भूमिका होगी।

विशाखापत्तनम का मौसम खेल के लिए उपयुक्त होगा जबकि पिच बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए सहायक होगी। यहां पर 300 से अधिक का लक्ष्य अच्छा माना जाएगा। भारत वाशिंगटन सुंदर को विश्राम देकर उनकी जगह तिलक वर्मा को मध्यक्रम की बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए अंतिम एकादश में शामिल करने पर भी गंभीरता से विचार करेगा। ऋषभ पंत भी एक विकल्प हो सकते हैं लेकिन तिलक स्पिन गेंदबाजी भी कर लेते हैं और वह बेहतरीन क्षेत्ररक्षक के भी हैं। भारतीय गेंदबाज भी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। अब भारत को उम्मीद होगी कि उनके युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा अच्छा प्रदर्शन करेंगे और प्रभावशाली अर्शदीप सिंह का पूरा साथ देंगे।

वहीं दूसरी और टेम्बा बावुमा

की कप्तानी वाली दक्षिण अफ्रीका टीम भी जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी । टीम ने दूसरे एकदिवसीय में 359 रनों का रिकार्ड लक्ष्य हासिल किया था। दक्षिण अफीकी के एडेन मार्क्रम, कॉर्बिन बॉश, क्विंटन डी कॉक जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी की कमान लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन, स्पिनर केशव महाराज के पास रहेगी।

विशाखापत्तनम की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी मानी जाती है। यह एक ऐसी सहत है जिसपर खिलाड़ी खुलकर शॉट खेल सकते हैं। हालांकि, गेंदबाजों को भी यहां उछाल मिलता है। बल्लेबाज यहां लंबी पारियां खेल सकते हैं

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत - केएल राहुल (कप्तान/विकेट कीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका - टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़्के, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जॉर्जी, रुबिन हरमन, केशव महाराज, मार्को यानसन, एडेन मार्क्रम, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।

तीसरे एकदिवसीय में भी शतक लगा सकते हैं विराट

विशाखापत्तनम में रहा है शानदार रिकार्ड

विशाखापत्तनम। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार को विशाखापत्तनम में होने वाले तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में भी शतक लगा सकते हैं। कोहली ने सीरीज के पहले दोनों एकदिवसीय में शतक लगाये हैं। ऐसे में अब उनके तीसरे मैच में भी शतक लगाकर हैट्रिक की उम्मीद जतायी जा रही है।

विराट का विशाखापत्तनम के मैदान पर शानदार रिकॉर्ड रहा है। विराट ने इस सीरीज की शुरुआत से ही अच्छी बल्लेबाजी की है। रांची में खेले गए पहले एकदिवसीय में उन्होंने शतक लगाया था। तब उन्होंने 120 गेंद पर 135 रन रन बनाये थे। इसके बाद रायपुर में खेले गए दूसरे एकदिवसीय में विराट ने 93 गेंद पर 102 रन की पारी खेली। ऐसे में माना जा रहा है कि वह शानदार लय में हैं और शनिवार को खेले जाने वाले तीसरे मैच में भी बड़ी पारी खेल सकते हैं। गौरतलब है कि पविराट का नाम विशाखापत्तनम में सबसे ज्यादा रन और शतक बनाने वाले बल्लेबाज है। पिछले आंकड़ों को देखें तो विराट ने साल 2011 से साल 2023 के बीच यहां खेले 7 एकदिवसीय मैचों में 3 शतक और 2 अर्धशतक लगाते हुए 587 रन बनाए हैं। वहीं साल 2011 से 2023 के बीच यहां खेले 7 एकदिवसीय मैचों में 3 शतक और 2 अर्धशतक लगाते हुए 587 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 97.83 रन का है।

तीसरे एकदिवसीय में भी शतक लगा सकते हैं विराट

विशाखापत्तनम। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार को विशाखापत्तनम में होने वाले तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में भी शतक लगा सकते हैं। कोहली ने सीरीज के पहले दोनों एकदिवसीय में शतक लगाये हैं। ऐसे में अब उनके तीसरे मैच में भी शतक लगाकर हैट्रिक की उम्मीद जतायी जा रही है।

विराट का विशाखापत्तनम के मैदान पर शानदार रिकॉर्ड रहा है। विराट ने इस सीरीज की शुरुआत से ही अच्छी बल्लेबाजी की है। रांची में खेले गए पहले एकदिवसीय में उन्होंने शतक लगाया था। तब उन्होंने 120 गेंद पर 135 रन रन बनाये थे। इसके बाद रायपुर में खेले गए दूसरे एकदिवसीय में विराट ने 93 गेंद पर 102 रन की पारी खेली। ऐसे में माना जा रहा है कि वह शानदार लय में हैं और शनिवार को खेले जाने वाले तीसरे मैच में भी बड़ी पारी खेल सकते हैं। गौरतलब है कि पविराट का नाम विशाखापत्तनम में सबसे ज्यादा रन और शतक बनाने वाले बल्लेबाज है। पिछले आंकड़ों को देखें तो विराट ने साल 2011 से साल 2023 के बीच यहां खेले 7 एकदिवसीय मैचों में 3 शतक और 2 अर्धशतक लगाते हुए 587 रन बनाए हैं। वहीं साल 2011 से 2023 के बीच यहां खेले 7 एकदिवसीय मैचों में 3 शतक और 2 अर्धशतक लगाते हुए 587 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 97.83 रन का है।

सिराज को टीम से बाहर रखे जाने पर आकाश चोपड़ा ने सवाल उठाये

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटार आकाश चोपड़ा ने कहा है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को एक ही प्रारुप पर सीमित रखना सही नहीं है। चोपड़ा के अनसार उन्हें एकदिवसीय प्रारुप में भी रखा जाना चाहिये। उनकी कमी टीम को खल रही है। भारतीय टीम की गेंदबाजी एकदिवसीय सीरीज में उम्मीद के अनुसार नहीं रही है। टीम दूसरे एकदिवसीय में 359 रनों के भी लक्ष्य का बचाव नहीं कर पायी। इसी को देखते हुए चोपड़ा ने सिराज को सिर्फ टेस्ट में ही उतरने पर सवाल उठाये हैं उन्होंने कहा कि उन्हें ये बिल्कुल समझ में नहीं आ रहा। सिराज को एक ही प्रारुप का खिलाड़ी क्यों बनाया जा रहा है।

चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर कहा, 'ये सिराज के साथ क्या हो रहा है, ये आपको समझ में आ रहा है? मेरी समझ में तो बिल्कुल नहीं आ रहा है। मुझे ये बिल्कुल भी समझ नहीं आ रहा कि वह एक प्रारुप का खिलाड़ी कैसे बन गया हैं। वैसे ये हुआ कब? क्योंकि जब वह टेस्ट क्रिकेट खेलता है तो हम सब उनकी तारीफ करते हैं। हम उसके जज्बे और जुनून की

तारीफ करते है!'

उन्होंने साथ ही कहा, 'वह विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं पर अचानक ही एकदिवसीय टीम से क्यों बाहर रखे गये हैं ये समझ से परे है? इस समय वह घरेलू क्रिकेट खेल रहा है पर एकदिवसीय का हिस्सा नहीं हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में भी उसे शामिल नहीं किया गया था हालांकि उसने एकदिवसीय प्रारुप में भी काफी विकेट लिए हैं। ये हैरानी की बात है कि अन्य सभी खेल रहे हैं पर सिराज को अवसर नहीं मिला है, इसके पीछे क्या कहानी है ये मुझे समझ नहीं आई है।

सिराज ने अब तक 47 एकदिवसीय मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 73 विकेट हैं। एकदिवसीय में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 21 रन देकर 6 विकेट हैं। उन्होंने अब तक केवल 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 14 विकेट दर्ज हैं। वहीं 45 टेस्ट में उनके नाम 139 विकेट दर्ज हैं।

2027 विश्वकप तक अपना करियर बढ़ा सकते हैं विराट और रोहित - साउदी

शारजाह। न्यूजीलैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज टिम साउदी ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि ये दोनो ही फिट हैं और 2027 विश्वकप तक खेल सकते है। साउदी के अनुसार उम्र इनके लिए बाधा नहीं बन सकती क्योंकि दोनो ही लय में हैं और रन बना रहे हैं। साथ ही कहा कि अगर दोनो इसी प्रकार खेलते रहे तो अपने करियर को विश्वकप तक खींच सकते हैं। दोनो ने ही टी20 और टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया है और अब एकदिवसीय पर ही ध्यान दे रहे हैं। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातकर दो मैचों में शतक लगाये हैं जबकि वहीं रोहित ने भी पिछले तीन मैचों में एक शतक और एक अर्धशतक के साथ ही दिखाया है कि उनमें अभी काफी क्रिकेट शेष है।

साउदी ने आईएलटी20 के चौथे सत्र के अवसर पर कहा, 'कोहली शायद अब तक के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज हैं और अगर वह 37 साल की उम्र में भी प्रदर्शन कर रहे हैं तो क्यों नहीं।' उन्होंने कहा, '37 के रोहित ने भी हाल में ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाया था तो वे दोनों अब भी प्रदर्शन कर रहे हैं। जब तक वे टीम के लिए योगदान दे रहे हैं, जहां तक मेरा माना है कि उम्र केवल एक संख्या है।' 2027 विश्व कप में दोनों बल्लेबाज लगभग 39 साल के होंगे इसलिए उनके भविष्य को लेकर चर्चा लगातार जारी है। साउदी ने कहा, 'ये उनका फैसला है। अगर उन्हें लगता है कि वे अब भी उच्चतम स्तर पर खेल सकते हैं तो क्यों नहीं।' उन्होंने कहा, 'जैसा मैंने कहा कि आपके पास विराट कोहली हैं जो शायद अब तक के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज हैं और अगर वह विश्व कप के लिए उपलब्ध हैं तो मुझे लगता है कि टीम उन्हें खेलते देखना चाहेगी।' भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 25 वर्षों में पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान भी टीम को रोहित और विराट की कमी खली। साउदी ने हालांकि भारत की हार को अधिक गंभीर रूप में नहीं लिया। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। अब वे फिर से टीम बनाने के चरण में हैं। जब हम वहां गए थे तब उनके पास बहुत अनुभव वाली टीम थी।' उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन जब आप रोहित, अश्विन और आर अश्विन को हटा देते हैं, तो प्रभाव पड़ना ही है।'

मेरे लिए बुमराह का सामना सबसे कठिन रहा - रसेल

मुम्बई। वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने कहा है उनके लिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का सामना करना सबसे कठिन रहा है। रसेल ने इसी सप्ताह आईपीएल से संन्यास की घोषणा की थी। वह कोलकाता नाइटराइडस (केकेआर) की ओर से खेलते थे। रसेल के अनुसार उन्हें सबसे अधिक बार मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज बुमराह ने ही आउट किया है। इसी कारण जब वह बल्लेबाजी के लिए उतरते थे तो मुम्बई बुमराह को गेंदबाजी दे देती थी।

आईपीएल के 14 सत्र खेलने वाले वर्षीय रसेल ने कहा कि बुमराह के खिलाफ बल्लेबाजी करना उनके लिए हमेशा ही चुनौतीपूर्ण रहा है। रसेल ने कहा, आईपीएल में मेरे सामने आने वाले सबसे कठिन गेंदबाज़ बुमराह हैं। उन्होंने मुझे कई बार आउट किया है हालांकि कई बार मैं भी उनके खिलाफ शॉट खेल पाया हूं। मुझे ऐसी चुनौतियाँ पसंद हैं। वह विश्व के सबसे बेहतरीन टी20 गेंदबाज़ों में से एक हैं। बुमराह ने रसेल का आईपीएल में 4 बार विकेट लिया है।

मुश्ताक अली ट्रॉफी - शमी ने घातक गेंदबाजी कर भारतीय टीम में वापसी के लिए दावा किया

नई दिल्ली । अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की घातक गेंदबाजी से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के ग्रुप सी मैच में सेना को सात विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही शमी ने भारतीय टीम में वापसी का अपना दावा मजबूत कर लिया। बंगाल की इस जीत में शमी की अहम भूमिका रही। शमी ने 13 रन पर चार विकेट लेकर सेना की बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। कप्तान अभिमुन्यू ईश्वरन की टीम बंगाल ने पांच मैच में चौथा मुकाबला जीता है। बंगाल टीम 16 अंक के साथ अंक तालिका में नंबर एक स्थान पर है। टीम ने इसके साथ ही नॉकआउट में जगह बनाने की दावेदारी पक्की कर ली है। बल्लेबाजी की बात करें तो ईश्वरन ने 58 रन जबकि अभिषेक पोरेल ने 56 रन बनाये। इससे बंगाल ने जीत के लिए मिले 166 रनों के लक्ष्य को 5.1 ओवर में ही प्राप्त कर लिया। शमी के अलावा बंगाल की ओर से आकाशदीप ने 27 रन देकर तीन विकेट लिए। वहीं इससे पले सेना की टीम 18.2 ओवर में 165 रनों पर ही सिमट गयी। उसकी ओर

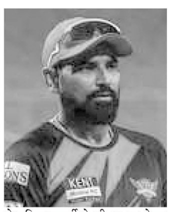

से ऋतिक चटर्जी ने भी 32 रन देकर दो विकेट लिए।

वहीं एक अन्य मैच में बड़ौदा के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने चार ओवर में 16 रन देकर एक विकेट हासिल किया। वहीं उनकी टीम बड़ौदा ने गुजरात को आसानी से आठ विकेट से हराया दिया। गुजरात की टीम ने जहां पहले बल्लेबाजी करते हुए 14.1 ओवर में केवल 73 रन बनाये। वहीं बड़ौदा ने ये लक्ष्य केवल 6.4 ओवर में ही दो विकेट खोकर 74 रन बनाकर हासिल कर लिया।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अभ्यास में लगी है दीपिका

नई दिल्ली। देश की शीर्ष महिला तीरंदाज तीरंदाज दीपिका कुमारी ने कहा है कि उनका लक्ष्य आगामी लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करना है। दीपिका ने कहा कि वह इसी को देखते हुए दबाव वाले हालातों से निपटने के लिए मानसिक मजबूती बढ़ाने पर ध्यान दे रही हैं। चार बार की ओलंपियन दीपिका के अनुसार लॉस एंजिलिस ओलंपिक में उनके लिए पदक जीतने का अंतिम अवसर होगा। ऐसे में वह अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखेंगी। इसी वह इस बार नहीं तो अभी नहीं की मानसिकता के साथ उतरेंगी।

दीपिका ने कहा कि अभी निकट भविष्य में उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है अब तक की सभी प्रतियोगिताओं से मुझे अच्छा अनुभव मिला है। दीपिका ने बताया कि उनकी वर्तमान ट्रेनिंग में मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं को बेहतर करने पर काम हो रहा है। इस तीरंदाज ने कहा, 'मैं अपने खेल के मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं पर काम कर रही हूं और यह प्रीमियर लीग मुझे और बेहतर बनाने में मदद कर रही है। दर्शकों के सामने खेलने से दबाव तो आता है, लेकिन यही दबाव खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करता है। उन्होंने कहा, 'मैं हर तकनीक में महारत हासिल करने की कोशिश कर रही हूं, जिससे दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन किया जा सके।

रूट के शतक से हेडन का सपना पूरा हुआ

बिना कपड़ों के स्टेडियम में दौड़ने से बचे

ब्रिसबेन। यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज के दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट ने शतक लगाने के साथ ही अपने करियर का 40 वां शतक लगाया। ये रुट का ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पहला शतक है। पहले टेस्ट में वह खाता भी नहीं खोल पाये थे। रुट के इस शतक से ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन को भी राहत मिली है, उनका रुट को ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाते देखने का सपना पूरा हुआ है। हेडन पिछले काफी समय से रुट के शतक के लिए प्रार्थना कर रहे थे। रुट को शतक लगाते हुए देखकर हेडन झूम उठे। उन्होंने कहा था कि अगर जो रूट इस एशेज सीरीज में शतक नहीं लगा पाते हैं तो वह मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में कपड़ों के बिना ही नग्न होकर दौड़ेंगे।रूट ने अपना ये शतक पहले ही दिन लगा दिया। उन्होंने स्कॉट बोलैंड की गेंद पर चौका लगाकर अपना पहला टेस्ट शतक पूरा किया। उसके बाद गाबा में मौजूद इंग्लैंड के प्रशंसक अति

उत्साहित नजर आये। रूट के शतक पर खुशी जताते हुए हेडन ने कहा, ग्रेट डे जो। आपको बधाई। मुझसे ज्यादा ये किसी के लिए मायने नहीं रखता। 10 अर्धशतक और आखिरकार ये एक शतक। शानदार।

रुट के इस शतक नाबाद 138 रनों की सहायता से इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 334 रन बनाये। रूट के अलावा जैक क्रॉली ने 76 रन बनाये। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओ से मिचेल स्टार्क ने 6 विकेट जबकि माइकल नेसर, स्कॉट बोलैंड और ब्रेंडन डॉजेट ने 1-1 विकेट लिया।

मेरे लिए बुमराह का सामना सबसे कठिन रहा - रसेल

मुम्बई । वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने कहा है उनके लिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का सामना करना सबसे कठिन रहा है। रसेल ने इसी सप्ताह आईपीएल से संन्यास की घोषणा की थी। वह कोलकाता नाइटराइडस (केकेआर) की ओर से खेलते थे। रसेल के अनुसार उन्हें सबसे अधिक बार मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज बुमराह ने ही आउट किया है। इसी कारण जब वह बल्लेबाजी के लिए उतरते थे तो मुम्बई बुमराह को गेंदबाजी दे देती थी।

आईपीएल के 14 सत्र खेलने वाले वर्षीय रसेल ने कहा कि बुमराह के खिलाफ बल्लेबाजी करना उनके लिए हमेशा ही चुनौतीपूर्ण रहा है। रसेल ने कहा, आईपीएल में मेरे सामने आने वाले सबसे कठिन गेंदबाज़ बुमराह हैं। उन्होंने मुझे कई बार आउट किया है हालांकि कई बार मैं भी उनके खिलाफ शॉट खेल पाया हूं। मुझे ऐसी चुनौतियाँ पसंद हैं। वह विश्व के सबसे बेहतरीन टी20 गेंदबाज़ों में से एक हैं। बुमराह ने रसेल का आईपीएल में 4 बार विकेट लिया है। बुमराह ने रसेल को चार बार आउट किया है। रसेल ने बताया कि उन्हें आईपीएल में सबसे ज्यादा मुकाबला मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलने में मज़ा आता था। उन्होंने कहा मैं ज्यादातर टीमों के खिलाफ खेलना पसंद करता हूं, पर मुम्बई के खिलाफ हमेशा रोमांचक मुकाबला होता है। चाहे वे कोलकाता आएं या हम वानखेड़े जाएं। उनके खिलाफ खेलना एक अलग ही रिंग में उतरने जैसा होता है। रसेल ने 16 पारियों में कुल 260 रन बनाये हैं। उनका औसत 18.57 व स्ट्राइक रेट 148.57 रहा है।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अभ्यास में लगी है दीपिका

नई दिल्ली। देश की शीर्ष महिला तीरंदाज तीरंदाज दीपिका कुमारी ने कहा है कि उनका लक्ष्य आगामी लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करना है। दीपिका ने कहा कि वह इसी को देखते हुए दबाव वाले हालातों से निपटने के लिए मानसिक मजबूती बढ़ाने पर ध्यान दे रही हैं। चार बार की ओलंपियन दीपिका के अनुसार लॉस एंजिलिस ओलंपिक में उनके लिए पदक जीतने का अंतिम अवसर होगा। ऐसे में वह अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखेंगी। इसी वह इस बार नहीं तो अभी नहीं की मानसिकता के साथ उतरेंगी।

दीपिका ने कहा कि अभी निकट भविष्य में उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है अब तक की सभी प्रतियोगिताओं से मुझे अच्छा अनुभव मिला है। दीपिका ने बताया कि उनकी वर्तमान ट्रेनिंग में मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं को बेहतर करने पर काम हो रहा है। इस तीरंदाज ने कहा, 'मैं अपने खेल के मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं पर काम कर रही हूं और यह प्रीमियर लीग मुझे और बेहतर बनाने में मदद कर रही है। दर्शकों के सामने खेलने से दबाव तो आता है, लेकिन यही दबाव खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करता है।

सिराज को टीम से बाहर रखे जाने पर आकाश चोपड़ा ने सवाल उठाये

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटार आकाश चोपड़ा ने कहा है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को एक ही प्रारुप पर सीमित रखना सही नहीं है। चोपड़ा के अनसार उन्हें एकदिवसीय प्रारुप में भी रखा जाना चाहिये। उनकी कमी टीम को खल रही है। भारतीय टीम की गेंदबाजी एकदिवसीय सीरीज में उम्मीद के अनुसार नहीं रही है। टीम दूसरे एकदिवसीय में 359 रनों के भी लक्ष्य का बचाव नहीं कर पायी। इसी को देखते हुए चोपड़ा ने सिराज को सिर्फ टेस्ट में ही उतरने पर सवाल उठाये हैं उन्होंने कहा कि उन्हें ये बिल्कुल समझ में नहीं आ रहा। सिराज को एक ही प्रारुप का खिलाड़ी क्यों बनाया जा रहा है।

चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर कहा, 'ये सिराज के साथ क्या हो रहा है, ये आपको समझ में आ रहा है? मेरी समझ में तो बिल्कुल नहीं आ रहा है। मुझे ये बिल्कुल भी समझ नहीं आ रहा कि वह एक प्रारुप का खिलाड़ी कैसे बन गया हैं। वैसे ये हुआ कब? क्योंकि जब वह टेस्ट क्रिकेट खेलता है तो हम सब उनकी तारीफ करते हैं। हम उसके जज्बे और जुनून की तारीफ करते है!'

उन्होंने साथ ही कहा, 'वह विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं पर अचानक ही एकदिवसीय टीम से क्यों बाहर रखे गये हैं ये समझ से परे है? इस समय वह घरेलू क्रिकेट खेल रहा है पर एकदिवसीय का हिस्सा नहीं हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में भी उसे शामिल नहीं किया गया था हालांकि उसने एकदिवसीय प्रारुप में भी काफी विकेट लिए हैं। ये हैरानी की बात है कि अन्य सभी खेल रहे हैं पर सिराज को अवसर नहीं मिला है, इसके पीछे क्या कहानी है ये मुझे समझ नहीं आई है।

सिराज ने अब तक 47 एकदिवसीय मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 73 विकेट हैं। एकदिवसीय में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 21 रन देकर 6 विकेट हैं। उन्होंने अब तक केवल 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 14 विकेट दर्ज हैं। वहीं 45 टेस्ट में उनके नाम 139 विकेट दर्ज हैं।

सरकारी डिपो में बांस नहीं मिलने से परेशानी, मंहगे दाम में खरीदना पड़ रहा बांस

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। साहब पापी पेट का सवाल है। यह हमारा पुश्तैनी काम है। इसी के भरोसे हमारे परिवार का पालन पोषण होता है। सरकार का नियम है कि एक पट्टाधारक को वर्ष भर में 15 सौ बांस मिलना चाहिए लेकिन इतनी संख्या में बांस मिलना तो दूर, हमें जो बांस मिलता है उसका आकार एक गन्ने की तरह होता है। जिससे दो टोकरी भी नहीं बन पाती है। जितनी संख्या में बांस दिया जाता है वह एक पट्टाधारक के लिए ऊंट के मुंह में जीरे के समान होती है। हमारे हिस्से का अच्छी क्वालिटी का बांस नीलामी प्रक्रिया में ठेकेदार को बेच दिया जाता है। यह आरोप बालाघाट जिले के कटंगी तहसील क्षेत्र के ग्राम वरूड और सिरपुर के बंसोड़ समाज के लोगों का है। बांस की सामग्री बनाने का पुश्तैनी कार्य करने वाले बंसोड़ समाज के लोग बांस से टोकरी, सूपा सहित अन्य वस्तुएं बनाकर अपने परिवार का गुजर-बसर करते है। जो इन दिनों एक बार फिर से आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे है। आर्थिक तंगी की वजह कामकाज का ठप्प हो जाना है। बिना बांस के इनका पुश्तैनी काम करना मुश्किल है। सरकार से रियायती दर पर बांस न मिलने से बंसोड़ समाज के लोग ऊंचे दर पर बांस खरीदने और इससे निर्मित सामग्री सस्ते दर पर बेचने के लिए मजबूर हैं। दरअसल, जंगल में बांस की कटाई का काम शुरू हो चुका है किंतु बंसोड समाज को अब तक बांस नहीं मिल पाया है। बंसोड़ समाज के लोगों ने बताया कि सिरपुर डिपो में बांस नहीं आया है। बंसोड़ समाज ने बीते दिनों बांस की मांग को लेकर वारासिवनी कार्यालय

पहुंचकर एक ज्ञापन सौंपकर शीघ्र बांस प्रदान करने की मांग रखी परंतु विभाग के अफसरों के कानों में अब तक जूं नहीं रेंगी। बांस नहीं मिलने से बंसोड़ समाज की आर्थिक हालत पर क्या असर पड़ा है इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अब इस समाज के लोग सरकारी अनाज, महिलाएं लाडली बहना स्कीम की राशि और वृद्ध वृद्धा पेंशन की राह ताकते रहते है। वहीं बांस डिपो में बांस नहीं मिलने से गांव के कुछ लोग जंगल में बांस की चोरी करने जा रहे है। अब आसान भाषा में कहें तो पेट की भूख और पुश्तैनी रोजगार ग्रामीणों को चोर बना रहा है।

किसानों से खरीद रहे बांस-

सरकारी डिपो से बांस नहीं मिलने के कारण बंसोड़ समाज के लोग अपना पेट पालने और रोजगार को बरकरार रखने के लिए किसानों से मंहगें दाम में बांस खरीद रहे है। बंसोड़ समाज के पट्टाधारक को डिपो से जो बांस 10 रुपए का मिलता है। वहीं बांस किसानों से 120 रुपए में खरीदना पड़ रहा है। इससे बनने वाली सामग्री को बेचने पर दिन भर की मजदूरी तक नहीं निकल पाती। बंसोड़ समाज के सिरपुर निवासी संतोष रखेले ने बताया कि यह काम करना उनकी मजबूरी भी बन गई है। वह दूसरा काम करना नहीं जानते। अगर, यह काम नहीं करेगें तो फिर मजदूरी करने के लिए जाना पड़ेगा। अभी पूरा परिवार इस काम में लगा होता है तो जैसे-तैसे गुजारा चल जाता है। मगर परिवार का हर सदस्य मजदूरी करने के लिए नहीं जा सकता। बंसोड़ समाज की महिला नीला करहानी ने बताया कि टोकरी, सूपा जैसी वस्तुओं को बनाने के लिए गीले बांस की आवश्यकता पड़ती है। गीले बांस को सहीं आकर देकर नहीं सामग्री बन पाती है। वन विभाग भी इस बात से भलीभांति वाफिक है फिर भी जानबूझकर समय पर बांस नहीं दिया जाता और जब बांस सूखने लगता है तो निम्न क्वालिटी का बांस दिया जाता है।

जंगल से हो रही बांस की चोरी-

वन विभाग समय पर बांस नहीं दे रहा है तो बंसोड़ समाज के लोग किसानों से लेकर चोरों से महंगें दामों में बांस खरीदने के लिए मजबूर है। किसान 120 रुपए में बांस बेच रहे है तो जंगल से बांस की चोरी करने वाले चोर 80 से 100 रुपए की कीमत में बांस बेच रहे है। बंसोड़ समाज को अपना रोजगार चलाने के लिए चोरी का बांस खरीदना पड़ता है। बता दें कि वरूड़ और सिरपुर गांव में अब केवल बंसोड़ समाज के लोग ही बांस की वस्तुएं बनाने का काम नहीं कर रहे बल्कि गांव के अन्य समाज के लोगों ने भी इसे अपना पारपंरिक व्यवसाय बना लिया है। इन परिवारों की रोजी रोटी बांस से उपयोगी वस्तुएं बनाने व बिक्री करने से आती है। इनकी स्थिति रोज कमाने-रोज खाने जैसी है और आज कल सरकारी रियायत के बांस न मिलने से इनके सामने जीविकोपार्जन का संकट पैदा हो गया है।

बाल विवाह मुक्त शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती दीपमाला मंगोदिया के निर्देशन में वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री रचना चौधरी द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के 100 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भरवेली, शासकीय विद्यालय आंवलाझरी, पी.एम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पलेरा में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं को बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी गई।

इस दौरान बताया गया कि बाल विवाह कराना, करवाना, सहयोग देना या उसमें शामिल होना दंडनीय अपराध है। इसके लिए 02 वर्ष तक का कारावास एवं 01 लाख रुपए तक के अर्थदंड का प्रावधान है। अधिनियम में विवाह निरस्तीकरण, भरण-पोषण तथा अभिभावकों की जिम्मेदारी से संबंधित स्पष्ट नियम मौजूद है। छात्रछात्राओं को यह भी बताया गया कि संदेह या सूचना मिलते ही बाल विवाह की शिकायत 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन, निकटतम थाना, जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति अथवा वन स्टॉप सेंटर पर की जा सकती है। कार्यशाला के संचालन में वन स्टॉप सेंटर की केस वर्कर यनिता रहांगडाले एवं गायत्री स्वामी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसके अतिरिक्त विद्यालय एवं कॉलेज के प्राचार्य, समस्त शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की।

कटंगी में 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। नगर के सरकारी अस्पताल मैदान में जारी 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का शुक्रवार की शाम 04 बजे महाप्रसाद वितरण के साथ समापन हो गया। आज अंतिम दिन सुबह 8 से देव आवाहन पूजन, दोपहर में गायत्री महायज्ञ में पूर्णाहुति और गुरु दीक्षा, विभिन्न संस्कार जैसे पुंसवन, नामकरण, मुंडन, विद्याराम संपन्न हुए। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में 02 दिसंबर को कलश यात्रा के साथ कार्यक्रम का श्री गणेश हुआ। जिसमें शांतिकुंज हरिद्वार से आई टोली के 'टोली नायक सूरत सिंह अमृते और बनवारी लाल सैनी, सोमार साहे, नीरज विश्वकर्मा, मनीष साहू के सानिध्य में प्रारंभ हुए 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं श्रीमद् प्रज्ञा पुराण कथा के आखिरी दिन 5 दिसंबर को पूर्ण आहुति के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, चार दिनों तक चले धार्मिक आयोजन में श्रीमद्भागवत प्रज्ञा पुराण कथा गुरु दीक्षा संस्कार सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित हुए। जिसमें 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ की तीन पारी बच्चों का विद्याराम संस्कार, गुरु दीक्षा संस्कार के साथ ही लोगों से नशा छोड़ने की अपील की गई लोगों ने बड़ी संख्या मे नशा छोड़ा, कथा व्यास ने पूर्ण आहुति में बताया कि संसार में विज्ञान ने शोध किया है यह विज्ञान का ही चमत्कार

है। बुद्धि का विकास करके मनुष्य ने अपनी जीवन यात्रा गुफा से कुटिया से झोपड़ी बनाकर गांव बसाऐ बड़े-बड़े मकान बने स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, महंगी गाड़ियां का आविष्कार हुआ। सब विज्ञान का चमत्कार रहा, फिर भी व्यक्ति के जीवन में सुख शांति नहीं है चारों तरफ परेशानी ही परेशानी है ऐसी स्थिति में समाधान क्या होगा मन की शांति के लिए, वेद शास्त्रों में यज्ञ को अस्पताल बनाने से ज्यादा जरूरी कहा है। यज्ञ संसार का सर्वश्रेष्ठ कर्म है, यज्ञ कामनाओं को पूर्ण करने वाला है, अथर्व वेद में कहा है, यज्ञ करता स्वर्ग के सुख को प्राप्त करते हैं। स्वर्ग की अभिलाषा रखने वाले व्यक्ति यज्ञ जरूर करें, यज्ञ से वर्षा होती है गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं यह तेरा शरीर यज्ञ जैसे शुभ कर्म के लिए है। स्वर्ग और सुसंस्कारी पुत्र की कामना करने वाले व्यक्ति यज्ञ करें, यज्ञ का प्रचार करने वाले, बाल्मीकि रामायण में कहा है यज्ञ करने वाले व्यक्ति के शत्रु भी मित्र बन जाते हैं, यज्ञ करने वाले की अकाल मृत्यु नहीं होती है, उसको महाबली भी नहीं मार सकता इसलिए हम सब यज्ञ की रक्षा करें, धर्म के पथिकों यज्ञ ही तुम्हें बढ़ाने वाला है ,वेद कहता है हमें संपूर्ण आयु यज्ञ के लिए देना चाहिए है, यज्ञ भगवान कहते हैं तुम मुझे दो मैं तुम्हें देता हूं यज्ञ भगवान हमें क्या देते हैं, सुख देते हैं शांति देते हैं परजन्य की वर्षा देते हैं आनंद देते हैं ।चार दिनों तक चल रहे धार्मिक कार्यक्रम को लेकर गायत्री परिवार के लोगों में बहुत अच्छा उत्साह देखने को मिला अखंड ज्योति का प्राकट्य एवं माता भगवती देवी जनशताब्दी वर्ष के पावन अवसर पर सप्ताह में एक दिन की समूह साधना के विषय में भाइयों को बहनों को बताया गया जो सभी भाइयों ने बहनों ने संकल्प लिया। समापन के पश्चात भंडारा में सभी भाइयों बहनों ने भोजन किया। टोली की विदाई के साथ कार्यक्रम का समापन हो गया।

जिला अस्पताल और अन्य चिकित्सालयों का किया गया आकस्मिक निरीक्षण

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान दिल्ली से डॉ. खडसे एवं डॉ पारुलकर द्वारा 05 दिसम्बर को जिला अस्पताल बालाघाट, सिविल अस्पताल लांजी एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भानेगांव का निरिक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में हर्बल गार्डन, रेन वाटर हारवेस्टिंग, बीएमडब्लू वेस्टेज एवं ऊर्जा संरक्षण के लिए सोलर पेनल की स्थिति का जायजा लिया। इस भ्रमण कार्यक्रम में डॉ अक्षय उपराडे ब्लाक मेडिकल आफिसर लांजी, डॉ प्रशांत पाटिल मेडिकल आफिसर भानेगांव, जिला कार्यालय से अनूप देशमुख, कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं अस्पताल के स्टॉफ की उपस्थिति रही ।

खैरलांजी में समाधान योजना के प्रचार प्रसार के लिए जागरूकता रैली का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी वितरण केन्द्र अंतर्गत समाधान योजना के प्रचार प्रसार के लिए 05 दिसम्बर को जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली वितरण केन्द्र खैरलांजी से सुबह 11 बजे निकाली गयी, जिसे संभाग वारासिवनी के कार्यपालन अभियंता महोदय बी.एल. भैना, सहायक अभियंता राहुल तुरकर एवं वितरण केन्द्र के प्रभारी सुशील कुमार मर्सकोले ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रैली में सभी मुख्यालय के तकनीकी एवं कार्यालयीन कर्मचारी भी दो पहिया वाहन से प्रचार सामग्री लेकर शामिल हुये।

यह रैली समाधान योजना के फायदे, वि-मित्र योजना के लाभ एवं सौर उर्जा से आत्मनिर्भरता जैसे मध्यप्रदेश सरकार के उर्जा विभाग द्वारा जनहित में जनउपयोगी योजना के बेनर, पोस्टर, प्रचार वाहन से सुसज्जित थी। रैली खैरलांजी से प्रारम्भ होकर ग्राम खैरी, सावरी, टेमनी, भौरगढ, कुम्हली, मोवाड, डोगरया, चिचोली, शंकर पिपरिया, फुलचुर, कटोरी, भण्डारबोडी, कचेखनी, सालेटेका होते हुये कार्यालय वितरण केन्द्र खैरलांजी में दोपहर 2 बजे समाप्त हुई।

तेजस्वनी महिलाओं के साहस, संगठित प्रयास और आजीविका मिशन ने बदली जिंदगी

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिले के वारासिवनी में महिलाओं का एक समूह तेजस्वनी क्षेत्र स्तरीय महिला मंडल (एएलएफ) आज सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सामूहिक शक्ति का मजबूत उदाहरण बन चुका है। लगभग 110 महिलाओं का यह समूह कभी सामाजिक-आर्थिक कठिनाइयों से जूझता था। कई परिवार कच्चे मकानों में रहते थे, आर्थिक रूप से कमजोर थे और निर्णय लेने की स्थिति में भी नहीं थे। लेकिन राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (ह्लस्र्) से जुड़ने के बाद इन महिलाओं की जिंदगी ने नई दिशा पकड़ी। नगरपालिका परिषद वारासिवनी की टीम, सामुदायिक संगठक और सिटी मिशन मैनेजर ने उन्हें यह समझाया कि स्व-सहायता समूह (स।त्र) और ्स्न से जुड़कर वे न केवल बचत कर सकती हैं बल्कि अपना व्यवसाय शुरू करने का सपना भी साकार कर सकती हैं।

महिलाओं ने जब अपने पहले बैंक लिंकेज ऋण के लिए आवेदन किया, तो यह उनके जीवन का एक बड़ा निर्णय था। लगभग 7-15 दिनों में पहला ऋण स्वीकृत हुआ और इसी राशि से शुभ साड़ी सेंटर की शुरुआत की गई। यहीं से उनकी उद्यमिता यात्रा शुरू हुई। जल्द ही नगर पालिका परिषद वारासिवनी के सहयोग से बालाघाट जिले का पहला जन आजीविका केंद्र बस स्टैंड वारासिवनी में खोला गया, जहाँ स्थानीय व जैविक उत्पाद, समूह द्वारा निर्मित सामग्री का सफलतापूर्वक विक्रय शुरू हुआ। वहीं दूसरा कदम कौशल विकास और तकनीक की ओर दूसरा बैंक लिंकेज केवल 7 दिनों में मिल गया। इस राशि का उपयोग कर्स्न ने सिलाई प्रशिक्षण केंद्र, ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण केंद्र की शुरुआत की। महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की यह पहल एक बड़े बदलाव का आधार बनी। दुग्ध उत्पादन से जैविक उत्पादों तक्स्न ने अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाते हुए देसी गायों पर आधारित डेयरी यूनिट भी शुरू की। यहाँ 100 प्रतिशत शुद्ध देसी गाय का दूध, दूध से बने उत्पाद, गोमय आधारित पूजन सामग्री, वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन व विक्रय किया जा रहा है। गौशाला की स्थापना ने न केवल आर्थिक उन्नति दी बल्कि पर्यावरण, जैविक कृषि और परंपरागत उत्पादों के संवर्धन को भी बढ़ावा दिया।

तेजस्वनी ्स्न की सफलता के पीछे कई महत्वपूर्ण योगदान रहे है, जिसमें नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग का मार्गदर्शन, वारासिवनी नगर पालिका के गरीबी उपशमन विभाग द्वारा सतत सहयोग, लीड बैंक मैनेजर एवं बैंक अधिकारियों का समर्थन, समूह की महिलाओं की सक्रिय भूमिका, जनप्रतिनिधियों का निरंतर सहयोग इत्यादि। तेजस्वनी ्स्न ने संघर्षों का सामना करते हुए एक लंबी यात्रा तय की है। कभी पूंजी के अभाव में परेशान रहने वाली महिलाएं आज अपना व्यवसाय चला रही हैं, स्थानीय उत्पादों को बाजार दे रही हैं, अन्य महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण दे रही हैं, डेयरी और जैविक उत्पादों से नियमित आय अर्जित कर रही हैं, यह सफलता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और आत्मविश्वास की जीत है।

तेजस्वनी ्स्न का संदेश है कि हम महिलाओं के उत्थान, स्व-रोजगार स्थापना और सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का

जल जीवन मिशन से खोड़सिवनी गांव में आयी खुशहाली

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2019 में आरंभ किए गए जल जीवन मिशन का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक घर तक पाइपलाइन के माध्यम से स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल पहुंचाना है। 'हर घर जल' के संकल्प के साथ यह मिशन ग्रामीण जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं को सुदृढ़ बनाते हुए लोगों के जीवनस्तर में बड़ा परिवर्तन ला रहा है।

सतपुड़ा की पहाड़ियों में बसा बालाघाट जिला प्राकृतिक रूप से समृद्ध क्षेत्र है। विस्तृत वन संपदा, विविध जनजातीय एवं जातीय समुदायों का निवास इस क्षेत्र की विशिष्ट पहचान है। लेकिन लंबे समय तक यहां के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट बना रहा।

इसी संकट से जूझता था ग्राम खोड़सिवनी, जो बालाघाट मुख्यालय से लगभग 16 किलोमीटर दूर स्थित है और जहां की जनसंख्या लगभग 3420 है। गांव में

पेयजल का प्रमुख स्रोत वर्षों कुएं, हैंडपंप और तालाब रहे। गर्मी के मौसम में जलस्तर गिरने से हैंडपंप प्रायः सूख जाते थे, जिससे महिलाओं को पानी लाने के लिए दूर-दूर तक पैदल जाना पड़ता था। गहरे कुओं से पानी निकालने में खतरा बना रहता था। लेकिन अब यह स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। जल जीवन मिशन के तहत गांव में व्यापक कार्य किए गए हैं, जिससे ग्रामीणों को स्थायी और विश्वसनीय जल सुविधा प्राप्त हुई है। मिशन के अंतर्गत ग्राम खो ?सिवनी के 656 घरों में घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। इसके साथ ही गांव को 'हर घर जल ग्राम' घोषित किया गया है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री बी एल उईके ने बताया कि इस परियोजना ने ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं के जीवन में बड़ा परिवर्तन लाया है। जहां पहले पानी के लिए रोजाना संघर्ष करना पड़ता था, वहीं अब घर-घर नल की सुविधा उपलब्ध है। इससे समय की बचत, स्वास्थ्य में सुधार और जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। खोड़सिवनी में जल जीवन मिशन की सफलता ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है, और यह गांव अब जल सुविधा से सम्पन्न होकर खुशहाली की ओर अग्रसर है।

बड़गांव में मनाया गया विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कृषि विज्ञान केन्द्र बड़गांव में 05 दिसम्बर को विश्व मृदा दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बताया गया कि इस वर्ष यूएन ने विश्व मृदा दिवस 2025 को स्वस्थ शहरों की नींव- स्वस्थ मिट्टी थीम पर मनाने का निर्णय लिया हैं। विश्व मृदा दिवस हमें हर वर्ष यह संदेश देता है कि मिट्टी सिर्फ खेतों की नहीं, बल्कि जीवन की भी बुनियाद है। इस वर्ष की थीम स्वस्थ शहरों के लिए स्वस्थ मिट्टी इसी बात पर जोर देती है कि ग्रामीण माटी की गुणवत्ता ही शहरों के भोजन, पेयजल और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में सबसे बड़ी भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में जिले के 76 किसानों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस.आर. धुवारे ने मृदा के महत्व को बताते हुए जानकारी दी कि वर्तमान समय में मृदा की उत्पादन क्षमता में कमी के कारण तथा मृदा में लगातार हो रहे रासायनिक खाद के प्रयोग से मृदा में उत्पन्न होने वाली कठोरता को किस प्रकार कम किया जा सकता हैं जिससे मृदा की उपजाऊ क्षमता को बढ़ाया जा सकें। डॉ. धुवारे ने प्राकृतिक खेती के महत्व को बताते हुए कहा कि भूमि सुधार के लिये जैविक खाद का प्रयोग करना बहुत ही आवश्यक हैं। किसानों को प्राकृतिक खेती के अवयवों के बारे में जानकारी प्रदान की गयी एवं जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत, अमृतपानी, दशपर्णी अर्क, ब्रम्हास्त्र, नीमास्त्र आदि के बनाने के बारे में विस्तार से बताया गया तथा इनके उपयोग की विधि किसानों को बतायी गई। इस दौरान बताया गया कि जैविक खाद बनाने की कई विधियों से जैविक खाद बनाई जा सकती हैं। जैविक पेस्टीसाईट बनाकर इसका प्रयोग करें जिससे फसलों को रोग व कीटों से बचाया जा सकें। डॉ. धुवारे द्वारा घुड़े से खाद कैंसे बनाये जाए इसकी विधि के बारे में बताया गया। उन्होंने बताया कि घुड़ें को सड़ाने के लिए वेस्ट-डिकम्पोजर का प्रयोग करें जिससे किसान के घुड़े से खाद जल्दी बनाया जा सकता हैं। केंचुआ खाद, बायोगैस के बारे में जानकारी दी गयी। केचुआं खाद का प्रयोग खेत में करें जिससे खेत में खरपतवार नहीं होते हैं और भूमि की उत्पादकता बढ़ती होती हैं तथा फसलों से अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता हैं। बायोडिम्पोजर बनाने के लिए 200 लीटर पानी, 2 किलो गुड़, 2 किलो बेसन एवं बायोडिकम्पोजर की डिब्बी ले इन सबको लेकर एक ड्रम में घोलना हैं। यह डिकम्पोजर सात दिन में तैयार हो जाता हैं। इसका उपयोग कचरा सड़ाने के लिये करें।

पद्मेश न्यूज
शहरनामा
12
बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सांसद भारती पारधी ने संसद में रखे तीन गैर सरकारी सदस्य विधेयक,तीनों ध्वनिमत से पारित

लोकसभा में आज बालाघाट संसदीय सीट, इतिहास में दर्ज हुआ एक रिकार्ड

एक्सप्रेस विशेष
पदमेश न्यूज़। बालाघाट।

बालाघाट-सिवनी सांसद श्रीमती भारती पारधी ने आज लोकसभा में तीन विभिन्न बिल प्राइवेट मेंबर बिल (विधेयक) (गैर सरकारी सदस्यों का कार्य -पुन: स्थापित किये जाने के लिए विधेयक) पेश किया और उपयोगिता पर अपना पक्ष रखा.जिसे सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया.यह इतिहास में दर्ज होने के साथ लोकसभा के रिकार्ड में भी दर्ज हुआ।

यह प्रकारान्तर से बालाघाट जिले के लिए बेहद महत्वपूर्ण दिन रहा जो संसदीय इतिहास के पन्नों में दर्ज होने के साथ ही लोकसभा के रिकार्ड में भी दर्ज हुआ।

तथ्य यह भी है कि किसी पहली बार की निर्वाचित सांसद द्वारा एक साथ तीन तीन प्राइवेट मेंबर बिल लाया गया और उसे पेश करने की आसंदी ने अनुमति दिया जो पेश करते ही ध्वनिमत से पारित किया गया.

सांसद पारधी ने आज संसद के शीतकालीन सत्र में लोकसभा में निजी सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले विधेयकों में तीन महत्वपूर्ण विधेयक सूचना एवं प्रौद्योगिकी संशोधन बिल 2025 , बीमा अधिनियम संशोधन बिल 2025 व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बिल 2025 प्रस्तुत किया।

इस बिल में सूचना एवं प्रौद्योगिकी बिल में संसोधन डिजिटल अपराधों पर नियंत्रण को सशक्त बनाने में कारगर सिद्ध होगा एवं डिजिटल सेवाओं , साइबर व डेटा सुरक्षा में हो रहे लगातार बदलावों को कानून के दायरे में लेकर आने में मददगार सिद्ध होगा।

उन्होंने बताया कि सदन में प्रस्तुत दूसरे महत्वपूर्ण बिल बीमा अधिनियम 1938 संसोधन का उद्देश्य ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रो में बीमा सेवाओं को पहुँचाने को लेकर प्रस्तुत किया, इस संसोधन के माध्यम से बीमा क्षेत्र में उपभोक्ता संरक्षण के विषयों में अधिक पारदर्शिता लाई जा सकेगी।

यह भी बताया कि इसके अतिरिक्त सदन में प्रस्तुत तीसरे बिल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस 2025 संसोधन बिल के आ जाने से वर्तमान में तेजी से बढ़ रहे एआई के दुरूपयोग के मामलों में पारदर्शिता , जवाबदेही व कानूनी सहायता उपलब्ध की जा सकेगी।

सांसद भारती पारधी ने कहा कि इन तीनों महत्वपूर्ण प्राइवेट मेंबर बिल को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करने हेतु मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला का आभार प्रकट करती हूं।

ये तीनों सुधार व संसोधन बिल मजबूत गवर्नेंस , बीमा क्षेत्र की पारदर्शिता व तकनीकी सुरक्षा प्रदान करने में अहम कड़ी साबित होंगे।

अमित शाह को लेकर शिक्षक ने फेसबुक पर किया आपत्तिजनक पोस्ट

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी के अलावा एससी-एसटी आरक्षण और बिहार चुनाव नतीजा को लेकर की गई आपत्तिजनक पोस्ट के खिलाफ जनजाति कार्य विभाग बालाघाट सहायक आयुक्त शकुंतला डामोर ने उच्च श्रेणी के शिक्षक सुनील मेश्राम के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है।जिन्होंने 30 नवंबर को गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ की गई आपत्तिजनक पोस्ट, एसटी एससी आरक्षण सहित बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर फेसबुक पर की गई पोस्ट पर एक्शन लेते हुए शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परसवाड़ा में पदस्थ उच्च श्रेणी के शिक्षक सुनील मेश्राम को कारण बताओं नोटिस जारी कर 03 दिनों के भीतर जवाब तलब किया है। जहां समयावधि के भीतर, संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं करने की स्थिति में शिक्षक सुनील मेश्राम के खिलाफ अनुशासनात्मक एवं दंडात्मक कार्यवाही किए जाने की भी चेतावनी दी गई है।

कारण बताओं नोटिस में इन बातों का किया गया उल्लेख

जनजाति कार्य विभाग सहायक आयुक्त शकुंतला डामोर द्वारा 4 दिसंबर को जारी किए गए इस कारण बताओं नोटिस में इस बात का उल्लेख किया गया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक में सुनील मेश्राम नाम के अकाउंट से भारत सरकार एवं शासन की आलोचना कर किसी विशेष राजनीतिक दल के पक्ष में सर्वाधिक रूप से राय प्रकट की गई है जिसको लेकर यह कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। शिक्षक सुनील मेश्राम को जारी किए गए इस नोटिस में सहायक आयुक्त बालाघाट ने इस बात का उल्लेख किया है कि मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 10 के अनुसार 卐कोई भी शासकीय सेवक किसी रेडियो प्रसारण (ब्राडकास्ट) या अन्य मीडिया प्रसारण में अपने स्वयं के नाम से या गुमनाम तौर पर कल्पित नाम से या किसी अन्य व्यक्ति के नाम से प्रकाशित किसी दस्तावेज में या सामाचार पत्र को दी गई किसी संसूचना में या सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त किसी उद्गार में कोई ऐसा तथ्य या राय प्रकट नहीं कर सकेगा, जिसका परिणाम केन्द्रीय सरकार या राज्य शासन की किसी प्रचलित या तात्कालिक नीति या कार्य की प्रतिकूल आलोचना करता हो। नियम 5 (1) के अंतर्गत कोई भी शासकीय सेवक किसी राजनैतिक दल या किसी ऐसे संगठन का जो राजनीति में भाग लेता हो, न तो सदस्य होगा न उससे अन्यथा संबंध रखेगा और न वह किसी राजनैतिक आंदोलन या कार्यकलाप में भाग लेगा, न किसी अन्य रीति में उसकी सहायता करेगा।इस प्रकार प्रथम दृष्टया आप अपने पदीय दायित्वों के प्रति लापरवाह एवं गैर जिम्मेदार पाये गये हैं। आपका उक्त कृत्य म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3, 5 एवं 10 के प्रावधानों के विपरीत होने से कदाचरण की श्रेणी में आता है,जो कि आपको मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के उपनियमों के अंतर्गत निलंबित करते हुए अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के लिए पर्याप्त आधार है।

3 दिनों के भीतर मांगा जवाब, कार्यवाही की चेतावनी

सहायक आयुक्त द्वारा शिक्षक सुनील मेश्राम को जारी किए गए इस कारण बताओ नोटिस का 3 दिनों के भीतर जवाब प्रस्तुत करने को कहा गया है जहां समयावधि में जवाब प्रस्तुत नहीं करने अथवा जवाब संतोषप्रद न होने की स्थिति में एक पक्षीय अनुशासनात्मक अथवा अन्य दण्डात्मक कार्यवाही प्रस्तावित किए जाने की चेतावनी भी उल्लेखित की गई है ।

बालाघाट-ईतवारी ट्रेन कई घंटों तक फाटक गेट पर फंसी रही

इंजन के सामने लगे कैटल गार्ड में आया फाल्ट, रुक गई चलती हुई ट्रेन
पैसेंजरो के साथ साथ आम राहगीर भी घण्टो होते रहे परेशान
बम्फर (कैटल गार्ड) क्षतिग्रस्त होने से फाटक गेट पटरी पर जा चिपका बंफर, आगे नही बढ़ सकी ट्रेन
कैटल गार्ड को काटकर निकाले तब 7:15 को रवाना हुई ट्रेन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

रोजाना की तरह बालाघाट से चलकर वारासिवनी कटंगी होते हुए इतवारी की ओर जाने वाली लोकल बालाघाट - इतवारी ट्रेन में शुक्रवार की शाम उस वक्त हड़कंप मच गया, जब यह ट्रेन बालाघाट रेलवे स्टेशन से निकलकर बैहर चौकी पहुची ।जहां चौकी क्रासिंग से ट्रेन आगे ही बढ़ रही थी, जहां इंजन के पास लगा एंगल (कैटल गार्ड) फाटक गेट कांक्रीट पर टकराने से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जिसकी जोरदार आवाज आने पर चालक परिचालक ने मौके पर ही ट्रेन रोक दी। जहां अचानक ट्रेन रुकने से पहले तो पैसेंजर कुछ समझ नहीं पाए लेकिन जब करीब आधा घंटा गुजर गया, तब कहीं जाकर यात्रियों को मालूम चला की ट्रेन में फाल्ट आ गया है जिसके चलते ट्रेन खड़ी कर दी गई है। जिसकी जानकारी लगते ही ट्रेन में हंगामा मच गया और लोग ट्रेन से उतर कर पटरी पर आ गए। उधर लोगों के बढ़ते हुए आक्रोश को देखते हुए चालक परिचालक ने जैसे तैसे सुधार कार्य कर ट्रेन को आगे बढ़ाते हुए भटेरा चौकी तक ले जाया गया, लेकिन भटेरा चौकी में पुनः यही समस्या समाने आ गई ।जिसके चलते ट्रेन पुनः रोकनी पड़ी। जहां भटेरा चौकी रेलवे क्रॉसिंग पर बनाए गए कंक्रीट पथ में क्षतिग्रस्त हुआ रेलवे इंजन का बंपर (कैटल गार्ड) पुनः टकरा गया और ट्रेन आगे नहीं बढ़ सकी। इसके बाद ट्रेन को पुनः रोक कर सुधार कार्य किया गया, कई बार एंगल मिलाकर ट्रेन आगे बढ़ाने की कोशिश की गई लेकिन चालक परिचालक अपनी इस कोशिशें में नाकामयाब रहे, तो उधर ट्रेन में सवार यात्री परेशान होते रहे। हालांकि स्थानीय लोगों ने चालक परिचालक की मदद भी की, लेकिन क्षतिग्रस्त हुआ ट्रेन का बंफर (कैटल गार्ड)ऊपर नहीं उठ सका। आखिरकार थक हारकर ट्रेन चालक परिचालक ने ट्रेन को रिवर्स करके वार्ड नंबर 10 के समीप से गुजरने वाली पटरी के पास आउटर पर लाकर खड़ा कर दिया। उधर जानकारी मिलने पर करीब 2 घण्टे बाद गोंदिया से टेक्निकल स्टाफ ने आकर कैटल गार्ड को काट दिया। जिसके उपरांत शाम करीब 7:15 बजे यह ट्रेन अपने गंतव्य की ओर रवाना हुई।

आउटर में ट्रेन खड़ी कर किया गया सुधार कार्य

बताया गया कि बैहर रेलवे क्रासिंग पर ट्रेन के सामने लगा कैटल गार्ड, पटरी पर बने सीमेंट से टकराने लगा। जिससे यहां तकरीबन आधा घंटे तक ट्रेन थमी रही। ट्रेन के क्रासिंग से गुजरने के दौरान, फाटक बंद होने से दोनो ओर वाहनों का जाम लग गया ।उधर जैसे तैसे ट्रेन अभी आगे रवाना हुई ही थी कि भटेरा रेलवे क्रासिंग पर इसी प्रकार की स्थिति पैदा हुई। जिसके कारण, यहां भी तकरीबन एक घंटे से ज्यादा समय तक लोगों को फाटक के दोनो ओर खड़े रहने से परेशान होना पड़ा। जिसके कारण लगभग दोनो ही ओर आधा किलोमीटर तक जाम लगा रहा।भटेरा रेलवे क्रासिंग से पिंजड़े में आई खराबी के कारण, जब ट्रेन आगे नहीं बढ़ सकी तो लोको पायलेट ने, गाड़ी को पीछे लेकर आउटर पर खड़ा कर दिया। जिसके बाद फाटक खुलने से लोगों की आवाजाही शुरू हो सकी।

जगह जगह बनी जाम की स्थिति

बताया गया कि बालाघाट से होकर इतवारी की ओर जाने वाली ट्रेन क्रमांक 68715, इंजन संख्या 048048, शाम करीब 4 बजकर 20 पर बालाघाट रेलवे स्टेशन से वारासिवनी कटंगी होते हुए इतवारी रेलवे स्टेशन जाने के लिए रवाना हुई थी। जैसे ही यहां ट्रेन बैहर चौकी क्रॉस कर रही थी कि अचानक कांक्रीट पथ पर कैटल गार्ड टकराने से अचानक जोर से आवाज आई, जिससे चालक परिचालक ने ट्रेन का संचालन तत्काल रोक दिया और सुधार कार्य में जुट गए। उधर भटेरा चौकी में भी यही समस्या आने के चलते ट्रेन में सवार लोगों के साथ-साथ स्थानीय राहगीरों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक ट्रेन अपने गंतव्य के लिए निकल चुकी थी इसीलिए बैहर चौकी, भटेरा चौकी, बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग और गर्रा रेलवे क्रॉसिंग के रेलवे फाटक बंद कर दिए गए थे। जिसके चलते यह घंटो जाम की स्थिति बनी रही और लोग जाम में फसकर परेशान होते हुए नजर आए। हालांकि जैसे-जैसे रेलवे फाटक कर्मचारियों को मामले की जानकारी लगी वैसे-वैसे स्थानीय चौकी व स्टेशन प्रबंधक से संपर्क कर उन्होंने गेट खोल दिया लेकिन अत्यधिक मात्रा में रेलवे क्रॉसिंग के दोनों ओर वाहन खड़े होने के चलते चारो रेलवे क्रॉसिंग में घंटों जाम की स्थिति बनी रही, तो वहीं बस स्टैंड भटेरा चौकी के समीप होने के चलते नगर के बस स्टैंड तक वाहनों की लंबी लंबी कतारें देखी गई।

साईबर ठग अब बालाघाट में फर्जी ई-चालान भेजकर कर रहे खाते खाली

साइबर सेल में आ रही दर्जनों शिकायत, यातायात प्रभारी ने कहा एपीके फाइल से नहीं भेजा जाता कोई चालान

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिले में साइबर ठगी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। साइबर ठग अलग-अलग एपीके फाइल और नकली कंटेंट का इस्तेमाल करके भोली-भाली जनता को अपना निशाना बना रहे हैं। जिसमें साइबर ठगों ने वाहन चालान की एपीके फाइल बनाकर लोगों को ठगी का शिकार बनाने का प्रयास किया हैं । साइबर सेल के कर्मियों और यातायात थाना प्रभारी ने जनता को आगाह किया है कि ऐसे आने वाले नकली चालान और एपीके फाइलों से सावधान रहें। उन्होंने कहा कि कभी भी ऐसे संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और अपने मोबाइल या कंप्यूटर की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखें। जनता से अपील की गई है कि यदि कोई संदिग्ध संदेश या फाइल प्राप्त हो तो उसे डाउनलोड न करें और तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित करें। साइबर सेल और स्थानीय पुलिस लगातार ऐसे मामलों की निगरानी कर रही है और लोगों को जागरूक करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

जिले में साइबर ठगी के तरीके लगातार बदलते जा रहे हैं। अब साइबर ठग व्हाट्सऐप के ज़रिए वाहन चालान के नाम पर फर्जी एपीके फाइल भेजकर लोगों को जाल में फंसा रहे हैं। पिछले डेढ़ महीने में करीब एक दर्जन लोग इस नए तरीके से ठगी का शिकार हो चुके हैं। साइबर नोडल थाना के अनुसार कई पीड़ितों ने शिकायतें दर्ज कराई हैं कि उनके व्हाट्सऐप नंबर पर वाहन का ई-चालान भरने के नाम पर एपीके फाइल भेजी गई। जैसे ही लोगों ने इस फाइल को डाउनलोड किया, बैंक खातों से 3 हजार से 4 हजार रुपये तक की राशि तुरंत उड़ गई। इसी तरह के कई संदेश यातायात विभाग को भी प्राप्त हुए हैं। कई व्हाट्सऐप यूजर्स ने यातायात थाना प्रभारी को सूचित किया है कि उन्हें अज्ञात नंबरों से चालान फाइलें भेजी जा रही हैं। यातायात थाना प्रभारी सूबेदार यीना राहंगडाले ने इस मामले पर गंभीरता व्यक्त करते हुए कहा कि यातायात पुलिस कभी भी व्हाट्सऐप पर ई-चालान नहीं भेजती। विभागीय चालान केवल आधिकारिक प्रक्रिया के तहत ही तामील किए जाते हैं और उन्हें किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से नहीं भेजा जाता। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि ऐसे किसी भी प्रकार के लिंक, फाइल या एपीके को तुरंत डिलीट कर दें, इसे ओपन न करें। फर्जी एपीके फाइलें मोबाइल में इंस्टॉल होते ही ठगों को बैंक विवरण तक पहुंच प्रदान कर देती हैं, जिससे वे आसानी से खाते खाली कर देते हैं। साइबर सेल ने भी नागरिकों से अपील की है कि वे अंजान लिंक, फाइल या किसी भी संदिग्ध संदेश से दूरी बनाए रखें। किसी भी स्थिति में बैंक विवरण, ओटीपी या यूपीआई पिन साझा न करें और संदिग्ध घटना की तुरंत शिकायत साइबर सेल या नजदीकी थाना में करें।

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-
हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता
यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।

आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]
स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :**9425138710**,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट